रायपुर। रविवार, 13 सितम्बर, 2026
भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 42/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...

छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल एएचएफ जूनियर विमेंस एशिया कप...
@ साहित्य केसरी बंद दरवाजा ...
@ व्यापार ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता से भारत की खाड़ी...

विश्व केसरी खबर झरोखा

मध्य-पूर्व संघर्ष में शांतिदूत बने ब्रिक्स : शी जिनपिंग

नई दिल्ली। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि ब्रिक्स को मध्य-पूर्व संघर्ष में शांतिदूत की भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि चीन इस दिशा में अन्य ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर काम करेगा।

शी ने कहा कि जारी युद्ध अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों के अनुरूप नहीं है और संघर्ष का समाधान बातचीत व कूटनीति के माध्यम से किया जाना चाहिए।

ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

ब्रिक्स देशों में संयुक्त बयान पर सहमति

नई दिल्ली। ब्रिक्स सदस्य देशों के बीच गहन बातचीत के बाद संयुक्त बयान पर सहमति बन गई है। सरकारी सूत्रों के अनुसार, विभिन्न संवेदनशील मुद्दों पर मतभेद के बावजूद भारत ने लगातार कूटनीतिक प्रयास करते हुए सदस्य देशों के रुख में सामंजस्य बनाया। वार्ता शनिवार तड़के सुबह 4 बजे तक चली।

सूत्रों ने कहा कि यह सहमति इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात एक ही मंच पर हैं, जबकि कई क्षेत्रीय और भू-राजनीतिक मुद्दों पर उनके बीच गंभीर मतभेद हैं।

राष्ट्रपति मुर्मु ने ईरानी समकक्ष पेजेश्कियन से की मुलाकात

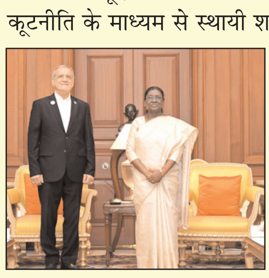

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को नई दिल्ली में ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियन के साथ बैठक के दौरान संवाद और कूटनीति के माध्यम से स्थायी शांति की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने ईरान और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ती के बंधन पर चर्चा की, जिसमें हमारे मजबूत सांस्कृतिक और जन-जन के संबंध शामिल हैं। राष्ट्रपति ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से स्थायी शांति की खोज के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन

ब्रिक्स में मोदी का बड़ा संदेश, शी से मुलाकात में सीमा शांति पर जोर

विशेष संवाददाता ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में वैश्विक शासन व्यवस्था में व्यापक सुधार का आह्वान करते हुए कहा कि ग्लोबल साउथ आज वैश्विक संकटों की अग्रिम पंक्ति में है, लेकिन फैसले लेने की प्रक्रिया में पीछे है। उन्होंने मौजूदा व्यवस्था को 'विशेषाधिकार की पिरामिड' बताते हुए इसे 'साझेदारी के मंच' में बदलने की जरूरत बताई, जहां हर देश की आवाज और भागीदारी सुनिश्चित हो।

ब्रिक्स के 20 वर्ष पूरे होने का उल्लेख करते हुए मोदी ने संगठन के लिए अगले 20 वर्षों का नया और महत्वाकांक्षी एजेंडा तैयार करने का आह्वान किया। उन्होंने वैश्विक शासन सुधार के लिए 10 प्रस्ताव तैयार कर अगले शिखर सम्मेलन तक उन्हें 'ब्रिक्स रिफॉर्म रोडमैप' का रूप देने का सुझाव दिया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार को अब और टालने से इनकार करते हुए उन्होंने स्पष्ट समयसीमा और ठोस परिणामों के साथ वार्ता आगे बढ़ाने की जरूरत बताई।

प्रधानमंत्री ने कहा कि वैश्विक संस्थाओं में प्रतिनिधित्व आज की आर्थिक वास्तविकताओं के अनुरूप होना चाहिए। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबरस्पेस, अंतरिक्ष, जैव-प्रौद्योगिकी और महत्वपूर्ण तकनीकों जैसे क्षेत्रों में ग्लोबल साउथ को 'नियम मानने वाला' नहीं, बल्कि 'नियम बनाने वाला' पक्ष बनाने पर जोर दिया। इसके लिए युवा राजनयिकों और नीति-निर्माताओं को प्रशिक्षण देने का प्रस्ताव भी रखा।

मोदी ने ब्रिक्स के भीतर निर्णयों को लागू कराने के लिए 'ब्रिक्स कंटिन्युइटी एंड इम्प्लीमेंटेशन मैकेनिज्म' बनाने का सुझाव दिया। साथ ही समुद्री व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले नाविकों की आपात मदद के लिए 'सीफेयरर्स इमरजेंसी सपोर्ट नेटवर्क' बनाने की पहल सामने रखी।

ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच करीब 50 मिनट की द्विपक्षीय बैठक हुई। यह शी की सात वर्ष बाद भारत यात्रा है और 2020 के गलवान संघर्ष के बाद दोनों देशों के संबंधों को स्थिर करने की कोशिशों के बीच इसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

बैठक में दोनों नेताओं ने सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता को द्विपक्षीय संबंधों की बुनियाद बताया। मोदी ने मौजूदा समझौतों और दोनों पक्षों के बीच बनी आपसी समझ का पालन करने पर जोर दिया। दोनों नेताओं ने मतभेदों को विवाद में नहीं बदलने तथा पारस्परिक सम्मान, संवेदनशीलता और हितों को ध्यान में रखते हुए संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर चर्चा की।

वार्ता में व्यापार, कारोबारी संपर्क और लोगों के बीच आवाजाही बढ़ाने जैसे मुद्दे भी महत्वपूर्ण रहे। भारत-चीन संबंधों में हाल के सुधार के बावजूद सीमा विवाद, व्यापार असंतुलन और रणनीतिक अविश्वास जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए मोदी-शी बैठक को रिश्तों में पूर्ण सामान्यीकरण के बजाय सावधानीपूर्वक आगे बढ़ते संवाद के संकेत के रूप में देखा जा रहा है।

चीन 2027 में अगले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। ऐसे में दिल्ली में मोदी-शी मुलाकात को न केवल द्विपक्षीय संबंधों बल्कि ब्रिक्स के भविष्य की दिशा के लिहाज से भी अहम माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री निवास में तीजा-पोरा का रंग

विश्व केसरी■ संवाददाता ■ रायपुर

रायपुर के मुख्यमंत्री निवास में आज तीजा-पोरा तिहार की रौनक देखने को मिली। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी संस्कृति और परंपरा की जीवंत झलक दिखाई दी। बड़ी संख्या में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में कार्यक्रम में शामिल हुईं। लोकगीत, पारंपरिक नृत्य और छत्तीसगढ़ी व्यंजनों ने आयोजन में चार चांद लगा दिए।

वीओ- तीजा-पोरा तिहार के मौके पर मुख्यमंत्री निवास छत्तीसगढ़ी रंग में रंगा नजर आया। कार्यक्रम में महिलाओं ने पारंपरिक गीत और नृत्य प्रस्तुत किए। तीजा पर्व महिलाओं की आस्था और पारिवारिक रिश्तों से जुड़ा है, जबकि पोरा तिहार खेती-किसानी और पशुधन के प्रति सम्मान की छत्तीसगढ़ी परंपरा को दर्शाता है।

कार्यक्रम में मंत्री गजेंद्र यादव, मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े और रायपुर महापौर मीनल चौबे समेत बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह की पत्नी वीणा सिंह और उनकी बहू ने भी कार्यक्रम में शिरकत की।

मुख्यमंत्री निवास में हुए इस आयोजन ने छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति, परंपरा और महिला सहभागिता को एक मंच पर ला दिया।

ब्रिक्स नई दिल्ली घोषणा: 10 सबसे अहम बातें

एजेंसी ■ नई दिल्ली

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा: 22 अप्रैल 2025 के हमले की कड़ी निंदा, 26 लोगों की मौत का जिक्र।

आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख: आतंकवाद के हर रूप और हर वजह की निंदा की गई।

आतंकवाद को धर्म से न जोड़ें: आतंकवाद को किसी धर्म, राष्ट्रीयता या समुदाय से जोड़ने का विरोध।

सीमा पार आतंकवाद पर कार्रवाई: आतंकवाद, उसकी फंडिंग और आतंकियों को पनाह देने वालों के खिलाफ मिलकर कार्रवाई पर जोर।

आतंकियों की जवाबदेही तय हो: आतंकियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ सामूहिक कार्रवाई की बात।

संयुक्त राष्ट्र की आतंकरोधी संधि जल्द बने: अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद पर प्रस्तावित संधि को जल्द अपनाने की मांग।

ब्रिक्स के मूल सिद्धांत मजबूत होंगे: आपसी सम्मान, संप्रभु समानता, एकजुटता और सहमति से फैसलों पर जोर।

एकतरफा टैरिफ की निंदा: एकतरफा टैरिफ और व्यापारिक पाबंदियों पर चिंता जताई गई। कहा कि ऐसे कदम WTO के नियमों के अनुरूप होने चाहिए।

परमाणु खतरा: परमाणु हथियारों के इस्तेमाल के खतरे और बढ़ते वैश्विक तनाव पर चिंता जताई गई।

भारत की अध्यक्षता की सराहना: BRICS देशों ने भारत की अध्यक्षता में हुए BRICS प्लस और आउटरीच संवाद की सराहना की।

पूजा सिंघल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में 15 सितंबर को सुनवाई

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट 15 सितंबर को आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल की उस याचिका पर सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने झारखंड हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्होंने मनी लांड्रिंग मामले में संज्ञान आदेश को रद करने की उनकी याचिका खारिज कर दी थी।

इस मामले की सुनवाई भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और वी मोहना की पीठ द्वारा किए जाने की संभावना है।

18 करोड़ रुपये के घोटाले में होगी जांच

झारखंड खान विभाग की पूर्व सचिव सिंघल को ईडी ने 11 मई 2022 को केंद्र सरकार की प्रमुख ग्रामीण रोजगार योजना मनरेगा के कार्यान्वयन में कथित तौर पर 18 करोड़ रुपये के घोटाले के सिलसिले में उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था।

तीर तेवर — सागर कुमार

राहुल गांधी ने छात्रों से पूछा, 'शिक्षा व्यवस्था ने आपके सपनों को कैसे रोका?', सुझाव भी मांगा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के जरिए छात्रों से अनुरोध किया है कि वे वेबसाइट पर जाकर यह बताएं कि क्या देश की शिक्षा व्यवस्था ने उन्हें वह भविष्य दिया, जिसका वादा किया था?

राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लिखा है, 'क्या देश की शिक्षा व्यवस्था ने आपको वह भविष्य दिया, जिसका वादा किया था?' बिल्कुल नहीं, यह देशभर के करोड़ों छात्रों का जवाब है। पेपर लीक, बेरोजगारी, महंगी शिक्षा और अवसरों की कमी जैसी समस्याओं ने उनके सपनों पर लगाम लगा रखी है। आपका रास्ता किसने और कैसे रोका है?

इसके साथ ही राहुल गांधी ने एक लिंक शेयर किया है, जहां जाकर छात्र अपनी राय दे सकते हैं।

इसके लिए छात्रों को नाम, नंबर, क्षेत्र, जिला आदि के साथ अपनी एक फोटो भी शेयर करनी होगी।

राहुल गांधी द्वारा शेयर की गई वेबसाइट पर लिखा है, 'हमारी शिक्षा व्यवस्था में क्या कमी है?' हम जिस भी शहर में 'छात्रों की गूंज' लेकर जाते हैं, वहां हमें कुछ नया सीखने को मिलता है। शिक्षा से जिंदगी बदलने का सपना अब हकीकत नहीं रहा और अच्छी शिक्षा तक पहुंच कुछ ही लोगों तक सीमित है।

राहुल गांधी का 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम इंदौर में प्रस्तावित है। इंदौर स्टेडियम का उपयोग करने की अनुमति न मिलने के बाद, कांग्रेस ने कार्यक्रम के लिए शहर में एक वैकल्पिक स्थान किराए पर लेने के लिए 10 लाख रुपए से अधिक का भुगतान किया। भाजपा पर घबराहट के कारण जानबूझकर अनुमतियों में देरी करने का आरोप लगाते हुए, कांग्रेस नेताओं ने पुष्टि की कि पार्टी ने कार्यक्रम के लिए इंदौर विकास प्राधिकरण से क्षेत्रीय पार्क के सामने 12,000 वर्ग मीटर भूमि का तीन दिवसीय पट्टा हासिल कर लिया है।

बता दें कि इससे पहले 11 सितंबर को राहुल गांधी ने छात्रों से कहा था, 'मेरे प्यारे छात्रों, युवाओं और भारत के जेनजी, आपके साथ सारा देश देख रहा है कि आज एक टूटी हुई शिक्षा व्यवस्था ने आपकी उम्मीदों की लौ को बुझाकर आपके भविष्य को अंधेरे में धकेल दिया है।

'छात्रों की गूंज' के माध्यम से मैं अलग-अलग शहरों में आपसे मिलकर आपकी चुनौतियां समझ रहा हूं। इसी मुहिम के साथ 19 सितंबर को मैं फिर आपके बीच इंदौर में रहूंगा। मगर इस सिस्टम को बदलने के लिए पूरे देश के हर छात्र की आवाज, उनका दर्द और उनकी राय सुनी जानी जरूरी है।

यूपी सरकार ने परिषदीय स्कूलों में निगरानी और चाइल्ड ट्रैकिंग को दी रफ्तार, 6.55 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत

विश्व केसरी■

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, विद्यालयी प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

इसी क्रम में वर्ष 2026-27 के लिए एमआईएस (यू-डायस प्लस) और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के लिए 6.55 करोड़ रुपये का बजट निर्धारित किया गया है। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को धनराशि के उपयोग और निगरानी के संबंध में दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।

ज्ञात हो कि इस व्यवस्था के माध्यम से योगी सरकार विद्यालयी आंकड़ों को अधिक व्यवस्थित, बच्चों की शैक्षिक प्रगति की निगरानी को अधिक प्रभावी तथा स्कूल प्रबंधन को अधिक जवाबदेह बनाने की दिशा में डिजिटल प्रणालियों के उपयोग को मजबूत कर रही है। निर्देशों के अनुसार कुल 655.01 लाख रुपये की धनराशि निर्धारित की गई है। इसमें एमआईएस (यू-डायस प्लस) के लिए 262.00 लाख रुपये तथा चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के लिए 393.01 लाख रुपये शामिल हैं।

यह धनराशि विद्यालय स्तर पर एसएमसी के माध्यम से निर्धारित गतिविधियों पर व्यय की जाएगी। निर्देशों में यू-डायस प्लस पर विद्यालयों एवं विद्यार्थियों से संबंधित आंकड़ों के संकलन और उनके उपयोग को महत्वपूर्ण माना गया है। साथ ही चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के माध्यम से बच्चों की शैक्षिक स्थिति पर नजर रखने की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया गया है। पत्र में अपार आईडी और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के बीच समन्वय स्थापित करने की दिशा में भी निर्देश दिए गए हैं, जिससे प्रत्येक विद्यार्थी की विशिष्ट पहचान के साथ उसकी शैक्षिक जानकारी को व्यवस्थित रूप से ट्रैक किया जा सके।

निर्देशों में जिला स्तर से लेकर विद्यालय स्तर तक धनराशि के उपयोग की निगरानी के लिए जिम्मेदारियां तय की गई हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को एसएमसी स्तर पर हुए व्यय की प्रगति की समीक्षा करने तथा निर्धारित पोर्टल पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार विद्यालयी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ हर बच्चे की शैक्षिक प्रगति पर प्रभावी नजर सुनिश्चित कर रही है। एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच्चों से जुड़ी जानकारी के बेहतर उपयोग को नई मजबूती मिलेगी।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा मोनिका रानी ने कहा कि एमआईएस, यू-डायस प्लस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाए। अपार आईडी के माध्यम से विद्यार्थियों की जानकारी को व्यवस्थित रूप से जोड़ते हुए एसएमसी स्तर पर स्वीकृत धनराशि का निर्धारित मद में पारदर्शी उपयोग और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित हो।

एक दशक बाद केरल में लौटा पावर कट का मुद्दा, सतीशन सरकार के खिलाफ विपक्ष को मिला बड़ा हथियार

विश्व केसरी■

तिरुवनंतपुरम। केरल की राजनीति में करीब एक दशक तक बिजली कटौती का मुद्दा लगभग गायब रहा, लेकिन पिछले एक सप्ताह से रात के समय हो रही लंबी बिजली कटौती ने राजनीतिक समीकरण बदल दिए हैं। विपक्ष ने मुख्यमंत्री वी.डी. सतीशन के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार को घेरना शुरू कर दिया है, जिससे पहली बार सरकार इस मुद्दे पर गंभीर राजनीतिक दबाव महसूस कर यही है।

मई में राज्य की सत्ता संभालने वाली कांग्रेस अब तक अपनी छवि को नुकसान पहुंचाने वाले किसी बड़े विवाद से बची हुई थी, लेकिन बिजली संकट अब एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है, जिससे सरकार और बिजली मंत्री सनी जोसेफ दोनों ही जनता की कड़ी आलोचना का सामना कर रहे हैं।

टीवी चैनलों पर उपभोक्ताओं की शिकायतों की बाढ़ आ गई है। कई लोगों का कहना है कि उन्होंने पिछले दस साल में इतनी बार बिजली जाते हुए नहीं देखी। जनता की इस नाराजगी ने लेफ्ट के सोशल मीडिया नेटवर्क को नया जोश दे दिया है। लेफ्ट समर्थक मीम्स, पोस्ट और पिछली एलडीएफ सरकार के साथ तुलना के जरिए बिजली कटौती को खूब उछाल रहे हैं। यह दिलचस्प है कि नई सरकार के सत्ता में आने के बाद से ही लेफ्ट समर्थक सोशल मीडिया हैंडल सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई ऐसा मुद्दा नहीं मिल रहा था जो जनता से जुड़ सके। अब बिजली कटौती ने उन्हें ठीक वही मौका दे दिया है जिसकी उन्हें तलाश थी।

सतीशन सरकार और मंत्री सनी जोसेफ ने इस संकट के लिए पिछली एलडीएफ सरकार के फैसलों को जिम्मेदार ठहराया है, खासकर ओमन चांडी सरकार के समय शुरू हुए एक बिजली खरीद समझौते को रद्द करने के फैसले को। हालांकि आलोचकों का कहना है कि जब पिनाराई विजयन सरकार ने अप्रैल में पद छोड़ा था, तब केरल में ऐसी कटौती नहीं हो रही थी, इसलिए संकट के समय पर सवाल उठ रहे हैं।

लंबे समय के समाधान की बात करते हुए सनी जोसेफ ने शनिवार को कहा कि सरकार उन घरों के लिए एक आकर्षक टैरिफ सिस्टम पर विचार कर रही है जो अपनी स्टोर की हुई बिजली केरल स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (केएसईबी) को वापस देंगे।

संक्षिप्त खबरें

औरंगाबाद में अफीम की तस्करी के मामले में दो को 10 साल की कठोर सजा

विश्व केसरी■

पटना। पटना जोनल यूनिट की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने बिहार के औरंगाबाद जिले में 5.250 किलोग्राम अफीम की बरामदगी से जुड़े एक मादक पदार्थ तस्करी मामले में दो आरोपियों को दोषी ठहराने में सफलता हासिल की है। अदालत ने दोनों को 10 साल की कठोर सजा सुनाई और प्रत्येक पर 1 लाख रुपए का जुर्माना लगाया। जुर्माना न भरने की स्थिति में प्रत्येक दोषी को अतिरिक्त एक साल की साधारण जेल की सजा काटनी होगी। खुफिया जानकारी के आधार पर एनसीबी ने 24 फरवरी, 2021 को औरंगाबाद के टाउन पुलिस स्टेशन इलाके में रामाबंध बस स्टैंड पर आरोपी प्रमोद प्रसाद को रोका और उसके पास से 5.250 किलोग्राम अफीम बरामद की। एनसीबी के अनुसार, यह अफीम झारखंड के डाल्टनगंज से लाई गई थी और इसे बिहार के औरंगाबाद ले जाया जा रहा था। यह मामला नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट, 1985 की धाराओं के तहत एनसीबी पटना जोनल यूनिट में दर्ज किया गया था।

जिस इस्लाम में लिखा है कि मूर्ति पूजा नहीं कर सकते, गरबा में आकर वे क्या करेंगेः आनंद दुबे

विश्व केसरी■

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) के नेता आनंद दुबे ने कोलकाता स्थित कालीघाट मंदिर में पूजा करने के बाद सीएम सुवेंदु अधिकारी के मछली खाने, गरबा विवाद और सपा नेता अबू आसिम आजमी की टिप्पणियों और ईरान राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और पीएम मोदी के बीच द्विपक्षीय बैठक पर प्रतिक्रिया दी है। आईएएनएस से बातचीत करते हुए आनंद दुबे ने कहा, 'चाहे अबू आजमी हों या एआईएमआईएम के वारिस पठान हों और चाहे मंत्री नितेश राणे हों, सभी की एक जैसी भाषा है। सब नफरत की बात करते हैं। गरबा सनातनियों का एक पवित्र त्योहार है और माताएं-बहनें मां की प्रतिमा के सामने नृत्य करती हैं। ऐसे में हमको ये समझ नहीं आ रहा है कि जिस इस्लाम में लिखा है कि मूर्ति पूजा नहीं कर सकते, तो वहां आकर वे क्या करेंगे। अबू आजमी की ओर से कहा जा रहा है कि उनको नहीं जाना चाहिए तो यह सही बात है। बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी के मछली खाने को लेकर आनंद दुबे ने कहा, 'धीरेंद्र शास्त्री हिंदू और सनातन के कथावाचक हैं। उनका कहना है कि मंदिर परिसर में सात्विक होकर जाना अच्छा है और सुवेंदु अधिकारी मंदिर में बैठकर मछली खा रहे हैं। दोनों लोग अपना-अपना तर्क दे रहे हैं।

कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप में आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ दूसरा गैर-जमानती वारंट जारी

विश्व केसरी■

जम्मू। जम्मू की एनआईए कोर्ट की ओर से कश्मीर में आतंकवादियों को हथियार, फंड और निर्देश देने के आरोप में लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख आतंकी हाफिज सईद के खिलाफ एक नया गैर-जमानती वारंट जारी किया गया है। दो महीनों में उनके खिलाफ यह दूसरा ऐसा वारंट है।

जम्मू में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) कोर्ट के स्पेशल जज ने अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद कहा, 'एनआईए के सीआईओ को सुना और आवेदन व उससे जुड़े दस्तावेजों को देखा। रिकॉर्ड की जांच से पता चलता है कि जांच के दौरान आरोपी की भूमिका सामने आई है और उस पर आतंकवाद में शामिल होने का आरोप है।'

स्पेशल जज ने आगे कहा, 'इस बात को ध्यान में रखते हुए कि आरोपी अभी भी फरार है और जांच एजेंसी सामान्य तरीके से उसे पेश करने में कामयाब नहीं हो पाई है, इस याचिका को मंजूरी दी जाती है।' इसलिए, आरोपी हाफिज मुहम्मद सईद के खिलाफ गिरफ्तारी का एक सामान्य वारंट (गैर-जमानती) जारी किया जाता है।'

कोर्ट ने आगे कहा, 'यह वारंट कानून में बताई गई प्रक्रिया के अनुसार तामील कराने के लिए डीआईजी, एनआईए जम्मू को भेजा जाता है। इस अर्जी का निपटारा किया जाता है और जरूरी कार्रवाई के बाद इसे रिकॉर्ड में दर्ज किया जाता है।'

यह आदेश 8 सितंबर को जारी किया गया था। हाफिज सईद पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक है और भारत के सबसे ज्यादा वांछित (मोस्ट-वांटेड) ग्लोबल आतंकवादियों में से एक है। वह अभी जम्मू-कश्मीर में सीमा पार की बड़ी साजिशों और हाई-प्रोफाइल हमलों के सिलसिले में एनआईए की सख्त कानूनी कार्रवाई का सामना कर रहा है।

भारतीय एजेंसियां उसकी कस्टडी की कोशिश कर रही हैं। भारतीय इंटेलिजेंस का मानना है कि पाकिस्तान के सिस्टम के भीतर कुछ लोग उसे बचाने का काम कर रहे हैं। वह यूएन की लिस्ट में शामिल ग्लोबल आतंकवादी है।

पार्टी के चुनाव चिह्न को लेकर घमासान के बीच बंगाल के मंत्री दिलीप घोष ने टीएमसी पर साधा निशाना

विश्व केसरी■

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पंचायती एवं ग्रामीण विकास मंत्री दिलीप घोष ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर तीखा हमला बोला। टीएमसी के दो प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच पार्टी के चुनाव चिन्ह पर दावे को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के समक्ष सुनवाई चल रही है।

पत्रकारों से बातचीत में वरिष्ठ भाजपा नेता ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस का अस्तित्व समाप्त हो जाना चाहिए, क्योंकि सत्ता में रहते हुए इस पार्टी ने पश्चिम बंगाल की जनता को नुकसान पहुंचाया। घोष ने कहा, 'ऐसा लगता है कि किसी को भी पार्टी का चुनाव चिन्ह नहीं मिला है। हम नहीं चाहते कि इस पार्टी का पश्चिम बंगाल या कहीं और कोई आधार हो। इसका अस्तित्व समाप्त हो जाना चाहिए। इस पार्टी ने बंगाल में भारी तबाही मचाई है और राज्य की राजनीति को भ्रष्ट कर दिया है। पश्चिम बंगाल भाजपा के पूर्व अध्यक्ष ने तृणमूल कांग्रेस की मौजूदा स्थिति पर भी सवाल उठाया और दावा किया कि पार्टी भ्रम और अव्यवस्था की स्थिति में है।

तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष की टिप्पणी का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि पार्टी के कई लोगों के लिए तृणमूल कांग्रेस का मतलब पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ही है। उन्होंने कहा, 'जब तक ममता बनर्जी मौजूद हैं, लोगों को लग सकता है कि तृणमूल कांग्रेस नाम की कोई पार्टी अभी भी अस्तित्व में है। हालांकि, बागी गुट को अब पार्टी के अधिकांश नेताओं और विधायकों का समर्थन हासिल है।

जम्मू-कश्मीर में लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी साजिश मामले में एनआईए की 10 स्थानों पर छापेमारी

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े सीमा पार आतंकी साजिश मामले में 10 स्थानों पर छापेमारी की। एजेंसी ने बताया कि कार्रवाई पाकिस्तान स्थित आतंकी हैंडलरों और उनके स्थानीय ओवर ग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क की जांच के तहत की गई।

एनआईए के अनुसार, तलाशी अभियान कुपवाड़ा, कुलगाम, बांदीपोरा, बारामूला और सोपोर में चलाया गया। इसका उद्देश्य साजिश से जुड़े और सबूत जुटाना तथा घुसपैठ कर आए आतंकियों को रसद और अन्य सहायता मुहैया कराने वाले लोगों की भूमिका का पता लगाना है।

यह मामला पहले श्रीनगर के जाकूरा थाने में एफआईआर संख्या 0024/2026 के तहत दर्ज किया गया था। बाद में एनआईए ने इसे यूएपीए की धारा 23, आर्म्स एक्ट की धारा 7 और 25 तथा विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धारा 4 के तहत आरसी-02/2026/एनआईए/जेएमयू के रूप में दोबारा दर्ज किया। जांच की शुरुआत 31 मार्च 2026 की देर रात एक नाका जांच के दौरान लश्कर से जुड़े एक ओजीडब्ल्यू की गिरफ्तारी के बाद हुई थी। उसके कब्जे से एक हैंड ग्रेनेड और जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे।

बिहार में कानून-व्यवस्था खत्म, अपराधियों को मिल रहा सरकार का संरक्षणः तेजस्वी यादव

विश्व केसरी■

पटना। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने राज्य में बढ़ते अपराध और स्वास्थ्य व्यवस्था की स्थिति को लेकर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और भाजपा पर जुबानी हमला किया। उन्होंने सीतामढ़ी में जिला परिषद प्रतिनिधि की हत्या और जहानाबाद के एक अस्पताल में पैर टूटे मरीज को कथित तौर पर प्लास्टर की जगह कार्डबोर्ड पैड लगाए जाने का मामला उठाते हुए सरकार की कार्यशैली पर सवाल खड़े किए।

तेजस्वी यादव ने आईएएनएस से बातचीत के दौरान सीतामढ़ी में जिला परिषद प्रतिनिधि की हत्या का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य में अपराध की स्थिति लगातार चिंता का विषय बनती जा रही है। बिहार में ऐसा कोई दिन नहीं है जब अपराध की घटना सामने न आती हो। हत्या, बलात्कार, रंगदारी और अपहरण जैसी घटनाओं के साथ पुलिसिया अपराध के मामले भी बढ़े हैं। प्रदेश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज नहीं रह गई है और अपराधियों का बोलबाला है। अपराधियों को सरकार से संरक्षण मिल रहा है और उनके खिलाफ अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही।

उन्होंने कहा कि निर्दोष और पीड़ित लोगों को न्याय दिलाने में सरकार विफल रही है। तेजस्वी यादव ने इसके लिए मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि सरकार को पीड़ित परिवारों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुननी चाहिए। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि गंभीर घटनाओं के बाद सरकार के शीर्ष जिम्मेदार लोगों को पीड़ित परिवारों से मिलना चाहिए। सरकार जमीनी स्तर पर कार्रवाई करने के बजाय केवल बयानबाजी कर रही है।

लद्दाख के संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में अधिकारों और दावों के निपटारे की प्रक्रिया दो महीने में पूरी होगी : एलजी

विश्व केसरी■

लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने संरक्षित हेमिस, चांगथांग और काराकोरम वन्यजीव क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के अधिकारों और दावों के निपटारे की प्रक्रिया को दो महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

उपराज्यपाल ने यह फैसला शुक्रवार को हुई 16वीं स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की बैठक के दौरान लिया। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक अधिकारों और बस्तियों को लेकर स्पष्टता सुनिश्चित करना है।

सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वन्यजीव क्षेत्रों की सीमाओं के अंतिम निर्धारण को लेकर पिछली उप-समिति की रिपोर्ट को अलग रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट केवल कागजी या 'टेबल-टॉप एक्सरसाइज' पर आधारित थी और इसमें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पिछली प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं के साथ-साथ इन क्षेत्रों में पीढ़ियों से रह रहे स्थानीय समुदायों की वास्तविक चिंताओं और अधिकारों को भी पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। एलजी ने कहा कि आगे की प्रक्रिया कानून के अनुरूप और स्थानीय लोगों की भागीदारी के साथ पूरी की जानी चाहिए। इसके तहत सभी जिलाधिकारियों (डीसी) और सेटलमेंट अधिकारियों को स्थानीय लोगों से आपत्तियां और सुझाव प्राप्त करने के लिए तत्काल जनसुनवाई फिर से शुरू करने का निर्देश दिया गया है। उन्हें यह पूरी प्रक्रिया दो महीने के भीतर पूरी करने को कहा गया है।

सक्सेना ने कहा कि इस निर्णायक कदम से लद्दाख के लोगों को उनके पारंपरिक अधिकारों और इन क्षेत्रों में मौजूद उनकी बस्तियों को लेकर लंबे समय से चली आ रही अनिश्चितता दूर करने में मदद मिलेगी। साथ ही, लद्दाख के विशिष्ट और महत्वपूर्ण वन्यजीवों के संरक्षण को भी मजबूती से सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35356.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35356
वार्ड का नाम - 48 - गुरू घासीदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR344100296 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती GOVT NAZUL VIVEK PANDEY पिता / पति श्री/श्रीमती KISHORE PANDEY के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्रीमती नागेश्वरी चन्द्राकर पिता / पति श्री/श्रीमती पति स्व. विरेन्द्र चन्द्राकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / मलमा बिक्रीनामा / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35357..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35357
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330A00064 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती AMALENDU BANERJEE पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री प्रांतिक बेनर्जी पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. अमलेन्दु बेनर्जी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र , दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / शपथ पत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, अमलेन्दु के मृत्यु उपरांत वरिसानो द्वारा पंजीकृत हक्र त्याग, बी-1, निगम टैक्स छायाप्रति / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35323.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35323
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR330B00007 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ALOK SINGH PARIHAR पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती श्री अलंकार सिंह परिहार पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. अलोक सिंह परिहार ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / shapath patr, sahmati patr, adhar card, mrityu praman patr, old ragistri / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर
(जोन क्रं - 6)
- : : आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं /....35364..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 6/2026
रायपुर, दिनांक 12-09-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35364
वार्ड का नाम 61 श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 61 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. RPR663R01262 जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती ANAND DALMIYA पिता/पति श्री श्रीमती RAMCHANDRA DALMIYA के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 1 ASHISH KUMAR SHARMA S/O AMBIKA SHARMA 2 AKANSHA MISHRA W/O ASHISH KUMAR SHARMA पिता/पति श्री/श्रीमती W/O ASHISH KUMAR SHARMA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार। पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

डिजिटल एडिक्शन आज किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक : राज्यपाल रमेन डेका

विश्व केसरी

रायपुर (संवाददाता)। राज्यपाल रमेन डेका आईसीएफएआई विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। समारोह में वर्ष 2025 एवं वर्ष 2026 शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों को विभिन्न संकायों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए पदक प्रदान किए गए, जिनमें 19 विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल तथा 16 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल से सम्मानित किया गया शामिल हैं। स्नातकोत्तर एवं स्नातक स्तर पर कुल 504 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई।

राज्यपाल डेका ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आप इंटरनेट युग के विद्यार्थी हैं, जबकि हम उस दौर के विद्यार्थी हैं, जब शिक्षा चाक ,पेंसिल पुस्तकों और गुरुओं के माध्यम से प्राप्त करते थे। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आज बहुत जरूरी है, लेकिन इसका उपयोग उतना ही होना चाहिए, जितना मानव समाज के हित में आवश्यक है। आज डिजिटल एडिक्शन किसी भी अन्य एडिक्शन से अधिक खतरनाक हो गया है। विद्यार्थियों को तकनीक का सदुपयोग करते हुए इसके दुष्प्रभावों से बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यूक्लियर एनर्जी, क्लाइमेट चेंज और माइक्रो प्लास्टिक आज दुनिया के सामने बड़ी चुनौतियां हैं। 21वीं सदी में विकास के साथ उसके दूसरे पहलुओं पर भी ध्यान देना होगा और सतत विकास को प्राथमिकता देनी होगी।

राज्यपाल ने विद्यार्थियों को भगवत गीता के कर्मयोग का संदेश देते हुए कहा कि कर्म ही जीवन है। हमें इस बात की चिंता किए बिना कि दूसरे हमारे बारे में क्या सोचते हैं, अपने कर्म, पढ़ाई और लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि आपका ज्ञान कोई आपसे नहीं छीन सकता। अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनें और सही रास्ते पर आगे बढ़ें।

डेका ने कहा कि विद्यार्थियों ने ज्ञान और डिग्री इसलिए हासिल की है कि उसका उपयोग मानव समाज के हित में हो। विज्ञान, तकनीक और इनोवेशन का उद्देश्य मानव जीवन को बेहतर बनाना होना चाहिए। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लौह अयस्क प्रचुर मात्रा में है और यह देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार है। अब छत्तीसगढ़ को एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने की दिशा में भी प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत, आत्मनिर्भर भारत और 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को प्राप्त करने में समाज के प्रत्येक वर्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को अपने जीवन का रोडमैप तैयार कर योजनाबद्ध ढंग से सफलता की ओर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहते हुए राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की अपील की।

समारोह में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के सदस्य एवं डिफेंस साइंटिस्ट डॉ. वी. सतीश रेड्डी तथा विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रोफेसर आर.पी. कौशिक ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। स्वागत भाषण विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. शिव दयाल पांडे ने दिया और विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की शासी परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्य, अधिष्ठाता, प्राध्यापक, छात्र-छात्राएं

तहसीलदार के निलंबन पर हाईकोर्ट की रोक!

रायपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने तहसीलदार माया आंचल लहरे को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके निलंबन के 16 जुलाई 2026 के आदेश पर रोक लगाते हुए राजस्व विभाग समेत संबंधित अधिकारियों से जवाब मांगा है।

मामला रायगढ़ जिले की पुसौर तहसील में साल 2020 में राजस्व रिकॉर्ड में जमीन की प्रकृति बदले जाने से जुड़ा है। उस समय माया आंचल लहरे पुसौर की तहसीलदार थीं। 28 अक्टूबर 2020 को उन्होंने ग्राम पुसौर की खसरा नंबर 16/2-बी की जमीन को लेकर आदेश जारी किया था। आरोप है कि इस आदेश के जरिए राजस्व रिकॉर्ड से 'शासकीय छोटा झाड़ जंगल' की प्रविष्टि हटाकर आनंद राम का नाम दर्ज करने का निर्देश दिया गया। मामला भू-राजस्व मंडल, बिलासपुर पहुंचा। 21 अगस्त 2025 को बोर्ड ऑफ रेवेन्यू के अध्यक्ष ने जमीन की प्रकृति बदलने के लिए तत्कालीन तहसीलदार और हल्का पटवारी को जिम्मेदार माना और विभागीय कार्रवाई के लिए मुख्य सचिव को पत्र भेजा। इसके खिलाफ माया आंचल लहरे ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। 17 फरवरी 2026 को हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देते हुए बोर्ड के उस हिस्से पर रोक लगा दी थी, जिसमें तहसीलदार के खिलाफ विभागीय जांच शुरू करने का निर्देश दिया गया था।

राजा तालाब में महतारी घाट का भूमि पूजन, सेनेटरी पैड मशीन का उद्घाटन

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। नगर पंचायत छुरा में शनिवार को जनहित, महिला स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान राजा तालाब में महतारी घाट निर्माण कार्य का भूमि पूजन किया गया। इसके साथ ही स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन का उद्घाटन किया गया।

राजा तालाब में महतारी घाट के निर्माण से नागरिकों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। वहीं स्वामी आत्मानंद हिन्दी माध्यम विद्यालय में सेनेटरी पैड मशीन की सुविधा शुरू होने से छात्राओं को मासिक धर्म स्वच्छता के संबंध में सुविधा एवं जागरूकता मिलेगी।

सादगी से मनाया नगर पंचायत अध्यक्ष का जन्मदिन

इसी अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद जी का जन्मदिन भी था। हालांकि हाल ही में नगर के दो युवा बेटे-बेटियों के असामयिक निधन से नगर में शोक का वातावरण है। इसे ध्यान में रखते हुए अध्यक्ष ने अपना जन्मदिन सादगी एवं संवेदनशीलता के साथ मनाने का निर्णय लिया।

अध्यक्ष ने जन्मदिन पर केक काटने अथवा किसी प्रकार का उत्सव मनाने के बजाय पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने का निर्णय लिया। इस अवसर पर पौधे लगाए गए तथा उनके संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया गया।

अध्यक्ष लुकेश्वरी निषाद की इस पहल को उपस्थित लोगों ने संवेदनशील एवं अनुकरणीय कदम बताते हुए सराहा। जन्मदिन को व्यक्तिगत उत्सव के बजाय समाज और पर्यावरण के प्रति समर्पण के रूप में मनाने का संदेश कार्यक्रम के माध्यम से दिया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष समीम खान पार्षद सलीम मेमन,दीप्ति यादव, यामीन ट्रांसजेंडर,

पूर्व सभापति थानसिंह निषाद, नारायण पटेल, निखिल साहू, पीयूष सिन्हा,मयंक सोनी,कुश साहू, सुनीता चंद्राकर, संतोष ध्रुव, भीषेक पांडेय,प्राचार्य एन सी साहू,विनोद देवांगन, के पी साहू, रामाधार यादव, मनोज दुबे,धनेश्वर नाग ,मिथलेश सिन्हा, परमेश्वर सिन्हा, दानेश्वर निर्मलकर, वेदप्रकाश मरकाम, मेघराज यादव,एकलव्य शर्मा , जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

26 वीं राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में कटगी स्कूल के विद्यार्थी दी बेस्ट प्लेयर

विश्व केसरी

कसडोल (प्रवीण ढोमने)। शारीरिक और मानसिक विकास का मुख्य आधार खेल है,इसी से ही खिलाड़ी के जीवन में अनुशासन,संयम ,नेतृत्व क्षमता और सामूहिकता की भावना विकसित होती है। विद्यार्थियों के लिए खेल अपने भविष्य को बेहतर बनाने, शासन से मिलने वाली योजनाओं का लाभ उठाने में विशेष सहायक होती है। गत दिनों 8 सितंबर से 11 सितंबर तक होने वाली 26 वीं राज्य स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता नगर पंचायत कसडोल मे छत्तीसगढ़ से पांचों संभाग के 520 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

जिसमें सभी ने गतका,रग्बी एवं फैंसिंग (तलवारबाजी) में भाग लिया। उपरोक्त खेल में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कटगी के कुल 11 विद्यार्थियों ने गतका,फैंसिंग में स्वर्ण पदक और रजत पदक जीत अपने विद्यालय का नाम रोशन किया,वही ऋतिक देवांगन 12 वी,स्वर्ण पदक के साथ गतका में बेस्ट प्लेयर के रूप में सायकल से सम्मानित किया गया,इसी तरह फैंसिंग में बेस्ट प्लेयर के रूप में कु. टिकेश्वरी वर्मा 12 वी स्वर्ण पदक एवं रजत पदक के साथ सायकल से सम्मानित किया गया।इसी तरह फैंसिंग में कु.अंशु घृतलहरे (9वी) स्वर्ण पदक, तारिकेश पाटले (10 वी) रजत पदक, कु. पूजा पैकरा (11वी) स्वर्ण पदक,जीवेंद्र कुर्रे (12 वी) स्वर्ण पदक अपने नाम किए।

नगरी मंडल में सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला एवं मासिक बैठक आयोजित

विश्व केसरी

नगरी (राजशेखर नायर)। ग्राम फरसियां के महामाई मंदिर परिसर में भारतीय जनता पार्टी नगरी मंडल द्वारा सेवा संकल्प अभियान कार्यशाला और मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा और समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में आयोजित सेवा संकल्प अभियान इस कार्यशाला में अभियान की रूपरेखा और तैयारी को तय करने के लिए मंडल स्तर पर सेवा संकल्प कार्यशाला एवं मासिक बैठक का भी आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता नेहरू राम निषाद अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग आयोग, शालिनी राजपूत, प्रकाश बैस धमतरी भाजपा जिला अध्यक्ष, राजेश नाथ गोसाई नगरी भाजपा मंडल अध्यक्ष ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक एक महीने तक चलेग, कार्यशाला में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं पदाधिकारी को अभियान के तहत होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी जाएगी, इसमें जमीनी स्तर पर जनसंपर्क बढ़ाने की रणनीति बनाई जाएगी। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को सेवा दिवस या आशीर्वाद दिवस से होगी, इस दौरान रक्तदान शिविर, स्वच्छता अभियान, स्वास्थ्य शिविर और आशीर्वाद का दिया जैसे 13 प्रमुख कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पार्टी का लक्ष्य इस दौरान देश के करीब 25 करोड़ परिवारों तक सीधे संपर्क साधने और सरकारी योजनाओं की जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का है।

श्री ऋषभदेव जिनालय एवं दादाबाड़ी में मनमोहक आंगी

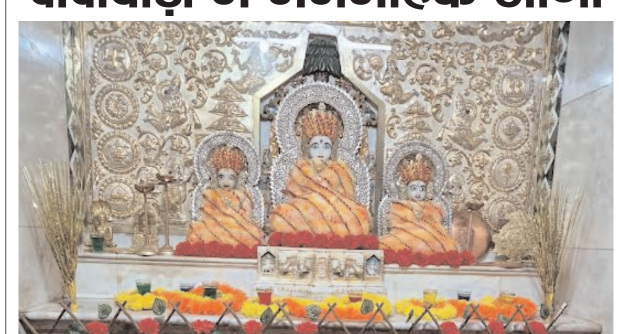

विश्व केसरी

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। स्थानीय श्वेताम्बर जैन मंदिर में पर्वाधिराज पर्व की आराधना भक्ति भाव पूर्वक की जा रही है। इस प्रसंग पर पूरे मंदिर परिसर को विशेष रूप सुसज्जित किया गया है। साथ ही परमात्मा के मंदिर एवं दादाबाड़ी में प्रतिष्ठित प्रतिमाओं को मनभावन रूप में आंगी बनाकर सुसज्जित किया गया है जिसे सकल संघ ने सराहा है। संघ के उदीयमान संगठन वीरा ग्रुप एवं मनोहर इवेंट के सदस्यों के संयुक्त प्रयास से पूरे मंदिर परिसर को सुसज्जित किया गया है। इस सराहनीय कार्य के लिए संघ प्रमुख शिखर बाफना एवं सचिव अभिषेक दुग्गड़ ने संगठन की सभी सदस्याओं के कार्यों की बहुत बहुत अनुमोदना करते हुए उनका आभार व्यक्त किया है। प्रतिदिन प्रभु की आंगी अलग अलग रूप से की जा रही है।

गांजा परिवहन कर रहा युवक गिरफ्तार

विश्व केसरी

जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)। जगदलपुर।नगरनार पुलिस ने शनिवार को ओड़िशा सीमा से लगे धनपुंजी फारेस्ट नाका के पास वहां का इंतजार कर रहे आरोपित सिकन्दर निवासी ग्राम नगला हट्टी थाना मलपुरा जिला आगरा यूपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। उसके कब्जे से मादक पदार्थ गांजा 8.414 किलोग्राम बरामद किया गया जिसकी अनुमानित कीमत 4 लाख 20000 रुपए बताई गई है पुलिस के अनुसार 11 सितम्बर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति ओड़िशा प्रांत से धनपुंजी के रास्ते जगदलपुर की ओर विक्रय करने हेतु ले जाने वाला है. सूचना पर निरीक्षक विकेश तिवारी के नेतृत्व में तीन पठित कर मौके पर रवाना की गई. इस दौरान एक व्यक्ति पैदल फारेस्ट नाका धनपुंजी की ओर आता दिखाई दिया. जिसे रोककर नाम पता पुछने पर उसने अपना नाम सिकन्दर बताया। आरोपी के कब्जे के पीठ्ठु बैग की तलाशी लेने पर कुल 03 पैकेट 8.414 किलोग्राम मादक पदार्थ गांजा बरामद किया गया. कार्रवाई मे निरीक्षक विकेश तिवारी समेत सउनि दिनेश सिंह ठाकुर, प्रआर, अजय साहु, लुईस लकड़ा, आरक्षक दशरू नाग, सुकमन पाण्डे ,बलराम कश्यप, चंद्रकुमार कंवर भुनेश्वर बाकड़ा का योगदान रहा।

हिंदी दिवस पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

विश्व केसरी

छुरा (मानसिंह निषाद)। शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय छुरा में हिंदी दिवस के अवसर पर शनिवार को विभिन्न रचनात्मक एवं ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ शासन की पहल के अनुसार शनिवार को विद्यालयों में बैगलेस डे के तहत विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम से अलग रचनात्मक, सांस्कृतिक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों से जोड़ने के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में रंगोली, वाद-विवाद, कविता, भाषण, निबंध लेखन एवं प्रश्नोत्तरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। रंगोली प्रतियोगिता में प्रथम मंजूलता सिंहा ,यामिनी नायक , निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रथम यामिनी साहू कक्षा बारहवीं द्वितीय स्थान पद्मिनी साहू कक्षा दसवीं, कविता प्रतियोगिता प्रथम स्थान दामिनी कक्षा ग्यारहवीं द्वितीय स्थान पूजा ओगरे कक्षा 12वीं, भाषण प्रतियोगिता भूमिका नागेश द्वितीय स्थान लुकेश्वरी, विवाद प्रतियोगिता मुस्कान 12वीं नेहा निषाद 11वीं प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय एवं सांत्वना पुरस्कार के रूप में मोमेंटो, मेडल एवं पेंसिल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी शीतल ध्रुव रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्य आशा रानी चतुर्वेदी ने की। इस अवसर पर समीम खान उपाध्यक्ष नगर पंचायत चुनाव छुरा,व्याख्याता कृष्ण कुमार साहू, चंद्रावती सिंहा ,सीमा सिंह, रेखा प्रधान, हुमेश्वरी ठाकुर, नेहा जायसवाल एवं चंद्रप्रभा सेन सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा मां भारती के छायाचित्र पर पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। सांस्कृतिक प्रभारी एवं खेलकूद प्रभारी द्वारा अतिथियों का तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत-सम्मान किया गया।

कार्यक्रम की प्रस्तावना शिक्षक हेमंत कुमार वर्मा ने प्रस्तुत करते हुए हिंदी भाषा के महत्व एवं हिंदी दिवस की प्रासंगिकता पर जानकारी दी। प्राचार्य आशा रानी चतुर्वेदी ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी हमारी पहचान और गौरव की भाषा है। विद्यालय में पढ़ाई एवं परीक्षाओं में हिंदी भाषा का महत्वपूर्ण स्थान है तथा विद्यार्थियों के बीच संवाद और संप्रेषण में भी हिंदी का व्यापक प्रयोग किया जाता है।

चमेली साहू का निधन

राजिम। राजिम के समीप ग्राम रावण निवासी कुमारी चमेली साहू 22 वर्ष का निधन हो गया है उसका अंतिम संस्कार गांव के मुक्ति धाम में किया गया है और पिता किशन कुमार साहू माता जानकी भाई साहू भाई तोषण कुमार साहू जितेंद्र कुमार साहू वेद प्रकाश कुमार साहू और बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल हुआ।

गर्मी का धान 26 हजार से घटकर 5 हजार हेक्टेयर, बेमेतरा क्रिटिकल जोन से बाहर

विश्व केसरी

दाढ़ी (अनिल त्रिपाठी)। भूजल के लिहाज से बेमेतरा के लिए बड़ी राहत की खबर है। गर्मी के मौसम में धान की खेती का रकबा कम करने का असर अब भूजल पर साफ दिखाई देने लगा है। भूजल संसाधन आकलन-2026 में बेमेतरा क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आ गया है। जिले में वर्ष 2023 की तुलना में कुल भूजल दोहन में करीब 20 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। इसका सबसे बड़ा कारण गर्मी के धान के रकबे में आई भारी कमी को माना गया है।

प्रदेश में वर्ष 2020 में 9 विकासखंड भूजल दोहन की क्रिटिकल श्रेणी में थे। वर्ष 2025 में भी 5 विकासखंड इस श्रेणी में बने हुए थे। अब 2026 के आकलन में इन सभी पांचों विकासखंडों के क्रिटिकल श्रेणी से बाहर आने के बाद प्रदेश में एक भी विकासखंड क्रिटिकल नहीं बचा है। विकासखंडवार भूजल आकलन शुरू होने के बाद इसे प्रदेश का अब तक का सबसे बड़ा एक-चक्रीय सुधार बताया गया है।

बेमेतरा में 26 हजार हेक्टेयर का गर्मी धान अब सिर्फ 5 हजार

भूजल संरक्षण के मामले में बेमेतरा की तस्वीर बदलने में फसल विविधीकरण की बड़ी भूमिका सामने आई है। जिले में गर्मी के मौसम में धान का रकबा करीब 26 हजार हेक्टेयर से घटकर महज 5 हजार हेक्टेयर रह गया। यानी करीब 21 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में गर्मी के धान की खेती कम हुई।

गर्मी में धान की फसल में सिंचाई के लिए बड़ी मात्रा में पानी की जरूरत पड़ती है। ऐसे में रकबा घटने से भूजल पर सिंचाई का दबाव भी कम हुआ। आकलन में इसी बदलाव को बेमेतरा के भूजल दोहन में आई कमी का महत्वपूर्ण कारण माना गया है।

लगातार चार आकलन चक्र बाद क्रिटिकल श्रेणी से बाहर

बेमेतरा के लिए यह सुधार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि जिला लगातार चार आकलन चक्रों तक क्रिटिकल श्रेणी में रहा। इस दौरान भूजल के अत्यधिक उपयोग को लेकर लगातार चिंता बनी रही। अब फसल पद्धति में बदलाव, जल संरक्षण और भूजल पुनर्भरण के प्रयासों का असर एक साथ दिखाई दिया है।

आकलन के मुताबिक बेमेतरा में वर्ष 2023 की तुलना में कुल भूजल दोहन में करीब 20% कमी आई है। यानी जिले में सिर्फ बारिश या भूजल रिचार्ज बढ़ने से स्थिति नहीं सुधरी, बल्कि पानी की मांग और विशेष रूप से सिंचाई के लिए भूजल पर निर्भरता भी कम हुई है।

प्रदेश में भूजल रिचार्ज रिकॉर्ड 14.65बीसीएम -भूजल संसाधन आकलन-2026 में प्रदेश का वार्षिक भूजल रिचार्ज बढ़कर 14.65 बिलियन घन मीटर पहुंच गया है। यह अब तक का सर्वोच्च स्तर है। वर्ष 2017 में यही आंकड़ा 11.57 बीसीएम था।

जल संरक्षण संरचनाओं के निर्माण और पुराने तालाब-पोखरों के पुनर्जीवन का भी भूजल रिचार्ज पर असर पड़ा है। वर्ष 2020 की तुलना में तालाबों और पोखरों से होने वाले भूजल रिचार्ज में 266.9% तथा अन्य जल संरक्षण संरचनाओं से होने वाले रिचार्ज में 202.8% की वृद्धि दर्ज की गई है।

प्रदेशभर में 2026 के आकलन के लिए कुल 2 लाख 28 हजार 736 जल संरचनाएं दर्ज की गई हैं। वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण संरचनाओं और भूजल पुनर्भरण के कामों ने भूजल की स्थिति सुधारने में भूमिका निभाई है।

पहली बार भूजल दोहन में भी आई गिरावट

आकलन की सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदेश में भूजल दोहन में पहली बार सालाना गिरावट दर्ज हुई है। वर्ष 2025 के आकलन चक्र में कुल भूजल दोहन 6.30 बीसीएम था, जो 2026 में घटकर 6.21 बीसीएम रह गया। भूजल दोहन का स्तर वर्ष 2022 में 49.5% तक पहुंच गया था। अब यह घटकर 46.37% रह गया है। यह 70% की सुरक्षित सीमा से काफी नीचे है।

बेमेतरा का प्रयोग अब दूसरे जिलों के लिए मिसाल

बेमेतरा में गर्मी के धान का रकबा घटाना सिर्फ खेती में बदलाव नहीं, बल्कि भूजल बचाने की रणनीति के तौर पर सामने आया है। किसानों की भागीदारी से फसल पद्धति में बदलाव और जल संरक्षण के प्रयासों ने जिले को क्रिटिकल श्रेणी से बाहर निकालने में मदद की है। राज्य सरकार का अब अगला लक्ष्य अर्ध-संकटग्रस्त विकासखंडों को सुरक्षित श्रेणी में लाना है। प्रदेश में फिलहाल 11 जिलों के 19 विकासखंड अर्ध-संकटग्रस्त श्रेणी में हैं। सरकार ने वर्ष 2030 तक किसी भी विकासखंड को भूजल तनावग्रस्त नहीं रहने देने का लक्ष्य रखा है।

इसी क्रम में वर्ष 2026-27 में बेमेतरा, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा के करीब 5,442 वर्ग किमी क्षेत्र में NAQUIM 2.0 के तहत जलभृत मानचित्रण प्रस्तावित है। इससे भूजल की उपलब्धता और जलभृतों की स्थिति का वैज्ञानिक आकलन कर क्षेत्रवार जल प्रबंधन की रणनीति तैयार की जाएगी। बेमेतरा में 26 हजार से 5 हजार हेक्टेयर हुआ गर्मी का धान और करीब 20% घटा भूजल दोहन अब इस बात का संकेत है कि फसल पद्धति में बदलाव और जनभागीदारी से भूजल संकट को नियंत्रित किया जा सकता है।

- कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगई ने कहा, क्रिटिकल से सेमी-क्रिटिकल आना मंजिल नहीं, पड़ाव है। हमारा अंतिम लक्ष्य इस जिले को सेफ जोन में लाना है। मनरेगा/VBGRAMG ने साबित कर दिया है कि यह सिर्फ रोजगार योजना नहीं, यह गांव के भविष्य को सुरक्षित करने की योजना है।

- बेमेतरा जिले में जिला प्रशासन और सरकार के द्वारा लगातार जल संचय किया गया जिसके परिणाम स्वरुप बेमेतरा जिले के तीन ब्लॉक बेरला ,नवागढ़ एवं बेमेतरा क्रिटिकल जोन से सेमी क्रिटिकल जोन में आ गए हैं । रबी सीजन में बढ़ रहे ग्रीष्मकालीन धान का रकबा भी काफी कम हुआ इसका भी लाभ मिला और प्रशासन के द्वारा लगातार जलसंचय के लिए रेनवाटर हार्वेस्टिंग सोख्ता गड्ढा नाला बंधान आदि कार्य कराये गये है।

साहित्य केसरी

विश्व केसरी

कहानी

बंद दरवाजा

पुष्पेश कुमार पुष्प

वर्षों से मोहल्ले में रह रहे जितेन बाबू का अचानक से अमीरों की श्रेणी में आ जाना, लोगों की समझ से परे थी। एक समय था जब वे फटेहाली का जीवन जीने को मजबूर थे। उस समय तो वे लोगों से हिल – मिलकर रहते थे , लेकिन अब तो उनके रहन – सहन के तौर – तरीके बदल गये थे। अब तो वे लोगों से बात करना तो दूर उन्हें नजर उठाकर देखना भी पसंद नहीं करते। उनकी शान और शौकत देखते ही बनती थी। मोहल्ले के लोगों के लिए उनके घर के दरवाजे सदैव ही बंद रहते थे। लोगों की समझ में यह बात नहीं आ रही थी कि आखिर जितेन बाबू ने ऐसा कौन – सा धंधा शुरू कर दिया कि रातों – रात अमीर बन गये ।

आज उनके बेटे अमित का जन्मदिन था । उनके घर के आगे शहर के जाने – माने लोग और नेता – मंत्रियों की गाड़ियां लगी थी । उन्होंने उसके जन्मदिन पर केवल बड़े लोगों को ही आमंत्रित किया था । लेकिन अमित के जिद के कारण मोहल्ले के बच्चों को अकेले ही आने का निमंत्रण मिला था ।

अमित के जन्मदिन समारोह में मेरी बच्ची भी गयी थी । वह घर आते ही कहने लगी – ' पापा ! आप मेरा भी जन्मदिन मनाइये न । जैसे अमित का जन्मदिन मनाया गया । उसके जन्मदिन पर खाने को क्या नहीं था ? उसे कितना उपहार मिला । मुझे भी उतना ही उपहार मिलेगा। आप क्यों नहीं मनाते मेरा जन्मदिन और लोगों को क्यों नहीं बुलाते ? '

मैं अपनी बच्ची की बात सुनकर सोचने लगा – ' एक छोटा – सा लेखक अपनी बेटी का जन्मदिन कहां से मनायेगा और यदि मनाऊंगा भी तो क्या मुझ जैसे छोटे लेखक की बेटी को उतना उपहार मिल पायेगा ? '

मैं बिना कुछ बोले ही अपनी बेटी को एकटक निहारने लगा।

तभी मेरी पत्नी का प्रवचन शुरू हो गया – ' मेरी तो किस्मत ही फूट गयी थी , जो आपसे शादी हुई । आपसे तो अच्छा एक सब्जी बेचने वाला है । कम से कम वह अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा – दीक्षा दिला रहा है । उसके हर शौक – अरमान को पूरा कर रहा है । एक लेखक से कुछ उम्मीद करना ही व्यर्थ है । आप भी जितेन बाबू जैसा काम क्यों नहीं करते ? इस लेखन से क्या मिलता है ? आप तो बस दिन – रात कागज – कलम ले कल्पना लोक में विचरण करते रहते हैं । क्या आपके इस लेखन से क्या हमारी बच्ची का भविष्य संवर पायेगा ? उसके आगे की पढ़ाई कैसे होगी ! शादी कैसे होगी ! घर का खर्चा कैसे चल रहा है । यह मैं ही जानती हूं । मेरी बच्ची का कोई शौक पूरा नहीं हो पाता । बस ! रूखा – सूखा भोजन , कभी – कभी तो रूखे – सूखे भोजन के भी लाल पड़ जाते हैं । '

लेखक के जिंदगी में दर्द , घुटन के अलावा और है ही क्या ? वह तो तड़प – तड़पकर जीने को मजबूर होता है । लेखक तो गुमनामी के अंधकार में और फटेहाली में जीवन जीने को मजबूर होता है । उसके मरने पर कफन तो दूर , उसके अर्थी को कंधा देने के लिए चार लोग भी नहीं मिलते । एक दिन सुबह –सुबह पुलिस की गाड़ियों का काफिला जितेन बाबू के घर के आगे रूकी। मोहल्ले में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी कि जितेन बाबू के घर पर पुलिस का छापा पड़ा । उनके घर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ व हथियारों का जखीरा मिला। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर ले गयी ।

उनके घर के दरवाजे पहले की तरह ही बंद थे । मैं उनके घर के बंद दरवाजे को एकटक देखते हुए सोचने लगा कि जितेन बाबू के कर्म और मेरे कर्म में कितना अंतर है । वही मेरी बच्ची जो भूख से बिलबिला रही थी और मुझसे चिपकी खड़ी थी । मैं कभी अपनी भूख से बिलबिलाती बच्ची को देखता , तो कभी जितेन बाबू के घर के बंद दरवाजे को । इन्हीं ख्यालों में डूबा मैं शून्य में खो गया।

मैं एक लेखक होने के नाते जानता हूं कि जितेन बाबू क्या काम करते थे ?

पत्नी को समझाते हुए बोला – ' इतना निराश क्यों होती हो ? कहा भी गया है – किस्मत से ज्यादा और समय से पहले इंसान को कुछ नहीं मिलता । कभी न कभी हमारे जीवन की बगियां में भी खुशियों के फूल जरूर खिलेंगे । भविष्य में क्या होगा ? कौन जानता है ! या फिर शायद हमारी किस्मत में शायद यही लिखा है । उम्मीद पर तो दुनिया टिकी है । जितेन बाबू जो करते हैं , वह हर इंसान नहीं कर सकता । हर इंसान की अपनी – अपनी सोच होती है । '

पत्नी मेरी बातों को सुनकर चुप हो गयी। मैं भी अपनी पत्नी और बच्ची के दर्द को भलीभांति समझता हूं , लेकिन करूं तो क्या ? मैं कोई गलत काम कर नहीं सकता । यह सच है कि लेखक को मिलता ही क्या है ? लेखन भी तो एक नशा है , जो एक बार लग जाय तो छूटता ही नहीं । लेखक की दुनिया तो वह मरूभूमि है , जिसमें कभी हरियाली आती ही नहीं । लेखक के जिंदगी में दर्द , घुटन के अलावा और है ही क्या ? वह तो तड़प – तड़पकर जीने को मजबूर होता है । लेखक तो गुमनामी के अंधकार में और फटेहाली में जीवन जीने को मजबूर होता है । उसके मरने पर कफन तो दूर , उसके अर्थी को कंधा देने के लिए चार लोग भी नहीं मिलते ।

एक दिन सुबह –सुबह पुलिस की गाड़ियों का काफिला जितेन बाबू के घर के आगे रूकी। मोहल्ले में यह खबर जंगल की आग की तरह फैल गयी कि जितेन बाबू के घर पर पुलिस का छापा पड़ा । उनके घर से भारी मात्रा में मादक पदार्थ व हथियारों का जखीरा मिला। पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर ले गयी । उनके घर के दरवाजे पहले की तरह ही बंद थे । मैं उनके घर के बंद दरवाजे को एकटक देखते हुए सोचने लगा कि जितेन बाबू के कर्म और मेरे कर्म में कितना अंतर है । वही मेरी बच्ची जो भूख से बिलबिला रही थी और मुझसे चिपकी खड़ी थी । मैं कभी अपनी भूख से बिलबिलाती बच्ची को देखता , तो कभी जितेन बाबू के घर के बंद दरवाजे को । इन्हीं ख्यालों में डूबा मैं शून्य में खो गया।

पुस्तक समीक्षा

अध्यात्म और भारतीय मनोविज्ञान की उत्कृष्ट कृति

एस. जी. एस. सिसोदिया

संतोष श्रीवास्तव का यह उपन्यास हिंदी साहित्य में एक विशिष्ट और बहुस्तरीय कृति के रूप में प्रतिष्ठित होता है, जहाँ कथा, संस्मरण, अध्यात्म और मानवीय मनोविज्ञान एक-दूसरे में इस प्रकार समाहित हो जाते हैं कि पाठक केवल पढ़ता नहीं, बल्कि उसे अनुभव करता है। यह रचना नागा साधुओं की रहस्यमयी दुनिया को केंद्र में रखती हुई भी मनुष्य के अंतर्मन की उस गहन यात्रा को अभिव्यक्त करती है, जहाँ से प्रश्न, पीड़ा और सत्य की खोज आरंभ होती है। उपन्यास का आरंभ हिमालय की निर्जन, कठोर और निस्पंद भूमि पर साधना करते नरोत्तम गिरी के दृश्य से होता है। यह आरंभ केवल वातावरण-निर्माण नहीं, बल्कि एक आध्यात्मिक स्थिति का उद्घाटन है, 'चारों ओर से बर्फीली हवाएँ उसके पत्थर हुए बदन को चीरने की कोशिश में लगी थीं... पर वह ध्यान में मग्न अलौकिक आनंद में डूबा था।'

लेखिका की भाषा इस कृति की प्रमुख उपलब्धि है। उनकी अभिव्यक्ति में चित्रात्मकता, संवेदनशीलता और प्रवाह का अद्भुत संतुलन दिखाई देता है। कुंभ मेले का दृश्य उनकी शब्द-संरचना में एक जीवंत अनुभव बन उठता है—

'शाम होते ही मेले की लाइटें ऐसे जगमगा उठतीं जैसे आसमान के सितारे धरती पर उतर आए हों।'

यह वर्णन केवल दृश्य का पुनर्सृजन नहीं, बल्कि सामूहिक आस्था और सांस्कृतिक विराटता का सजीव रूपांतरण है।

मंगल का चरित्र इस उपन्यास का केंद्रीय संवेदन-बिंदु है। वह एक ऐसे युवा का प्रतिनिधित्व करता है, जो प्रेम, असफलता, स्वप्न और यथार्थ के द्वंद्वों से जूझते हुए अपने अस्तित्व का अर्थ खोजने का प्रयास करता है। दीपा के प्रति उसका प्रेम अत्यंत गरिमामय और आत्मिक है, 'प्यार एक अंतहीन क्षमा और उदार सोच है... भले ही वह प्यार करके नाकाम रहा पर प्यार न करने से नाकाम रहना बेहतर है।' यहाँ प्रेम अधिकार या प्राप्ति का साधन नहीं, बल्कि आत्म-विस्तार का माध्यम बनकर उभरता है।

मंगल का आंतरिक विखंडन—उसकी असफलताएँ, उसका अकेलापन और उसकी दिशाहीनता—आधुनिक मनुष्य की त्रासदी का प्रतिनिधित्व करते हैं। हिप्पी संस्कृति की ओर उसका आकर्षण और तत्पश्चात उससे मोहभंग इस तथ्य को रेखांकित करता है कि बाहरी उन्मुक्तता आंतरिक संतोष का पर्याय नहीं हो सकती—

'हर आनंद अपराध क्यों?... पल भर को हम भूल जाते हैं कि हम इस दुखी जहान के बाशिंदे हैं।

यह विस्मरण क्षणिक है, समाधान नहीं।

इसी परिप्रेक्ष्य में कैथरीन का चरित्र उपन्यास को एक विशिष्ट भावात्मक आयाम प्रदान करता है। उसका प्रेम निष्कलुष, पारदर्शी और आत्मिक है। उसमें स्वामित्व का आग्रह नहीं, बल्कि समर्पण की सहजता है। वह प्रेम को प्राप्ति नहीं, अनुभव के रूप में जीती है। इस कारण उसका चरित्र कथा में एक संतुलित, उज्ज्वल और स्थायी संवेदना के रूप में उभरता है।

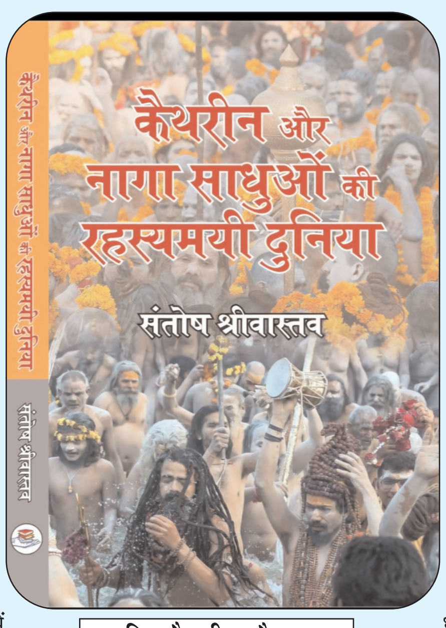

कृति : कैथरीन और नागा साधुओं की रहस्यमयी दुनिया
लेखिका : संतोष श्रीवास्तव
प्रकाशक: किताब वाले पब्लिकेशन, दरियागंज, नई दिल्ली
कीमत : 600 रुपये

नागा साधुओं का चित्रण इस कृति की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। लेखिका ने उन्हें केवल रहस्य या आकर्षण के प्रतीक के रूप में नहीं, बल्कि उनके ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और अनुशासित जीवन के संदर्भ में प्रस्तुत किया है। भभूत बनने की प्रक्रिया का वर्णन विशेष रूप से उल्लेखनीय है। यह प्रक्रिया केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि दार्शनिक अर्थ से संपन्न है—अग्नि में समर्पण के पश्चात जो शेष रह जाता है, वही भस्म साधु के शरीर पर धारण की जाती है, मानो यह उद्घोष हो कि देह नश्वर है और अहं का विसर्जन ही मुक्ति का मार्ग है।

हिप्पी संस्कृति और नागा परंपरा के मध्य स्थापित विरोध इस उपन्यास की वैचारिक संरचना को सुदृढ़ करता है। एक ओर उन्मुक्तता है, जो अंततः शून्यता और दिशाहीनता में परिणत होती है; दूसरी ओर वैराग्य है, जो अनुशासन, तप और आत्मानुशासन के माध्यम से स्थायी शांति और आत्मबोध की ओर ले जाता है। मंगल की यात्रा इसी द्वंद्व से गुजरते हुए एक गहन आत्मानुभूति की ओर अग्रसर होती है। प्रकृति इस उपन्यास में केवल पृष्ठभूमि नहीं, बल्कि एक सक्रिय और अर्थपूर्ण उपस्थिति है। हिमालय की नीरवता, क्षिप्रा का प्रवाह, सांध्य आकाश की आभा, ये सभी तत्व पात्रों की मन:स्थितियों के समानांतर चलते हैं। प्रकृति यहाँ बाहरी दृश्य न होकर आंतरिक अनुभूति का विस्तार बन जाती है।

व्यंग्य

उधारी को तैरना नही आता

अख्तर अली

उधारी लापता प्रेमिका की तरह होती है जिसकी तलाश में दीवाना दर – दर की ठोकरे खाता फिरता है । उधारी के डूब जाने के बाद बही खाते ट्रेन के चले जाने के बाद के स्टेशन की तरह हो जाते है । उधारी तो डूब, जाती है लेकिन उसकी याद मन के एल्बम में सुरक्षित रहती है । उधारी का भूत हिसाब की किताब में पालथी मार कर बैठ जाता है । टैली वह कब्र है जिसमें उधारी दफ़न है । उधारी को याद करते हुए उसके आशिक कहते हैं – आज हिसाब लगाया तो तुम याद बे-हिसाब आये ।

सैकड़ो साल की मेहनत , खोज बीन , अध्ययन के बाद यह बात समझ में आई है कि उधारी को तैरना नही आता । उधारी ने कभी तैरने की कोशिश नही की , तैरना सीखने की इच्छा ज़ाहिर नही की । उसने हमेशा अच्छे से अच्छे अंदाज़ में , नई नई तकनीक से डूबने का रिकार्ड बनाया है । आज डूबने के लिये उधारी पानी की मोहताज नही है । वह रेगिस्तान में , पहाड़ में , सूखे मैदान में हर जगह डूब ही नही रही है बल्कि डूबने के नये नये अंदाज़ भी पेश कर रही है । करने वालों ने कोशिश हज़ार की कि उधारी तैरना सीख ले लेकिन सभी कोशिशे नाकाम रही । हर ख़ास ओ आम की यह दिली इच्छा है कि उधारी मछली हो जाये ।

जब एक बुद्धिमान आदमी और एक ऐसा जिसकी मति मारी गई हों इनके मिलन से उधारी का जन्म होता है । यह साधारण शब्द में समाई हुई असाधारण घटना है । यह अभिव्यक्ति नही अनुभूति है ।

तांत्रिक बाबा ने तो अपने घर की दीवार पर आयल पेंट से बड़े बड़े अक्षर में लिखवा दिया है ताकि लोग दूर से पढ़ ले कि – डूबी उधारी को वापस पाने की कोई ताबीज़ हमारे पास नही है कृपया हमारा समय ख़राब न करे हां पत्नी को वश में करने , प्रेमिका को पाने और बिना पढ़े परीक्षा में पास होने के लिये अवश्य संपर्क करे ।

कई बड़ी बड़ी हस्तियां मशहूर होकर गुम हुई और उधारी गुम होकर मशहूर हुई है । बोतल से निकल कर हुक्म मेरे आका बोलने वाला जिन भी उधारी को डूबने से नही बचा सकता । डूबने की स्पर्धा में उधारी ने पत्थर का रिकार्ड तोड़ दिया है । हालांकि कुछ उधारी शर्म से डूब मरी लेकिन अधिकांश बेशर्मी से डूबी है ।

इस संसार में सब से अधिक मात्रा में जन्म लेने वाली चीज़ उधारी है और सब से कम जीवन भी उधारी का ही है । उधारी जन्म लेते ही मर जाती है । सैकड़ो हज़ारों वर्षो से उधारी की मृत्यु डूबने से ही हुई है । मर तो वह पैदा होते ही जाती है लेकिन पार्टी को बहुत दिनों बाद अहसास होता है कि यह तो डूब गई है और अब कभी लौट कर नही आयेगी । उधारी ने तिनके का भी सहारा लेने से इंकार कर दी । इसकी संरचना ही ऐसी है जिसमें डूबने की शत प्रतिशत संभावना है ।

परिवार के किसी सदस्य की जब मृत्यु हो जाती है तब लोग दीवार पर उसकी फ़ोटो टंगा कर रखते है ताकि वह यादों में बसा रहे । उसी प्रकार जब विश्वास हो जाता है कि उधारी डूब गई है फिर भी लेनदार राशि को खाते में अटका कर रखते है ताकि वह याद रहे ।

स्वीमिंग पुल वालों की भी उधारी डूबी है , तालाब के मालिकों की भी उधारी डूबी है । एक व्यापारी इसलिये पानी में डूब गया क्योंकि उसकी उधारी डूब गई थी ।

उधारी का सब से बड़ा दुश्मन तकाज़ा है । तकाज़ा से उधारी परेशान थी , उसका घर से निकलना मुश्किल हो गया था । वह दिन रात उधारी का पीछा करता था , उसे धमकी देता था । अतः उसे तकाज़े से बचने का एक यही रास्ता सूझा कि वह डूब जाये । डूब कर उधारी तकाज़ा को चिढ़ा रही है ।

ऐसी भी शर्मनाक उधारी हुई है जो जन्मी तो अपने देश में लेकिन डूबी विदेश जाकर । इससे साबित होता है कि उसे इस देश , इस धरती और इसके नागरिकों पर ज़रा भी विश्वास नही था । मैं पूछता हूँ क्या अपने देश –अपनी धरती पर उधारी के डूबने की समुचित व्यवस्था नही है ? यहीं तो है उधारी के लिये असीम संभावनाएं । हम ही हैं जो उधारी को बयानों में , रिपोर्टों में , अखबारों में इंजाय करते हैं । उधारी को डूबने से बचाना है तो उसका एक ही तरीका है कि उधारी को जन्म ही न लेने दिया जाये । अगर एक बार यह आस्तित्व में आ गई तो फिर यह डूबेगी ही डूबेगी । उधारी देने से अच्छा है उन्हें दान दे दो । न वसूली की चिंता न डूबने का दुःख । पुण्य भी मिलेगा – संबंध भी बचे रहेगे ।

अख़्तर अली
निकट मेडी हेल्थ हाँस्पिटल
आमानाका , रायपुर (छत्तीसगढ़)
492010
मो.न.9826126781

लघुकथा

वन्दे मातरम्

बलराम अग्रवाल

दोनों युवा थे। दोनों भारतीय। दोनों विदेश यात्रा पर, हवाई जहाज में सवार।

'एक्सक्यूज मी, यू. एस. ?' एक ने दूसरे से पूछा।

'यस; और आप ? '

'मैं भी ! '

'यू. एस. में कहाँ ? '

'कैलिफोर्निया ! आप ? '

'मैं भी ! '

'कैलिफोर्निया में कहाँ ? '

'सेन फ्रान्सिस्को ! आप ? '

'लॉस एंजिल्स ! '

उनमें से एक ने देखा कि दूसरा कपड़े की एक छोटी-सी पोटली को अपनी गोद में सहेजकर रखे हुए है।

'इस थैली को ऊपर लगेज के साथ रख दीजिए, अन-ईजी लग रहा होगा ! '

'नहीं, इसे मैं लगेज के साथ नहीं रख सकता ! '

'क्यों ? '

'इसमें मेरे देश की पूजनीय माटी है !' पहले ने कहा; फिर दूसरे से पूछा, 'आप भी लाये होंगे ? '

'मैं !' उसका सवाल सुनकर दूसरा मुस्कुराया। फिर पहले को लाजवाब करता-सा बोला, 'पूरा का पूरा यह शरीर ही देश की मिट्टी से बना है दोस्त, एक और मिट्टी को अलग से ले जाने की क्या जरूरत है ! ' उसके कथन पर पहला भी मुस्कुरा दिया। हाथ के इशारे से अपने शरीर और गोद में सहेज रखी पोटली की ओर इशारा करता हुआ बोला, 'इस माटी के माथे को हर सुबह इस माटी पर टिकाऊँगा तो देश के प्रति जिम्मेदारी का अहसास बना रहेगा, बस इसीलिए ! '

सम्पर्क : एफ-1703, आर. जी. रेजीडेंसी, सेक्टर 120, नोएडा-201301 (उ.प्र.)

गीत

वर्षा के मोती झरते हैं

सुरभि डागर

नभ की पलकों पर सावन के
स्वप्न सजते हैं.
धरती के अधरों पर वर्षा के
मोती झरते हैं.

रिमझिम बूँदों की झंकारें
प्रकृति की अनुपम तान हैं
बरस-बरसकर जीवन लिखतीं
आशा का ये वरदान हैं
भीगी माटी की साँसों में
सोंधे स्वर भरते हैं
तब धरती के अधरों पर वर्षा के
मोती झरते हैं.

पंख फैलाए मोर नाचता
पपीहा गाता मीठा गान
कली-कली हँसती उपवन में
महक जाता सारा धाम
नवजीवन की छुअन पाकर
वन-उपवन हरते हैं
तब धरती के अधरों पर वर्षा के
मोती झरते हैं.

सावन की यह सुधा फुहारी
जीवन का आधार है
बरस-बरस देना सिखाती
हर मन का त्योहार है
नेह-भरे ये निर्मल बादल
अमृत-रस धरते हैं
तब धरती के अधरों पर वर्षा के
मोती झरते हैं.

आओ हर बूँद का मान करें
जल का करें सत्कार
जल-संरक्षण का दीप जलाएँ
युग युग की यही पुकार
तभी धरा के आँचल में
सुख के अंकुर जगते हैं,
धरती के अधरों पर वर्षा के
मोती झरते हैं।

लघुकथा

बीच का बोझ

संदीप तोमर

'तुम समझती क्यों नहीं ?' राज लगभग चीख पड़ा, 'आरुषि नहीं चाहती कि तुम्हारी बहन यहाँ रहे। मैं उसकी परवरिश किसी तीसरे के लिए दाँव पर नहीं लगा सकता। '

शीलू की आवाज़ भर्रा गई, 'लेकिन राज, सौम्या अभी पति की मौत से उबरी नहीं है। हर बात पर टूट जाती है। ऐसे में मैं उसे कैसे कह दूँ कि चली जाए ? वो मेरी छोटी बहन है। '

'तुम्हारी बहन है.' राज ने धीमे लेकिन कठोर स्वर में कहा, 'पर मेरी बेटी भी मेरी ज़िम्मेदारी है। रोज़ का तनाव उसके भीतर उतर रहा है। '

इतने में आरुषि बाहर आ गई, 'माँ, मौसी को समझाइए न... मैं उनसे डरने लगी हूँ। '

कमरे में सन्नाटा छा गया। आरुषि अपने कमरे में चली गई। शीलू ने बहन के कमरे का दरवाज़ा खोला। सौम्या अपने मृत पति की तस्वीर सीने से लगाए सो रही थी। उसने चुपचाप दरवाज़ा फिर बंद कर दिया।

शीलू ने पहली बार महसूस किया: एक ओर वैधव्य था, दूसरी ओर बचपन... और वह दोनों के बीच खड़ी थी।

नई दिल्ली, 8377875009

कविता

एक समय वो आएगा

शशि पाधा

एक समय वो आएगा
जब देख पुरानी तस्वीरें
कोई पेड़ बूझ न पाएगा ।
पर्वत सजी चट्टानें होंगी
जंगल का कुछ पता
नहीं
टूटेंगे सब नीड़ घोंसले
बाग़-बगीचे लता नहीं ।

पुस्तक के इक पन्ने में
कोई पशु खड़ा मुस्काएगा
एक समय वो आएगा ।

हो जाएँगे तरुवर बौने
गमले में ही रैन बसेरा
न होगी तब ठंडी छैयाँ
ईट-मीनारें डालें घेरा
पूछेगी धरती बादल से
मीत, बता कब आएगा
एक समय वो आएगा ।

ढूँढ -खोज के रंग-रूप तब
बच्चे चित्र बनाएँगे
पीपल-बरगद, देवदार सब
कथा- पात्र रह जाएँगे
किसकी क्या परिभाषा होगी
कौन किसे बतलाएगा
एक समय वो आएगा ।

(वर्जीनिया, यू एस ए)

लघुकथा

अपना कौन ?

डॉ.सरला सिंह 'स्निग्धा'

आज ही 10 बजे से बी.एड का पेपर है और साथ में नन्हे-नन्हे दो बच्चे और बुआ जी ने घर छोड़ने का अल्टीमेटम दे दिया कि 'अभी घर छोड़कर जाओ,चाहे जहाँ जाओ । '

बुआ जी शमिता के पति की सगी बुआ थीं। शमिता उनके पास बी.एड. करने के लिए आई हुई थी और उन्होंने उसे एक कमरा दे दिया था। शमिता के दो छोटे-छोटे बच्चे भी थे, एक तीन साल के करीब का और दूसरा लगभग छः माह का। दोनों बच्चों को सँभालना,अपनी बी.एड. की पढ़ाई करना और साथ में ही बुआ जी की भी तीमारदारी करना। बुआ जी संकीर्ण सोच वाली महिला थीं। उनकी निगाह में पढ़ाई से ज्यादा अगर अहमियत थी तो उनकी तीमारदारी की। बस अपनी तीमारदारी में कमी देखी और आगबबूला हो उठीं।

धान के खेत में छिपी बाघिन ने किसान पर किया हमला

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। कोटा क्षेत्र के ग्राम दवनपुर में शनिवार को खेत में काम कर रहे एक किसान पर अचानक बाघिन ने हमला कर दिया। बाघिन ने किसान पर पीछे से झपट्टा मारकर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। हमले में किसान के हाथ, पैर और चेहरे पर चोटें आई हैं। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों में जंगल जाने और खेत-खार में काम करने को लेकर भय व्याप्त हो गया है।

20 दिन में बाघिन के हमले की दूसरी घटना, ग्रामीणों में दहशत; घायल किसान गनियारी रेफर - जानकारी के अनुसार दवनपुर निवासी 42 वर्षीय किसान संजय मरकाम अपने खेत में धान की फसल में खाद डालने का काम कर रहा था। इसी दौरान धान की फसल के बीच पहले से घात लगाकर बैठी बाघिन अचानक बाहर निकली और संजय पर हमला कर दिया। अचानक हुए हमले से किसान को संभलने या बचने का मौका नहीं मिला। बाघिन के हमले में उसके बाएं हाथ, बाएं पैर और चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं।

कोटा अस्पताल में प्राथमिक उपचार, गनियारी रेफर

घटना के बाद परिजन और ग्रामीण घायल किसान को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोटा लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी स्थिति को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए गनियारी स्वास्थ्य केंद्र रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम द्वारा क्षेत्र में बाघिन की मौजूदगी और उसकी गतिविधियों पर नजर रखे जाने की जानकारी सामने आई है।

20 दिन में दूसरी घटना, पहले युवक की हो चुकी है मौत

बाघिन के हमले की इस घटना ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। लगभग 20 दिन पहले 24 अगस्त को लोरमी क्षेत्र के लक्ष्मण डोंगरी के समीप जंगल में पुटू तोड़ने गए बांधा निवासी धर्मजीत धृतलहरे पर भी बाघिन ने हमला किया था।

इस हमले में धर्मजीत की मौके पर ही मौत हो गई थी। लगातार दूसरी घटना सामने आने के बाद ग्रामीणों में वन क्षेत्र और खेतों में अकेले जाने को लेकर भय का वातावरण है। ग्रामीणों ने वन विभाग से बाघिन की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखने तथा लोगों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की है। दवनपुर में हुई यह घटना अचानकमार टाइगर रिजर्व से लगे सामान्य वन क्षेत्र में बताई जा रही है। लगातार हो रही वन्यजीव-मानव मुठभेड़ की घटनाओं ने एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था और मानव-वन्यजीव संघर्ष को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

'सूक्ष्म एवं लघु उद्योग' और 'मेक इन इंडिया' पर एसईसीएल में विशेष सत्र

सीवीओ हिमांशु जैन ने नीतिगत प्रावधानों पर किया विस्तृत संवाद

विश्व केसरी

बिलासपुर (मुरली राव)। एसईसीएल के तीन माह के सतर्कता जागरूकता अभियान 2026 के तहत एमडीआई, बिलासपुर में पब्लिक प्रोक्योरमेंट पर दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसमें सरकारी नीतियों और प्रक्रियाओं की समझ बढ़ाने के साथ पारदर्शिता और निष्पक्षता पर जोर दिया गया।

एसईसीएल के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) हिमांशु जैन ने उद्घाटन सत्र को संबोधित किया। उन्होंने विशेष रूप से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए पब्लिक प्रोक्योरमेंट पॉलिसी और मेक इन इंडिया (एमआईआई) के प्रावधानों की जानकारी दी। साथ ही बताया कि प्रोक्योरमेंट के विभिन्न चरणों में इनका पालन कैसे किया जाए।

सत्र में छोटे उद्यमों की भागीदारी बढ़ाने और देश में बने उत्पादों को प्रोत्साहन देने में इन नीतियों की भूमिका समझाई गई। प्रतिभागियों को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, पारदर्शिता और संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित करने के बारे में भी जानकारी दी गई।

जैन ने वास्तविक मामलों के उदाहरणों से प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया में होने वाली आम चूकों और जोखिमों को समझाया। उन्होंने हर चरण में जरूरी जांच-पड़ताल और सावधानी बरतने का महत्व बताया, ताकि प्रक्रियागत कमियों को समय रहते दूर किया जा सके।

अंत में सवाल-जवाब का सत्र हुआ। प्रतिभागियों ने प्रोक्योरमेंट से जुड़ी व्यावहारिक समस्याएं रखीं और एमएसई व मेक इन इंडिया के प्रावधानों के इस्तेमाल पर अपनी शंकाओं का समाधान किया। यह कार्यक्रम एसईसीएल में प्रिवेंटिव विजिलेंस को बढ़ावा देने और प्रोक्योरमेंट व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, निष्पक्ष तथा प्रभावी बनाने के प्रयासों का हिस्सा है।

अब शीघ्र होगा बिलासपुर एयरपोर्ट का रनवे होगा दोगुना; रनवे 1498 से बढ़कर 2880 मीटर होगा

विश्व केसरी

बिलासपुर (सुरेश सिंह बैस)। बिलासा देवी केंवट एयरपोर्ट के विस्तार की उम्मीदों को अब नई उड़ान मिलने लगी है। जिला प्रशासन ने एयरपोर्ट के रनवे को मौजूदा 1498 मीटर से बढ़ाकर 2880 मीटर करने का प्रस्ताव राज्य शासन को भेज दिया है। इसके साथ ही नए एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) सेंटर के निर्माण की भी योजना है। दोनों कार्यों के लिए कुल करीब 104 करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। हालांकि, अभी शासन से रनवे और एटीसी सेंटर को अंतिम मंजूरी मिलना बाकी है। फिलहाल बाउंड्रीवॉल और पेरिफेरी रोड निर्माण को मंजूरी मिली है।

1382 मीटर लंबा होगा नया विस्तार

प्रस्ताव के अनुसार एयरपोर्ट के मौजूदा रनवे में 1382 मीटर की वृद्धि की जाएगी। इसकी लंबाई 2880 मीटर और चौड़ाई 45 मीटर करने की योजना है। वर्तमान में रनवे की चौड़ाई 30 मीटर है। सेना से जमीन हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी होने के बाद रनवे विस्तार की राह और आसान होने की उम्मीद है।

रनवे विस्तार : 63 करोड़ रुपये, नया एटीसी सेंटर : 41 करोड़ रुपये, कुल प्रस्ताव : करीब 104 करोड़ रुपये।

पहले 400-450 मीटर विस्तार का विकल्प

पूरे 2880 मीटर रनवे के निर्माण में समय लगने की संभावना को देखते हुए विशेषज्ञों ने तत्काल सुविधा बढ़ाने के लिए पहले चरण में रनवे को 400 से 450 मीटर तक बढ़ाने का विकल्प भी सुझाया है। इससे एयरपोर्ट की क्षमता में अपेक्षाकृत कम समय में सुधार किया जा सकता है और यह चार-सी श्रेणी की आवश्यकताओं के करीब पहुंच सकता है।

अभी जगदलपुर-अंबिकापुर से भी छोटा है रनवे

बिलासपुर एयरपोर्ट का मौजूदा रनवे क्षेत्र के अन्य एयरपोर्ट की तुलना में छोटा है। हवाई सुविधा जनसंघर्ष समिति के अनुसार जगदलपुर एयरपोर्ट का रनवे करीब 1700 मीटर और अंबिकापुर का करीब 1800 मीटर लंबा है। बिलासपुर में रनवे की लंबाई 1800 मीटर होने पर वह इन दोनों एयरपोर्ट के मौजूदा रनवे के बराबर पहुंच जाएगा।

16वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का शानदार प्रदर्शन

विश्व केसरी

बिलासपुर (मुरली राव)। चित्तरंजन, पश्चिम बंगाल में 07 से 09 सितम्बर 2026 तक आयोजित 16वीं अखिल भारतीय रेलवे तीरंदाजी (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2026-27 में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य सहित कुल 5 पदक अपने नाम किए। इस शानदार प्रदर्शन के साथ दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने 13 रेलवे जोन की पदक तालिका में तीसरा स्थान हासिल किया।

इस चैंपियनशिप में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की ओर से कुल 10 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें 6 रिकर्व (3 पुरुष एवं 3 महिला) तथा 4 कंपाउंड (1 पुरुष एवं 3 महिला) तीरंदाज शामिल थे।

महिला रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान, मधु वेदवान एवं वितासा ठाकुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबला 5-3 सेट प्वाइंट से जीतकर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं मिश्रित रिकर्व टीम स्पर्धा में माधवी चौहान एवं पवन की जोड़ी ने भी फाइनल में 5-3 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के खिलाड़ियों ने तीन कांस्य पदक भी हासिल किए। महिला व्यक्तिगत रिकर्व 70 मीटर ओवरऑल स्पर्धा में माधवी चौहान ने 640 अंक अर्जित कर कांस्य पदक जीता। महिला व्यक्तिगत ओलंपिक राउंड में वितासा ठाकुर ने 6-4 सेट प्वाइंट से जीत दर्ज कर कांस्य पदक प्राप्त किया। पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में पवन, जसकीरत सेखों एवं शिवनाथ नागेशिया की टीम ने कांस्य पदक मुकाबले में 6-0 से शानदार जीत दर्ज कर कांस्य पदक हासिल किया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के तीरंदाजों का यह प्रदर्शन रेलवे स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में उनकी निरंतर उत्कृष्टता, मेहनत और खेल प्रतिभा को दर्शाता है। 2 स्वर्ण एवं 3 कांस्य पदकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त करना दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

मां महामाया मंदिर सक्ती में भाद्रपद अमावस्या व पोला पर्व पर सुंदरकांड पाठ का आयोजन, अंचल की खुशहाली की गई कामना

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। भाद्रपद अमावस्या एवं पोला पर्व के पावन अवसर पर नगर के प्रसिद्ध मां महामाया मंदिर में अंचल की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं समस्त भक्तों की मंगल कामना को लेकर संगीतमय सुंदरकांड पाठ का भव्य आयोजन किया गया। अमावस्या के साथ-साथ पोला पर्व का दिन होने के कारण मंदिर परिसर में प्रात:काल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

कार्यक्रम के दौरान रामदरबार, संकटमोचन हनुमान जी एवं मां महामाया की महाआरती सामूहिक रूप से उतारी गई, जिसमें उपस्थित सभी दर्शनार्थियों ने एक स्वर में सहभागिता की। आयोजन में ऐसे भक्तगण जो स्वयं सुंदरकांड का पाठ करने में असमर्थ थे, उन्होंने पूरा समय भक्तिभाव से पाठ का श्रवण किया तथा हनुमान चालीसा का पठन कर अपनी मनोकामनाएं मां के चरणों में अर्पित कीं। तत्पश्चात सभी श्रद्धालुओं ने मातारानी का आशीर्वाद प्राप्त कर महाप्रसाद ग्रहण किया।

इस धार्मिक आयोजन को सफल बनाने में नियमित रूप से प्रात: एवं संध्या कालीन आरती में अपनी सेवा देने वाले भक्तों का विशेष योगदान रहा। जिसमें प्रमुख रूप से प्रहलाद अग्रवाल, श्याम सुंदर अग्रवाल (अधिवक्ता), गोपाल अग्रवाल, बी. के. अग्रवाल, आत्म पटेल, कुंजल, हरी मिश्रा, फुलेवर गावेल, अमित सोनी, सालिकराम राठौर, चंद्रभान, धरम, रामखिलावां श्रीवास सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित रहे।

सक्ती नगर अध्यक्ष राकेश राठौर ने बिलासपुर में आयोजित कांग्रेस संगठन सृजन शिविर में लिया भाग

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। कांग्रेस पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' के अंतर्गत बिलासपुर संभाग के ब्लॉक अध्यक्षों का तीन दिवसीय विशेष प्रशिक्षण शिविर चावला ग्रीन्स परिसर, बिलासपुर में आयोजित किया जा रहा है। 10 सितंबर से 12 सितंबर 2026 तक चलने वाले इस शिविर में सक्ती नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष राकेश राठौर भी शामिल होकर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

सक्ती नगर अध्यक्ष राकेश राठौर से संपर्क करने पर उन्होंने बताया कि इस शिविर में प्रदेश कांग्रेस के सभी प्रथम पंक्ति के वरिष्ठ नेताओं का मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है। साथ ही, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ब्लॉक अध्यक्षों को संगठनात्मक कौशल और कार्यप्रणाली का गहन प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

प्रशिक्षण शिविर के प्रमुख बिंदु: इतिहास एवं मूल भावना: कार्यकर्ताओं को कांग्रेस के गौरवशाली इतिहास, पार्टी के गठन की मूल भावना और भारत में एक सशक्त राजनीतिक दल के रूप में इसके स्थापित होने के सफर की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

गणेश चतुर्थी पर चंद्रपुर पद यात्रा समिति के अस्थाई कार्यालय का होगा शुभारंभ

सांसद कमलेश जांगड़े, एसपी प्रफुल्ल ठाकुर एवं नपा अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल रहेंगे मौजूद

विश्व केसरी

सक्ती (ईश्वर लोधी)। गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर 14 सितंबर को शाम 4 बजे चंद्रपुर पद यात्रा समिति के अस्थाई कार्यालय का शुभारंभ नगर पालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, अग्रसेन चौक में किया जाएगा। कार्यालय का शुभारंभ पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा लोकसभा क्षेत्र की सांसद कमलेश जांगड़े, जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर एवं नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुंदर अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी।

कार्यक्रम को लेकर चंद्रपुर पद यात्रा समिति द्वारा तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। इसी क्रम में समिति के संयोजक श्याम सुंदर अग्रवाल (चूड़ी वाले) के नेतृत्व में संतोष देवांगन, शुभम अग्रवाल, हरीश (कालू) एवं राहुल अग्रवाल सांसद कमलेश जांगड़े के निज निवास पहुंचे और उन्हें कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण दिया। सांसद कमलेश जांगड़े ने निमंत्रण को सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित होने की सहमति प्रदान की।

वहीं समिति के सदस्यों द्वारा जिले के पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर को भी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए निमंत्रण दिया गया। कार्यक्रम के दौरान पंडित भोला शंकर तिवारी द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना कराई जाएगी। गणेश चतुर्थी के शुभ अवसर पर पूजा-अर्चना के साथ कार्यालय का शुभारंभ धार्मिक एवं उत्सवी माहौल में किया जाएगा। अग्रसेन चौक स्थित नगर पालिका शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में बनने वाले इस अस्थाई कार्यालय से चंद्रपुर पद यात्रा से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर समिति के सदस्यों एवं श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है तथा तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं।

रायपुर मंडल के ऊरकुरा स्टेशन पर यार्ड रिमाडलिंग हेतु नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते कुछ ट्रेनों का परिचालन प्रभावित

विश्व केसरी

बिलासपुर (मुरली राव)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे रायपुर मंडल के उरकुरा-रायपुर स्टोर डिपो के मध्य दोहरीकरण परियोजना के अंतर्गत उरकुरा स्टेशन पर यार्ड रीमॉडलिंग हेतु प्री-नॉन इंटरलॉकिंग/नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य किया जाएगा। इस कार्य के फलस्वरूप कुछ यात्री गाड़ियों का परिचालन प्रभावित रहेगा।

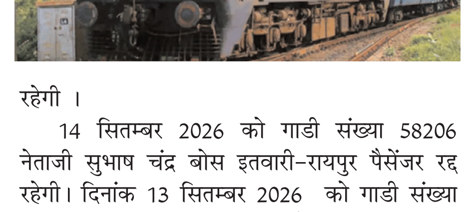

13 सितम्बर को गाडी संख्या 68728 रायपुर-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी दिनांक 13 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 68734 बिलासपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

13 सितम्बर को गाड़ी संख्या 68733 गेवरा रोड-बिलासपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी 13 सितम्बर को गाडी संख्या 68719 बिलासपुर-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

13 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 58203 कोरबा-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी ।

14 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 58204 रायपुर-कोरबा पैसेंजर रद्द रहेगी ।

13 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 58205 रायपुर-नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी पैसेंजर रद्द रहेगी ।

14 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 58206 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी-रायपुर पैसेंजर रद्द रहेगी। दिनांक 13 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 68746 रायपुर-गेवरा रोड मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी । दिनांक 14 सितम्बर 2026 को गाडी संख्या 68745 गेवरा रोड-रायपुर मेमू पैसेंजर रद्द रहेगी ।

गंतव्य से पहले समाप्त/प्रारंभ होने वाली गाड़ी :- 13 सितम्बर को गाड़ी संख्या 68862 झारसुगुड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन में समाप्त होगी तथा बिलासपुर एवं गोंदिया के मध्य रद्द रहेगी ।

13 सितम्बर को गाड़ी संख्या 68861 गोंदिया-झारसुगुड़ा मेमू पैसेंजर बिलासपुर स्टेशन से प्रारंभ होगी तथा गोंदिया एवं बिलासपुर के बीच रद्द रहेगी ।

ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता से भारत की खाड़ी देशों से साझेदारी तेल व्यापार से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी, खाद्य सुरक्षा तक पहुंची

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारत की ब्रिक्स 2026 की अध्यक्षता ऐतिहासिक रूप से मजबूत तेल संबंधों को निवेश, टेक्नोलॉजी, खाद्य सुरक्षा, स्वच्छ ऊर्जा और क्षेत्रीय स्थिरता तक फैली व्यापक साझेदारी में बदल रही है। यह जानकारी एक नई रिपोर्ट में दी गई।

गल्फ टुडे की रिपोर्ट में कहा गया है कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ऊर्जा संबंध अभी भी रिश्तों की नींव बने हुए हैं, लेकिन सहयोग नए रणनीतिक क्षेत्रों तक विस्तार कर रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया, 'सौर उपकरण, ग्रीन हाइड्रोजन, बैटरी स्टोरेज और कम-कार्बन टेक्नोलॉजी सहित क्षेत्रों में खाड़ी की पूंजी और नवीकरणीय ऊर्जा विशेषज्ञता को भारत की इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और बाजार के आकार के साथ जोड़ा जा सकता है।' मई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यूएई यात्रा के दौरान दोनों देशों ने कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी पर सहयोग को गहरा किया और भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में यूएई की भागीदारी बढ़ाने पर सहमति जताई तथा रणनीतिक गैस भंडार की संभावनाओं पर चर्चा की।

सहयोग का एक अन्य क्षेत्र खाद्य सुरक्षा है, जो खाड़ी की मांग को भारत की कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षमताओं से जोड़ सकता है। रिपोर्ट में कहा गया कि भंडारण, लॉजिस्टिक्स और भरोसेमंद सप्लाई चेन में निवेश की संभावनाएं तलाश की जा सकती हैं। कार्यक्रम के समय को महत्वपूर्ण बताते हुए रिपोर्ट में कहा गया कि क्षेत्रीय तनावों ने ऊर्जा सुरक्षा, समुद्री व्यापार और होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए सुरक्षित जहाजरानी पर फिर से ध्यान बढ़ाया है, जबकि खाड़ी देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं में विविधता ला रहे हैं, उन्नत टेक्नोलॉजी में निवेश कर रहे हैं और एशिया के साथ कारोबारी संबंध मजबूत कर रहे हैं।

विस्तारित ब्रिक्स में सऊदी अरब और यूएई के जरिए खाड़ी का प्रतिनिधित्व है, जिससे वैश्विक ऊर्जा और वित्तीय परिदृश्य में समूह का महत्व बढ़ता है। भारत के सभी छह जीसीसी देशों के साथ गहरे संबंध हैं और इसलिए वह खाड़ी और व्यापक ब्रिक्स समुदाय के बीच एक स्वाभाविक पुल की भूमिका निभाता है।

खाड़ी देश भारत की वृद्धि के लिए महत्वपूर्ण कच्चा तेल, एलएनजी और पेट्रोलियम उत्पाद उपलब्ध कराते हैं, जबकि भारत खाद्य पदार्थ, फार्मास्यूटिकल्स, इंजीनियरिंग सामान, टेक्सटाइल, मशीनरी और डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराता है। लाखों भारतीय खाड़ी में रहकर आजीविका कमाते हैं या कारोबार चलाते हैं, जो रिश्तों को एक मजबूत मानवीय आधार प्रदान करते हैं। भारत-खाड़ी संबंध फरवरी 2026 में और मजबूत हुए, जब भारत ने जीसीसी के साथ संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए और एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते के लिए औपचारिक बातचीत शुरू की, जिसमें बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और यूएई शामिल हैं।

सेबी ने डेरिवेटिव्स सेटलमेंट और सीएएस फ्रेमवर्क में बदलाव का दिया प्रस्ताव

विश्व केसरी

मुंबई। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शनिवार को जारी किए कंसल्टेशन पेपर में डेरिवेटिव्स कॉन्ट्रैक्ट्स की प्रणाली, बाजार की टाइमिंग और अगस्त में लागू हुए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन (सीएएस) के परिचालन में बदलाव का प्रस्ताव दिया है।

बाजार नियामक ने प्रस्ताव में एक्सपायरी के दिनों में इंडेक्स और सिंगल-स्टॉक डेरिवेटिव्स की सेटलमेंट कीमत तय करने के लिए दो विकल्प सुझाए हैं।

पहले विकल्प के तहत, सेबी ने 'ब्लेंडेड वीडब्ल्यूएपी-(वॉल्यूम-वेटेड एवरेज प्राइस)' का तरीका सुझाया है, जिसमें सेटलमेंट की कीमत 'कंटीन्यूअस ट्रेडिंग सेशन' (सीटीएस) के आखिरी 30 मिनट और 10 मिनट के सीएएस पीरियड के दौरान हुए ट्रेड के आधार पर तय की जाएगी।

सेबी ने कहा कि हर अवधि का योगदान एक तय वेटेज के बजाय उसके असल ट्रेडेड वैल्यू से तय किया जाएगा। नियामक ने कहा कि इस तरीके से असल मार्केट ट्रांजैक्शन की एक बड़ी अवधि को शामिल किया जा सकेगा और इससे सेटलमेंट की ज्यादा सही कीमत मिल सकती है। दूसरे विकल्प के तहत, सेबी ने मौजूदा सीटीएस वीडब्ल्यूएपी तरीके को अंतरिम व्यवस्था के तौर पर बनाए रखने का प्रस्ताव दिया। सेटलमेंट प्राइस सीटीएस के आखिरी 30 मिनट के दौरान हुए ट्रेड पर ही आधारित रहेगी। बाजार नियामक के अनुसार, कम से कम एक साल बाद मिली-जुली कार्यप्रणाली पर विचार किया जा सकता है, बशर्ते पर्याप्त लिक्विडिटी, भागीदारी और सीएएस से परिचितता हो। सेबी ने सीएएस के दौरान इंडिकेटिव इंडेक्स वैल्यू (आईआईवी) के प्रदर्शन को हटाने का भी प्रस्ताव दिया, जबकि सिक्योरिटी-लेवल इंडिकेटिव इक्विलिब्रियम प्राइस (आईईपी) प्रदान करना जारी रखा जाए।

सेबी ने कहा कि आईईपी इंडिकेटिव और बदलने वाली वैल्यू हैं और ये उन कीमतों को नहीं दर्शाती हैं जिन पर वास्तविक ट्रेड हुए हैं। रेगुलेटर ने कहा कि कुछ मार्केट पार्टिसिपेंट्स ने आईआईवी का गलत अर्थ निकाला, जिसके परिणामस्वरूप इंडिकेटिव वैल्यू के आधार पर पोजीशन ली गईं।

कच्चे तेल में तेजी से 6.5 प्रतिशत के ऊपर जा सकती है महंगाई दर: एसबीआई रिसर्च

विश्व केसरी

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को अक्टूबर में 25 आधार अंक और फिर दिसंबर में एक अतिरिक्त 25 आधार अंक की बढ़ोतरी रेपो रेट में करनी चाहिए। इसकी वजह वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल और कमोडिटी की कीमतों में बढ़ोतरी से महंगाई में इजाफा होने की उम्मीद है। यह जानकारी एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में दी गई।

रिपोर्ट में बताया गया कि अगस्त में महंगाई दर करीब 4.8-4.9 प्रतिशत के बीच रहने की उम्मीद है। अगर कच्चा तेल उच्च स्तर पर बना रहता है तो अक्टूबर और नवंबर में महंगाई दर 6.5 प्रतिशत और उससे उच्च स्तर पर बनी रह सकती है।

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के चलते कच्चे तेल का बेंचमार्क 100 डॉलर प्रति बैरल के आंकड़े को पार कर गया है और अगले 15 दिनों में इसके 123 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की उम्मीद है।

खुदरा महंगाई बढ़ने के शुरुआती संकेत साफ पेट्रोलियम, प्राकृतिक गैस, बेवरेज, फार्मा और इलेक्ट्रॉनिक्स पर दिख रहे हैं और लागत का बढ़ता बोझ अब ग्राहकों पर डाला जा रहा है। ये सभी कारक मिलकर ब्याज दरों को 50 आधार अंक तक बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल तैयार कर रहे हैं। लिक्विडिटी के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल ही में जुटाए गए फंड काफी हद तक बैंकिंग सिस्टम की फंडिंग की कमी को पूरा करते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, 'इसका मतलब है कि क्रेडिट की मजबूत मांग और उसके साथ ही वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ के मजबूत आंकड़ों को देखते हुए, अभी जो तेजी आई है, उसमें स्वाभाविक रूप से कमी आएगी।' इसमें आगे कहा गया कि अगर क्रेडिट की उम्मीद के मुताबिक मांग पूरी हो जाती है, तो वित्त वर्ष 27 के आखिर तक सिस्टम में लिक्विडिटी का स्तर सामान्य हो जाएगा।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि कई संकेतों को देखते हुए, 10-साल के बेंचमार्क भारतीय यील्ड 7.15 प्रतिशत या उससे भी ऊपर जा सकते हैं। रिपोर्ट में कहा गया, 'हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 के बाकी समय में लिक्विडिटी धीरे-धीरे कम होगी और मार्च 2027 तक यह आदर्श रूप से 6 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर होनी चाहिए।' इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर यील्ड पिछले दस सालों के उच्चतम स्तर से ऊपर जा रहे हैं। इसका एक खास असर यूएस यील्ड में तेजी के रूप में दिख रहा है और 10-साल का यील्ड अब 5 प्रतिशत के करीब पहुंच गया है, जबकि 30-साल का यील्ड घटकर 5.40 प्रतिशत के स्तर पर आ गया है।

स्टील स्लैग से बनी सड़कों के निर्माण में 40% तक की कटौती हो सकती है : डॉ. जितेंद्र सिंह

विश्व केसरी

नई दिल्ली। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शनिवार को कहा कि स्टील स्लैग रोड तकनीक से सड़क निर्माण लागत में लगभग 40 प्रतिशत की कमी आ सकती है, जबकि यह पारंपरिक सड़कों की तुलना में चार गुना अधिक मजबूत होती है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह बात 'प्रसंस्कृत स्टील स्लैग एग्रीगेट्स से निर्मित विश्व की सबसे लंबी सड़क' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रदान किए जाने के अवसर पर कही।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह तकनीक रखरखाव चक्र को भी काफी हद तक बढ़ा सकती है, उपयुक्त अनुप्रयोगों में लगभग 15 वर्षों के बाद ही रखरखाव की आवश्यकता होगी, जिससे यह न केवल सड़क इंजीनियरिंग बल्कि समग्र अवसंरचना अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगी।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने स्वदेशी प्रौद्योगिकी को एक परियोजना से कई परियोजनाओं तक और एक राज्य से कई राज्यों तक ले जाने का आह्वान किया, जिसमें सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय से परे रेलवे, अन्य सरकारी विभागों, राज्य सरकारों और निजी बिल्डरों, ठेकेदारों और बुनियादी ढांचा संचालकों तक इसके उपयोग का विस्तार होना चाहिए।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने यह बात 'प्रसंस्कृत स्टील स्लैग एग्रीगेट्स से निर्मित विश्व की सबसे लंबी सड़क' के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड प्रदान किए जाने के अवसर पर कही। दरअसल, छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में जिंदल स्टील ने देश के वैज्ञानिकों के साथ मिलकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने फैक्ट्रियों से निकलने वाले स्टील कचरे (स्टील स्लैग) का 100 प्रतिशत इस्तेमाल करके 1.85 किलोमीटर लंबी 4-लेन सड़क बनाई है। स्टील स्लैग से बनी यह दुनिया की सबसे लंबी सड़क है, जिसे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल किया गया है।

यह सड़क सीएसआईआर-केंद्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआरआरआई) नई दिल्ली और जिंदल स्टील लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से बनाई गई है। यह सड़क, इस्पात उत्पादन के उप-उत्पाद प्रसंस्कृत स्टील स्लैग को सड़क निर्माण के लिए एग्रीगेट्स में परिवर्तित करने वाली स्वदेशी तकनीक का एक बड़ा उदाहरण है। कचरे से कंचन (वेस्ट टू वेल्थ) का सपना साकार करने वाली इस सड़क के निर्माण में लगभग 2 लाख टन प्रोसेस्ड स्टील स्लैग का इस्तेमाल हुआ है। इससे प्राकृतिक पत्थरों की खुदाई और खनन पर निर्भरता खत्म हुई है।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन : पर्यटन को कम न आंकें, जीडीपी में बड़ा योगदान- साउथ अफ्रीका टूरिज्म हेड

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में शुरू हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में विदेशी मेहमान भारत के आतिथ्य से काफी खुश नजर आ रहे हैं। ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस अलायंस, साउथ अफ्रीका की कार्यकारी सदस्य और टूरिज्म हेड थेंबिसा जिमाना ने ब्रिक्स से मिलने वाले अवसरों पर आईएएनएस से कहा, 'पर्यटन को कम नहीं आंका जाना चाहिए, क्योंकि पर्यटन पूरी अर्थव्यवस्था में बहुत बड़ी भूमिका निभाता है। सभी उद्योग पर्यटन पर निर्भर हैं। आपके यहां आने के लिए आपको होटल बुक करना होगा, आपको तैयार होना होगा, यह पर्यटन है। यदि आप बीमार पड़ते हैं, तो वह मेडिकल टूरिज्म है। इसलिए पर्यटन जीडीपी में बहुत योगदान देता है। इसलिए इस तरह के मंचों में भी इसकी बड़ी भूमिका है।'

महिला सशक्तीकरण पर उन्होंने कहा, 'हम मैडम लेबो के नेतृत्व में हैं, जो बहुत ऊर्जावान हैं, जो हमेशा महिला समावेश के लिए लड़ती हैं। इसलिए हम भी उनसे प्रेरणा लेते हैं। इसलिए इस शिखर सम्मेलन में आना उन लाखों लोगों का प्रतिनिधित्व करना भी है जो साउथ अफ्रीका में पीछे रह गए थे, यह सुनिश्चित करने के लिए कि वैश्विक स्तर पर लिए जाने वाले सभी निर्णयों में महिलाओं को शामिल किया जाए। और ब्रिक्स, एक मंच के रूप में, इसकी अनुमति देता है, महिलाओं को भी आवाज मिले। और न केवल दस्तावेजों, कागजों के लिए आवाज, बल्कि ठोस परिणाम भी हों। जैसे हाल ही में, हमने एक स्टार्टअप प्रोग्राम की मेजबानी की, जिसे ब्रिक्स वुमेन्स बिजनेस अलायंस ने शुरू किया था, जहां वे सबसे अच्छा करने वाले उद्यमियों को सशक्त बनाते हैं और उन्हें पुरस्कार देते हैं।'

बता दें कि दक्षिण अफ्रीका में 'मैडम लेबो' के नाम से प्रसिद्ध व्यक्तित्व मुख्य रूप से लेबोगांग (लेबो) रामाफोको को माना जाता है, जो देश की एक बेहद लोकप्रिय नारीवादी कार्यकर्ता और सामाजिक न्याय की पैरोकार हैं

'टीवी ब्रिक्स अफ्रीका' के शेड्रैक हॉलो ने अपने अनुभव को साझा करते हुए आईएएनएस से कहा, 'नमस्ते। मेरा प्रवास बहुत शानदार रहा। मैं साउथ अफ्रीका से हूं। मैं 8 सितंबर को यहां पहुंचा और अनुभव बहुत अच्छा रहा। खाना अद्भुत है, यह स्वादिष्ट है, रंग-बिरंगा है। मैंने हर निवाले का लुत्फ उठाया, खासकर आपका तंदूरी चिकन।'

उन्होंने ब्रिक्स समिट बिजनेस फोरम और द्विपक्षीय बातचीत के फायदों पर बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि इस बार ब्रिक्स बहुत अच्छा रहा है। खासकर बिजनेस फोरम में जिसमें मैं शामिल हुआ, वह वास्तव में अवसरों को खोलने के बारे में था। मुझे लगता है कि मंत्री जो पूरे साल मिलते रहे हैं, वे समझते हैं कि हमें ब्रिक्स देशों को सुरक्षित करना है और करना ही चाहिए, खासकर जब कृषि की बात आती है। खाद्य सुरक्षा ब्रिक्स देशों के लिए बहुत, बहुत महत्वपूर्ण उद्देश्य है। और मुझे लगता है कि हम आगे बढ़ रहे हैं। ब्रिक्स के उद्यमियों के बीच जो बातचीत हुई, वह वास्तव में इस बात को समझने में दृढ़ थी कि हमें मैन्युफैक्चरिंग में कौशल साझा करने और एक-दूसरे से ज्यादा खरीदने की जरूरत है।' उन्होंने बताया कि साउथ अफ्रीका के राजदूत ने भी कहा है कि चीजें बदल गई हैं।

जोमैटो ने 'कैश ऑन डिलीवरी' पर शुरू किया अतिरिक्त शुल्क, ग्राहकों से 5 से 20 रुपए तक वसूले जाएंगे

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म जोमैटो ने अब 'कैश ऑन डिलीवरी (सीओडी)' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों से 5 रुपए से 20 रुपए तक का अतिरिक्त शुल्क लेना शुरू कर दिया है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा और राजस्व स्रोतों को मजबूत करने की रणनीति के तहत कंपनी अब ऑर्डर के दौरान भुगतान के तरीके से भी कमाई करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

कंपनी के ऐप पर दिखाई देने वाले बिल विवरण के अनुसार, 'पे ऑन डिलीवरी फीस' नाम से यह शुल्क अलग से जोड़ा जा रहा है। यह शुल्क केवल उन ग्राहकों पर लागू हो रहा है जो ऑनलाइन भुगतान के बजाय डिलीवरी के समय नकद भुगतान का विकल्प चुनते हैं। विभिन्न रिपोर्ट्स के अनुसार, अधिकांश मामलों में यह शुल्क 5 रुपए है, हालांकि कुछ ऑर्डरों में ग्राहकों से 7 रुपए और कुछ मामलों में 20 रुपए तक भी वसूले गए हैं। यह नया शुल्क जोमैटो के पहले से लागू प्लेटफॉर्म शुल्क, रेस्तरां द्वारा लिए जाने वाले पैकेजिंग शुल्क और जीएसटी से अलग है। यानी 'कैश ऑन डिलीवरी' विकल्प चुनने वाले ग्राहकों को अब कुल बिल में एक अतिरिक्त राशि भी चुकानी पड़ेगी। वहीं, ऑनलाइन भुगतान करने वाले ग्राहकों से यह शुल्क नहीं लिया जा रहा है। जोमैटो प्रतिदिन लगभग 23 लाख से 25 लाख फूड ऑर्डर प्रोसेस करता है। ऐसे समय में जब रैपिडो का फूड डिलीवरी ब्रांड ओनली तेजी से बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है और फ्लिपकार्ट भी अपने 'ईट इन' फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का परीक्षण कर रहा है, जोमैटो नए राजस्व स्रोतों की तलाश में है। गौरतलब है कि फूड डिलीवरी कंपनियों ने वर्ष 2023 में पहली बार प्लेटफॉर्म फीस लगानी शुरू की थी। शुरुआत स्विगी ने 2 रुपए प्रति ऑर्डर शुल्क से की थी, जिसके बाद जोमैटो ने भी इसी तरह का शुल्क लागू किया। बाद में कंपनी ने प्लेटफॉर्म फीस को लगातार बढ़ाया और इस वर्ष इसे 12.50 रुपए से बढ़ाकर 14.99 रुपए प्रति ऑर्डर कर दिया। इस पर जीएसटी अलग से लिया जाता है।

भारत रूस को पछाड़ विदेशी मुद्रा भंडार में दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंचा

विश्व केसरी

मुंबई। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर दुनिया में चौथे स्थान पर पहुंच गया है। इसकी वजह आरबीआई की ओर से डॉलर आकर्षित करने के लिए शुरू की गई एफसीएनआर (बी) जमा स्कीम के तहत बड़ा फंड आना है। 4 सितंबर को समाप्त हुए हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 44.9 अरब डॉलर बढ़कर 785.7 अरब डॉलर के आंकड़े पर पहुंच गया है।

ब्लूमबर्ग के मुताबिक, 785.7 अरब डॉलर के विदेशी मुद्रा भंडार के साथ भारत रूस को पछाड़कर चीन, जापान और स्विट्जरलैंड के बाद चौथे स्थान पर आ गया है। सोने की कीमतों में गिरावट के कारण इस हफ्ते देश के गोल्ड रिजर्व 2.59 अरब डॉलर की कमी आई और यह 113.81 अरब डॉलर हो गया, हालांकि, विदेशी मुद्रा के रिजर्व में मजबूती से विदेशी मुद्रा भंडार में रिकॉर्ड बढ़ोतरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति को दिखाती है और इससे आरबीआई को रुपए में उतार-चढ़ाव आने पर उसे स्थिर करने के लिए ज्यादा गुंजाइश मिलती है। विदेशी मुद्रा का मजबूत भंडार आरबीआई को स्पॉट और फॉरवर्ड करेंसी मार्केट में दखल देने में मदद करता है। वह ज्यादा डॉलर जारी करके रुपए की कीमत को तेजी से गिरने से रोक सकता है। इस बीच, आरबीआई ने विदेशी मुद्रा के भारी इनफ्लो की वजह से बैंकिंग सिस्टम में जमा हुई अतिरिक्त लिक्विडिटी को कम करने के लिए 1 लाख करोड़ रुपए के सरकारी बॉन्ड की 'ओपन मार्केट ऑपरेशन' (ओएमओ) बिक्री की घोषणा की है।

आरबीआई 1 लाख करोड़ रुपए की सरकारी सिक्योरिटीज को तीन किश्तों में बेचेगा, जिसमें 17 सितंबर को 50,000 करोड़ रुपए, 21 सितंबर को 25,000 करोड़ रुपए और 28 सितंबर को बाकी 25,000 करोड़ रुपए शामिल हैं। ये नीलामी मल्टी-सिक्योरिटी नीलामी के जरिए मल्टीपल-प्राइस मेथड से की जाएगी।

दाल सिर्फ स्वाद नहीं, पोषण का भी है खजाना! ज्यादा पौष्टिक बनाने के लिए अपनाएं ये 5 आसान तरीके

भारतीय रसोई में दाल का बहुत खास स्थान है. रोजाना के खाने में प्रोटीन और कई ज़रूरी पोषक तत्व शामिल करने का यह एक आसान तरीका है. हालांकि, इसे बनाने का तरीका और इसमें डाली जाने वाली चीज़ें इसके पोषक तत्वों पर असर डाल सकती हैं.

भारतीय थाली में दाल का एक खास स्थान है. अरहर, मूंग, मसूर, उड़द और चना जैसी दालें रोज़ाना के खाने में प्रोटीन और कई ज़रूरी पोषक तत्व शामिल करने का आसान जरिया हैं. हालांकि, पकाने का तरीका और इस्तेमाल की जाने वाली सामग्री इसके पोषण मूल्य पर असर डाल सकती है. 'राष्ट्रीय पोषण माह' के मौके पर, यहां रोज़ाना दाल बनाने के 5 आसान तरीके बताए गए हैं...

दाल में हरी सब्जियां मिलाएं

दाल पकाते समय पालक, मेथी, लौकी, गाजर, टमाटर या सहजन (मुनगा) की पत्तियां जैसी सब्जियां मिलाई जा सकती हैं. इससे डिश में फाइबर, विटामिन और मिनरल की मात्रा बढ़ती है और स्वाद भी बेहतर होता है. पालक-मूंग दाल या लौकी-चना दाल जैसी डिशेज़ आपके रोज़ाना के खाने में एक अच्छा बदलाव ला सकती हैं.

दाल को अलग-अलग अनाज के साथ खाएं

चावल, रोटी या दूसरे साबुत अनाज के साथ दाल खाने से शरीर को कई तरह के पोषक तत्व मिलते हैं. दाल और अनाज का कॉम्बिनेशन भारतीय खाने का पारंपरिक हिस्सा है और यह एक बैलेंस्ड डाइट का हिस्सा बन सकता है. अपने खाने में गेहूं, बाजरा या ज्वार जैसे साबुत अनाज शामिल करने की कोशिश करें.

तड़के के लिए बहुत ज़्यादा तेल का इस्तेमाल न करें

दाल का स्वाद बढ़ाने और तड़का लगाने के लिए आपको बहुत ज़्यादा तेल या घी की जरूरत नहीं होती. जीरा, लहसुन, हींग, करी पत्ता या सूखी लाल मिर्च का इस्तेमाल करके कम तेल या घी में बनाया गया तड़का भी बढ़िया काम करता है. इससे स्वाद भी बना रहता है और फालतू कैलोरी भी नहीं बढ़ती.

दाल को अच्छी तरह धोएं और जरूरत हो तो भिगो दें

पकाने से पहले दाल को साफ़ पानी से धोना ज़रूरी है. कुछ तरह की दालों को पहले भिगोने से पकाने का समय कम हो सकता है और कुछ लोगों के लिए उन्हें पचाना आसान हो सकता है. हालांकि, हर तरह की दाल को भिगोने की जरूरत नहीं होती, यह दाल की किस्म और आपके पकाने के तरीके पर निर्भर करता है.

नींबू का रस या ताज़ा धनिया मिलाएं

दाल पकने के बाद थोड़ा नींबू का रस, ताज़ा धनिया या दूसरी ताज़ी जड़ी-बूटियां मिलाना स्वाद और ताज़गी बढ़ाने का एक आसान तरीका है. दाल में आयरन जैसे मिनरल होते हैं, और विटामिन ष्ट से भरपूर चीज़ें शरीर को पौधों से मिलने वाले आयरन को सोखने में मदद कर सकती हैं. इसलिए, दाल को नींबू, टमाटर या विटामिन C से भरपूर दूसरी चीज़ों के साथ खाना फायदेमंद हो सकता है।

आत्मविश्वासी नहीं बन पा रहा बच्चा? कहीं आपकी परवरिश का तरीका तो नहीं है इसकी वजह

बच्चों के डरपोक या संकोची होने की वजह घर का माहौल और माता-पिता का व्यवहार हो सकता है. बार-बार डांटना, दूसरों से तुलना, या गुस्से वाला माहौल बच्चों के आत्मविश्वास को कम करता है.

हर माता-पिता चाहते हैं कि उनका बच्चा आत्मविश्वासी, खुश और खुलकर अपनी बात कहने वाला हो. लेकिन कई बार कुछ बच्चे हर बात पर डर जाते हैं, लोगों से खुलकर बात नहीं करते, अपनी राय व्यक्त करने से कतराते हैं या हमेशा सहमे-सहमे नजर आते हैं. अक्सर माता-पिता इसे बच्चे का स्वभाव मान लेते हैं, जबकि कई मामलों में इसकी वजह घर का माहौल और बड़ों का व्यवहार भी हो सकता है.

बार-बार डांटना पड़ सकता है भारी

जब बच्चे को छोटी-छोटी बातों पर लगातार डांटा जाता है, तो उसके मन में असुरक्षा की भावना पैदा हो सकती है. वह हर काम करते समय गलती होने के डर से घिरा रहता है. धीरे-धीरे उसका आत्मविश्वास कम होने लगता है और वह अपनी बात कहने से भी बचने लगता है.

जरूरत से ज्यादा सख्ती

अनुशासन जरूरी है, लेकिन अत्यधिक सख्ती बच्चे के मानसिक विकास पर नकारात्मक असर डाल सकती है. अगर हर बात पर नियम, रोक-टोक और दबाव रहेगा, तो बच्चा स्वतंत्र रूप से सोचने और निर्णय लेने से डरने लगेगा. इससे उसका स्वभाव संकोची और भयभीत हो सकता है.

'देखो, वह तुमसे कितना अच्छा है' जैसी बातें बच्चे को अंदर तक चोट पहुंचा सकती हैं. बार-बार तुलना किए जाने पर उसे लगने लगता है कि वह पर्याप्त अच्छा नहीं है. यह भावना उसके आत्मसम्मान को कमजोर कर सकती है और वह धीरे-धीरे खुद में सिमटने लगता है.

गुस्से वाला माहौल

यदि घर में अक्सर झगड़े होते हैं या माता-पिता गुस्से में ऊंची आवाज में बात करते हैं, तो बच्चे पर इसका गहरा प्रभाव पड़ता है. वह खुद को असुरक्षित महसूस करने लगता है. कई बच्चे ऐसे माहौल में चुप्पी साध लेते हैं और अपनी भावनाएं व्यक्त करना बंद कर देते हैं.

बच्चे की बात न सुनना

कई बार बड़े अपने व्यस्त जीवन में बच्चों की छोटी-छोटी बातों को महत्व नहीं देते. जब बच्चे को लगता है कि उसकी बात कोई नहीं सुनता, तो वह धीरे-धीरे बोलना कम कर देता है. इससे उसका आत्मविश्वास भी प्रभावित होता है.

हर समय नियंत्रण रखने की कोशिश

यदि माता-पिता बच्चे के हर फैसले में दखल देते हैं और उसे अपनी पसंद या राय रखने का मौका नहीं देते, तो बच्चा खुद पर भरोसा करना भूल सकता है. भविष्य में उसे छोटे-छोटे निर्णय लेने में भी डर लगने लगता है.

क्या करें?

बच्चे के साथ प्यार और धैर्य से बात करें. उसकी भावनाओं को समझने की कोशिश करें और उसकी बात ध्यान से सुनें।

बीपी चेक करते समय कहीं आप भी तो नहीं कर रहे ये गलतियां? पैरों को क्रॉस करके क्यों नहीं बैठा जाता, जानिए सही तरीका

ब्लड प्रेशर चेक करते समय अक्सर लोग कुछ सामान्य गलतियां कर बैठते हैं, जिसका सीधा असर रीडिंग पर पड़ता है. क्या आप जानते हैं कि पैरों को क्रॉस करके बैठना भी बीपी मापने के दौरान एक बड़ी गलती हो सकती है? सही रीडिंग के लिए इन गलतियों से बचना बेहद जरूरी है. आइए जानते हैं कि बीपी चेक करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और पैरों को क्रॉस करके क्यों नहीं बैठना चाहिए.

हाई ब्लड प्रेशर (हाइपरटेंशन) ऐसी समस्या है, जो अक्सर बिना किसी स्पष्ट लक्षण के शरीर में बढ़ती रहती है. यही वजह है कि कई लोग लंबे समय तक इससे अनजान रहते हैं. लगातार बढ़ा हुआ ब्लड प्रेशर दिल की बीमारी, स्ट्रोक, आंखों की रोशनी से जुड़ी समस्याओं और डिमेंशिया जैसी गंभीर जटिलताओं का खतरा बढ़ा सकता है. ऐसे में समय-समय पर ब्लड प्रेशर की जांच करना बेहद जरूरी है. लेकिन बीपी चेक करते समय कुछ गलतियां करने से बचना चाहिए अन्यथा रीडिंग गलत भी हो सकती है. आइए जानते हैं बीपी चेक करते समय किन किन बातों का ध्यान रखना चाहिए

बीपी चेक करते समय इन बातों का रखें ध्यान - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया है कि बीपी मापते समय सबसे पहले सही तरीके से बैठना जरूरी है. कुर्सी पर बैठें और अपनी पीठ को अच्छी तरह सहारा दें. दोनों पैर जमीन पर सीधे रखें और पैरों को क्रॉस करके नहीं. माना जाता है कि ऐसा करने से ब्लड प्रेशर का का माप अस्थायी रूप से बढ़ जाता है, जिससे गलत और बढ़ी हुई रीडिंग आ सकती है. साथ ही जिस हाथ में बीपी कफ लगाया जा रहा है, उसे किसी टेबल या सपोर्ट पर आराम से रखें।

कुछ ही वॉश में फीकी पड़ जाती है ब्लैक जींस? धोते समय अपनाएं ये 6 आसान तरीके, लंबे समय तक बना रहेगा गहरा रंग

ब्लैक जींस स्टाइलिश तो खूब लगती है, लेकिन गलत तरीके से धोने पर इसका गहरा रंग जल्दी फीका पड़ सकता है. गर्म पानी, तेज डिटर्जेंट और बार-बार वॉश करने से जींस की चमक कम हो सकती है. धोने से पहले जींस को उल्टा करना और ठंडे पानी का इस्तेमाल करना बेहतर तरीका है. मशीन में धोते समय जेंटल मोड चुनने से कपड़े पर होने वाली रगड़ को कम किया जा सकता है. हर बार पहनने के बाद जींस धोना जरूरी नहीं है, जरूरत के हिसाब से ही वॉश करें. धोने के बाद ब्लैक जींस को सीधी तेज धूप के बजाय छांव और हवादार जगह पर सुखाना बेहतर है.

अलमारी में रखी ब्लैक जींस लगभग हर किसी की पहली पसंद होती है. ऑफिस का दिन हो, कॉलेज की क्लास, वीकेंड आउटिंग या किसी कैजुअल पार्टी का प्लान, एक अच्छी ब्लैक जींस हर लुक को स्टाइलिश बना देती है, लेकिन परेशानी तब होती है, जब कुछ ही बार धोने के बाद उसका गहरा काला रंग हल्का पड़ने लगता है. नई जैसी दिखने वाली जींस धीरे-धीरे पुरानी और बेजान नजर आने लगती है. कई लोग इसे कपड़े की खराब क्वालिटी समझ लेते हैं, जबकि असली वजह अक्सर गलत तरीके से धोना और सुखाना होती है.

अच्छी बात यह है कि कुछ छोटी-छोटी आदतें अपनाकर ब्लैक जींस की चमक और रंग को लंबे समय तक बरकरार रखा जा सकता है. सही पानी का चुनाव, सही डिटर्जेंट, धोने का तरीका और सुखाने की जगह जैसी बातें आपकी पसंदीदा जींस की उम्र बढ़ा सकती हैं, अगर आप चाहते हैं कि आपकी डार्क जींस सालों तक नई जैसी दिखे, तो इन आसान वॉशिंग टिप्स को अपनी रोजमर्रा की आदत का हिस्सा बना लें.

ब्लैक जींस जल्दी फीकी क्यों पड़ जाती है?

ब्लैक और दूसरे डार्क रंगों के कपड़ों में इस्तेमाल होने वाला डाई समय के साथ धीरे-धीरे निकलने लगता है. जब जींस को बार-बार गर्म पानी से धोया जाता है, तेज डिटर्जेंट का इस्तेमाल किया जाता है या तेज धूप में सुखाया जाता है, तब यह प्रक्रिया और तेज हो जाती है. मशीन में ज्यादा रगड़ भी कपड़े की बाहरी परत को नुकसान पहुंचाती है, जिससे रंग हल्का दिखाई देने लगता है.

जींस धोने से पहले उसे हमेशा उल्टा करें

बाहर की सतह रहेगी सुरक्षित ब्लैक जींस को वॉश करने से पहले हमेशा अंदर की तरफ पलट दें. इससे कपड़े का बाहरी हिस्सा सीधे रगड़ के संपर्क में नहीं आता और रंग जल्दी नहीं उड़ता. कपड़ों की देखभाल करने वाले विशेषज्ञ भी इस आसान आदत को अपनाने की सलाह देते हैं, अगर आप वॉशिंग मशीन का इस्तेमाल करते हैं, तब भी जींस को उल्टा करके ही डालें. इससे फैब्रिक लंबे समय तक अच्छी स्थिति में बना रहता है

ठंडे पानी से धोना है सबसे अच्छा विकल्प

गर्म पानी से बढ़ सकता है नुकसान बहुत से लोग जल्दी सफाई के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन डार्क जींस के लिए यह सही तरीका नहीं माना जाता. गर्म पानी रंग को तेजी से हल्का कर सकता है. ठंडे पानी से धोने पर फैब्रिक भी सुरक्षित रहता है ।

मुंह का छाला बना जाएगा कैंसर, कानपुर के डॉ. काला से जानिए 5 सबसे घातक लक्षण

मुंह में छाला लंबे समय तक ठीक न हो तो इसे हल्के में लेना भारी पड़ सकता है. गुटखा, खैनी, सिगरेट और शराब का सेवन करने वालों को सावधान रहना चाहिए. यह ओरल कैंसर का शुरुआती संकेत हो सकता है. लोकल 18 ने इस बारे में कानपुर के डॉक्टर संजय काला से बात की. उन्होंने इसके पांच लक्षणों के बारे में बताया. डॉ. काला कहते हैं कि मुंह या जीभ में छाला होने पर आमतौर पर कुछ दिनों में आराम मिल जाता है, लेकिन ज्यादा दिन तक समस्या बने रहने से स्थिति विकट हो सकती है. गुटखा और सुपारी का लगातार सेवन करने से मुंह के अंदर के ऊतक सख्त हो सकते हैं. गालों के अंदर, जीभ या मसूड़ों पर सफेद या लाल रंग के चकत्ते पड़ना भी कैंसर का संकेत हो सकता है.

मुंह में छाला होने पर अक्सर लोग इसे सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं. कुछ लोग घरेलू नुस्खे आजमाते हैं तो कुछ दवा लेकर आराम मिलने का इंतजार करते रहते हैं, लेकिन अगर यही छाला लंबे समय तक ठीक नहीं हो रहा है, तो इसे हल्के में लेना भारी पड़ सकता है. खासकर गुटखा, खैनी, सिगरेट और शराब का नियमित सेवन करने वालों को मुंह में होने वाले किसी भी बदलाव को लेकर सावधान रहना चाहिए. यह बदलाव ओरल कैंसर (मुंह के कैंसर) का शुरुआती संकेत भी हो सकता है. कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉक्टर संजय काला बताते हैं कि मुंह के कैंसर का खतरा तंबाकू और शराब का सेवन करने वालों में अधिक रहता है. कई बार शुरुआत में बीमारी के लक्षण मामूली होते हैं, इसलिए लोग उन्हें नजरअंदाज कर देते हैं. समय पर जांच होने से बीमारी का पता शुरुआती अवस्था में लगाया जा सकता है और इलाज के बेहतर परिणाम मिल सकते हैं.

मुंह या जीभ में छाला होने पर आमतौर पर कुछ दिनों में आराम मिल जाता है, लेकिन अगर कोई छाला दो हफ्ते से ज्यादा समय तक ठीक नहीं हो रहा है, बार-बार उसी जगह बन रहा है या घाव का आकार बढ़ रहा है, तो डॉक्टर को दिखाना जरूरी है. खासकर तंबाकू का सेवन करने वालों को ऐसे छाले को सामान्य नहीं समझना चाहिए

. मुंह का पूरा न खुलना

गुटखा और सुपारी का लगातार सेवन करने से मुंह के अंदर के ऊतक सख्त हो सकते हैं. इसे ओरल सबम्यूकस फाइब्रोसिस कहा जाता है. इसमें धीरे-धीरे मुंह खुलना कम हो जाता है. शुरुआत में पान या गुटखा खाने में परेशानी हो सकती है, लेकिन बाद में खाना खाने और बोलने में भी दिक्कत आने लगती है।

हिल स्टेशन माउंट आबू में मिला देश का दूसरा पुराना सफेदा का पेड़, अंग्रेजों के समय लगाया गया था यह अनोखा पेड़

प्रदेश में प्राकृतिक और वन्यजीव के लिए माउंट आबू का जंगल हमेशा से अनोखा था है. अब माउंट आबू में देश का दूसरा सबसे बड़ा सफेदा का पेड़ मिला है. इस पेड़ की उम्र करीब 150 वर्ष मानी जा रही है. इस पेड़ के बारे में एक वन विशेषज्ञ और वन विभाग के अधिकारी ने रिसर्च की है.

माउंट आबू वाइल्डलाइफ सेंचुरी एरिया में करीब 150 साल पुराना सफेदा का एक विशाल पेड़ मिला है. वन विशेषज्ञ और पूर्व वन अधिकारी डॉ. सतीशकुमार शर्मा ने इस पेड़ पर रिसर्च की तो इसकी वास्तविक उम्र 150 वर्ष से अधिक सामने आई. वन विभाग के उप वन संरक्षक अनिल गुप्ता से सूचना मिलने के बाद डॉ. शर्मा मौके पर पहुंचे और पेड़ के आकार व उम्र से जुड़े आंकड़े जुटाए.

डॉ. शर्मा ने बताया कि यह सफेदा का पेड़ करीब 20 मीटर ऊंचा हैं. इसकी उम्र करीब 150 वर्ष मानी जा रही है. पेड़ के तने की छाती की ऊंचाई पर परिधि 4.55 मीटर दर्ज की गई है. राष्ट्रीय रिकॉर्ड में उपलब्ध डेटा से इसका आंकलन करने पर सामने आया कि मोटाई के मामले में यह देश का दूसरा सबसे मोटा सफेदा पेड़ है. खास बात यह है कि देश के सबसे मोटे सफेदा पेड़ से इसकी परिधि में सिर्फ 15 सेंटीमीटर का अंतर है.

माउंट आबू के जंगल में कई दुर्लभ और अनोखी जड़ी बूटियां पाई जाती है. यहां अंग्रेजों के समय में कई स्थान पेड़ नीलगिरी, बांस समेत कई पौधे लगाए गए थे. जो आज विशाल पेड़ का आकार ले चुके हैं. शर्मा ने बताया कि देश का सबसे मोटा सफेदा वृक्ष आंध्र प्रदेश के अनामैया जिले की मदनपल्ली रेंज के हॉर्सली हिल में मौजूद है. रिकॉर्ड के मुताबिक इसे वर्ष 1859 में तत्कालीन चित्तूर जिले के कलेक्टर डब्ल्यू. एच. हॉर्सले ने लगाया था. इसी के नाम पर इस स्थान का नाम हॉर्सली हिल पड़ा.

वर्ष 1995 में केंद्र सरकार ने इस पेड़ को देश का सबसे बड़ा सफेदा वृक्ष घोषित कर महावृक्ष पुरस्कार भी दिया था. इस पेड़ के बाद दूसरा सबसे बड़ा सफेदा का पेड़ आबू में मिला है. ये पेड़ काफी खास हैं. डॉ. शर्मा ने बताया कि इसके तने पर करीब तीन मीटर तक कोई शाखा नहीं है. इसके बाद तना कई बड़ी शाखाओं में बंट जाता है. करीब डेढ़ सदी से खड़ा यह विशाल पेड़ माउंट आबू की अनोखी जलवायु और यहां मौजूद पुराने पेड़ों की खासियत को दिखाता है.

डॉ. शर्मा ने इस पेड़ के माप और अन्य जानकारियों का राष्ट्रीय स्तर पर दर्ज महावृक्ष रिकॉर्ड से मिलान किया. यह पेड़ अब केवल राजस्थान का ही नहीं देश का दूसरा सबसे बड़ा सफेदा के पेड़ के रूप में पहचाना जाएगा. इतने पुराने पेड़ का आज भी सुरक्षित और मजबूत स्थिति में खड़ा होना इसे और खास बनाता है. इस खोज के बाद वन विभाग अब पेड़ के संरक्षण और पहचान की तैयारी कर रहा है. जिससे यहां घूमने आने वाले पर्यटकों को भी इसके बारे में पता लग सके।

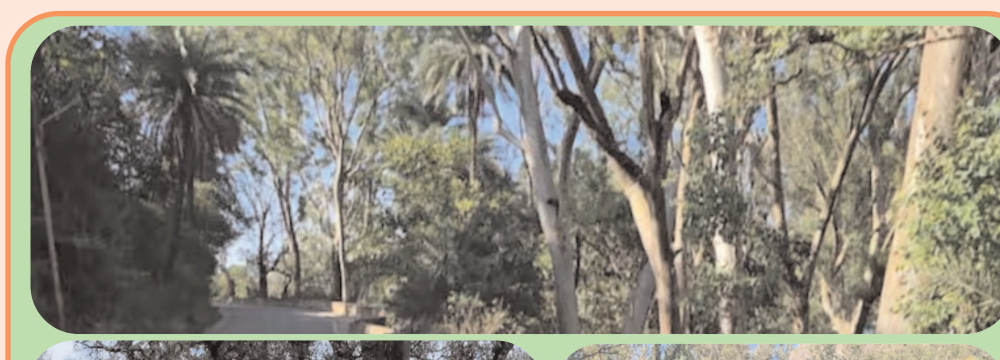

अरहान खान ने गिनाईं बिग बॉस 13 की खूबियां, बोले- जितना ज्यादा दिखोगे, उतना ज्यादा बिकोगे

मुंबई। 'बिग बॉस-13' अपने दमदार प्रतियोगियों, शानदार रिश्तों और जबरदस्त ड्रामे के कारण भारतीय टेलीविजन के इतिहास का सबसे सफल और यादगार सीजन माना जाता है। इसी सीजन के कंटेस्टेंट अरहान खान का मानना है कि इस सीजन में हर प्रतियोगी अपनी असली शख्सियत के साथ खेला था और इसीलिए वह सीजन इतना सफल हुआ।

'बहुत सांरे लोग थे, इसलिए यादगार बन गया सीजन'

उन्होंने मीडिया साथ बातचीत में बताया, "उस सीजन की खासियत यह थी कि उसमें बहुत सारे लोग थे। आप सिर्फ एक शख्स को देखते हैं, लेकिन वहां असीम, सिद्धार्थ, विशाल, पारस, शेफाली, मधुरिम, हिमांशी, खेसारी लाल, हिंदुस्तानी भाऊ और कई अन्य अच्छे नाम थे। बहुत सारे लोग थे और इसीलिए वह इतना यादगार सीजन बना था।"

'हर कोई रियल था, किसी की नकल नहीं'

उन्होंने आगे कहा, "उस सीजन में हर कोई रियल था। हर किसी ने वैसा ही खेला जैसे वो है। अगर आप किसी भी कंटेस्टेंट को देखें, तो कोई किसी की कॉपी नहीं कर रहा था। सीजन तेरह देखने के बाद लोग ये नहीं कह रहे थे कि किसी कंटेस्टेंट ने किसी की नकल की है या सीजन कॉपी किया गया है। लोग बस खुद जैसे थे। उन्होंने रियलिटी के साथ खेला और इसीलिए वह सीजन इतना सफल हुआ।"

'अब इमेज वाला सीन खत्म हो गया है'

अभिनेता से आईएएनएस ने सवाल किया, "क्या आपको लगता है कि रियलिटी शो करने के बाद एक एक्टर के लिए अपनी इमेज बनाना मुश्किल हो जाता है?"

अरहान खान ने कहा, "मुझे लगता है कि अब इमेज वाला सीन ही खत्म हो गया है। आप जितना ज्यादा दिखोगे, उतना ज्यादा बिकोगे। ऐसा कोई शख्स नहीं जिसके साथ कंट्रोवर्सी न जुड़ी हो। अगर आप हमारा बिग बॉस वाला सीजन देखेंगे, तो उसमें हर किसी के साथ कंट्रोवर्सी थी। यह सबसे बड़ा हिट और सबसे यादगार सीजन था।"

'सोशल मीडिया ने बढ़ाए मौके, लेकिन लाता है स्ट्रेस भी'

अभिनेता ने आगे सोशल मीडिया की वजह से बढ़ते मौकों पर बात की। उन्होंने कहा, "सोशल मीडिया ने न सिर्फ एक्टर्स के लिए मौके बढ़ाए हैं, बल्कि नए लोगों को भी बहुत सारे मौके दिए हैं। साथ ही यह बहुत स्ट्रेसफुल भी है। सोशल मीडिया बहुत से लोगों को परेशान भी करता है, लेकिन जब सक्सेस मिलती है तो वह ऐसे ही नहीं आती। यह अपने साथ बहुत सारा बैगेज लेकर आती है। आप किस इंडस्ट्री या शोबिज में हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। ये चीजें सक्सेस के साथ आती है।"

बिग बॉस 20 में काजी तौकीर ने की अरिजीत सिंह की तारीफ, बोले-वो बंदा मेरी जान है

विश्व केसरी

मुंबई। गायक अरिजीत सिंह और काजी तौकीर की दोस्ती 21 साल पुरानी है, जो साल 2005 के रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' के समय से चली आ रही है। 'बिग बॉस -20' में काजी तौकीर ने अरिजीत सिंह के जुनून, उनकी जुझारू भावना और जमीन से जुड़े स्वभाव की जमकर तारीफ की।

अरिजीत के बारे में बात करते हुए काजी तौकीर ने कहा, 'भाई मैं तुम्हें बता रहा हूं कि वह आदमी मेरी जिंदगी है।

काजी तौकीर ने अरिजीत सिंह के संगीत के प्रति जुनून के बारे में बात करते हुए कहा कि कैसे सिंगर घंटों तक अपनी संगीत की दुनिया में खोए रह सकते हैं। उन्होंने कहा, 'वो बंदा मेरी जान है। उसका फाइटिंग स्पिरिट पागलपन वाला है। वो 8 घंटे तक नहीं थकता। सितार लेकर बैठता है। जब शुरू करता है तो समय का कुछ पता ही नहीं चलता। सात घंटा, छह घंटा, लगातार, उसी चीज में खोया रहता है।

काजी तौकीर ने बताया कि अरिजीत सिंह के लिए असली मजा प्रोसेस और संगीत में ही है। उन्होंने कहा, 'मुझे कपड़ों का शौक है, उसके लिए मजा है प्रोसेस। उसका संगीत।

अपने पसंदीदा अरिजीत सिंह के गाने के बारे में पूछे जाने पर काजी इमोशनल हो गए। उन्होंने 2013 की फिल्म आशिकी 2 के गाने 'तुम ही हो' को चुना। उन्होंने यह गाना अपने दोस्त को डेडिकेट करते हुए कहा कि उनका उनके साथ बहुत करीबी रिश्ता है और वह उनकी इतनी इज्जत करते हैं कि अल्फाज कम पड़ जाएं।

काजी ने कहा, 'आई लव यू, अरिजीत भाई। वी लव अरिजीत। अरिजीत भाई, आई लव यू सो मच। पूरा देश उनसे प्यार करता है, भाई। कुछ बोलने की बात ही नहीं है।

काजी और अरिजीत की दोस्ती दो दशक से भी ज्यादा पुरानी है। दोनों 2005 में फेम गुरुकुल में युवा कंटेस्टेंट के तौर पर मिले थे और करियर के अलग-अलग रास्तों पर जाने के बावजूद करीबी दोस्त बने रहे।

काजी के बिग बॉस 20 में एंट्री के बाद उनकी दोस्ती को एक और बार सबके सामने समर्थन मिला। अरिजीत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया कि काजी ने उन्हें पहली बार रियलिटी शो देखने की वजह दी है।

शादी की सालगिरह पर पति रवि दुबे की याद में इमोशनल हुईं लिलेट दुबे, शेयर की पुरानी तस्वीर

मुंबई। 'जुबेदा,' 'कल हो ना हो' और 'चलते चलते' समेत कई फिल्मों में काम कर अपनी अलग पहचान बनाने वाली अभिनेत्री लिलेट दुबे ने शनिवार को अपनी शादी की सालगिरह पर अपने गुजरे हुए पति रवि दुबे को याद किया।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर पति संग कुछ तस्वीर पोस्ट की,। इस तस्वीर में दोनों एक सुकून भरे पल में नजर आ रहे हैं, जिसमें लिलेट कैमरे की तरफ मुस्कुरा रही हैं और रवि उनके बगल में बैठे हैं।

लिलेट दुबे ने इस पोस्ट के जरिए करीब पांच दशक पहले शुरू हुए अपने रिश्ते पर एक इमोशनल नोट लिखा, 'डार्लिंग रवि, एक और एनिवर्सरी आ गई। एक और जिंदगी की तस्वीर के साथ। लव यू और तुम्हारी बहुत याद आती है। अभिनेत्री की पोस्ट को फैंस और उनके करीबियों द्वारा काफी पसंद किया जा रहा है। कई यूजर्स ने कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया दी। अभिनेत्री दिव्या शेठ शाह ने लिखा, 'रवि बहुत नेक इंसान थे। वे हमेशा मुझे सपोर्ट करते रहते थे।

लिलेट दुबे और रवि दुबे कॉलेज के दिनों से एक दूसरे को जानते थे। 12 सितंबर 1978 को कपल ने शादी कर ली थी।

लिलेट दुबे अक्सर बताती रहती हैं कि रवि उनके सबसे करीबी दोस्तों में से एक बने थे और फिर धीरे-धीरे उनकी दोस्ती प्यार में बदल गई। कई साल तक साथ रहने के बाद दोनों ने शादी की थी। इस कपल की दो बेटियां हैं, नेहा दुबे और इरा दुबे। दोनों ही थिएटर, फिल्मों और टीवी से जुड़ी हुई हैं।

अभिनेत्री के पति रवि दुबे मानसिंह होटल के महाप्रबंधक थे। रवि दुबे का निधन साल 2015 में अग्नाशय के कैंसर से हो गया था।

'सिस्टर्स गोल', करीना कपूर ने रीक्रिएट किया बहन करिश्मा का आइकॉनिक 'जुबैदा' लुक

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'दायरा' के प्रमोशन के दौरान बहन करिश्मा कपूर के यादगार फैशन मोमेंट को रीक्रिएट किया। दरअसल, अभिनेत्री ने बहन करिश्मा कपूर के 'जुबैदा' लुक को रीक्रिए किया।

इस लुक की तुलना करते हुए करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर अपनी और करिश्मा की 'जुबैदा' वाली तस्वीर का एक कोलाज शेयर किया। उनकी तस्वीर के साथ फिल्म 'जुबैदा' से करिश्मा कपूर की एक तस्वीर है, जिसमें उन्हें फूलों का गुच्छा पकड़े हुए वैसी ही मल्टीकलर साड़ी में देखा जा सकता है।

उन्होंने तस्वीर के साथ लिखा, 'मुझे हमेशा से पता था कि हमारी पसंद अच्छी है... सिस्टर्स फॉरएवर। 'करिश्मा ने फिल्म 'जुबैदा' के गाने 'धीमे धीमे गाऊं' में यह आइकॉनिक साड़ी पहनी थी। इस गाने को ए.आर. रहमान ने कंपोज किया था और कविता कृष्णमूर्ति ने गाया था। श्याम बेनेगल की इस फिल्म में करिश्मा इसी लुक में नजर आई थीं। राजस्थानी पारंपरिक समुद्र लेहरिया प्रिंट वाली यह मल्टीकलर साड़ी फिल्म के सबसे यादगार और सदाबहार फैशन लुक्स में से एक मानी जाती है। इसके साथ करिश्मा ने एक सिंपल ब्लाउज और पर्ल ज्वेलरी (मोतियों के गहने) कैरी किए थे। फिल्म 'दायरा' की बात करें, तो इसे मेघना गुलजार ने निर्देशित किया है, लेखन यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने किया है। वहीं, जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज मिलकर प्रोड्यूस करेंगे।

सच्ची घटनाओं से प्रेरित यह फिल्म अपराध, सजा, त्वरित न्याय बनाम विलंबित न्याय और दो पुलिस अधिकारियों की अलग-अलग सोच के इर्द-गिर्द घूमती है

सच्ची घटनाओं से प्रेरित, 'दायरा' जंगली पिक्चर्स और पेन स्टूडियोज के बीच पहला कोलैबोरेशन है। साथ ही, 'तलवार' और 'राजी' के बाद मेघना गुलजार का जंगली पिक्चर्स के साथ यह तीसरा कोलैबोरेशन है। यह फिल्म करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की एक साथ पहली फिल्म भी है।

नेहा धूपिया ने बताया कैसे मदरहुड ने बदली उनकी जिंदगी, बताया- 90 प्रतिशत दिमाग बच्चों में ही लगा रहता है

मुंबई। अभिनेत्री नेहा धूपिया आगामी रियलिटी शो 'रोडीज रीबर्थ' के 20वें एडिशन में एक गैंग लीडर के तौर पर नजर आएंगी। अभिनेत्री ने बताया कि मां बनने के बाद उनकी जीवन में किस तरह के बदलाव आए हैं।

उन्होंने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में हार-जीत से उन्हें ज्यादा फर्क नहीं पड़ता, लेकिन बच्चों की तबीयत बिगड़ने से वह घबरा जाती हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे लगता है कि कॉन्फिडेंश कंफर्ट से आता है फिर चाहे वह कपड़े पहनना हो या बात करना। मैं न उन विषयों पर बात नहीं करना चाहती, जिनमें कंफर्टेबल नहीं हूं और न ऐसे कपड़े पहनना चुनती हूं जिनमें मैं असहज महसूस करूं।

नेहा धूपिया ने बताया कि मदरहुड ने उनके कॉन्फिडेंस को कैसे बदला है। उन्होंने कहा, 'जब आप घबराहट की बात करते हैं, तो मुझे लगता है कि मां बनने के बाद मैं बहुत घबराने लगी हूं। जब बात बच्चों की आती है, तो मेरा कॉन्फिडेंस जीरो हो जाता है। भगवान न करे ऐसा हो, लेकिन कभी-कभी जब मेरे बच्चों को बुखार आता है या उनकी तबीयत खराब होती है, तो मैं बहुत ज्यादा घबरा जाती हूं।

नेहा धूपिया ने बताया कि वे अपने पति की शुक्रगुजार हैं, जो उनकी गैरमौजूदगी में बच्चों का ख्याल रखते हैं। उन्होंने कहा, 'भगवान का शुक्र है कि मेरी शादी ऐसे इंसान से हुई है, क्योंकि जब बच्चा बीमार होता है तो उसे बच्चे के साथ-साथ मुझे भी संभालना पड़ता है। मैं बहुत नर्वस हो जाती हूं। नेहा ने आगे कहा, 'अजीब बात है कि इतने सालों में कोई भी चीज मुझे नर्वस नहीं कर पाई। मैं जीतने-हारने से नहीं डरती, सही या गलत साबित करने से नहीं डरती।

वीकेंड के वार में काजी तौकीर पर मेहरबान हुए सलमान खान, कहा-इस घर में रॉकस्टार तो एक ही है

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेता सलमान खान इन दिनों रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में होस्ट के तौर पर नजर आ रहे हैं। अभिनेता ने पहले वीकेंड के वार में गायक-कंटेस्टेंट काजी तौकीर को घर का इकलौता रॉकस्टार बताया। जियो हॉटस्टार ने वीकेंड के वार की झलक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की। उन्होंने लिखा, 'काजी तौकीर के रॉकस्टार अंदाज ने भाई को भी दीवाना बना दिया।

वीडियो में देखा जा सकता है कि सलमान खान कहते हैं, 'इस घर में कितने भी स्टार्स हैं। रॉकस्टार तो एक ही है, काजी तौकीर।

इसके बाद सलमान ने बिग बॉस 20 के घरवालों से काजी तौकीर का स्टेप करवाया और फिर कहा कि यह स्टेप उनके लिए बहुत मुश्किल है। पहले हफ्ते में कनिका मान, उदिति सिंह, लव गिल और अरिश्फा खान नॉमिनेट हुए हैं। उम्मीद लगाई जा रही है कि पहले वीकेंड का वार में ही पहला एविक्शन हो सकता है।

बिग बॉस का 20वां सीजन 6 सितंबर को शुरू हुआ था। इस बार शो में 16 सेलिब्रिटी कंटेस्टेंट्स की अलग-अलग लाइनअप है, जिसमें एमसी मैरी कॉम, कनिका मान, माही विज, कुशाल तंवर, अमन गांधी, ईशा ऋखी, अरिश्फा खान, काजी तौकीर, आसिफ खान, आम्रपाली दुबे, रिद्धि तिवारी, उदिति सिंह, तन्मय सिंह उर्फ स्काउटओपी, रोहेड खान, यंग डीएसए और लव गिल जैसे नाम शामिल हैं।

बिग बॉस भारत में बिग बॉस फ्रेंचाइजी का एक भारतीय हिंदी भाषा का रियलिटी टेलीविजन शो है, जो कलर्स टीवी पर आता है।

बतौर निर्माता 'डोंट बी शाय' को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर हैं ज्यादा टेंशन

मुंबई । अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'डोंट बी शाय' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि बह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं।

ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, "नहीं, मुझे कथी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।"

आलिया ने फिल्म को लेकर उत्सुकता जाहिर करते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट को प्रोड्यूस करने से उन्हें एक अलग तरह की खुशी मिली है, क्योंकि वह शुरू से ही इसकी कहानी और इसकी दुनिया बनाने में शामिल रही हैं। उन्होंने कहा, "14 साल पहले मैंने फिल्म 'स्टुडेंट ऑफ द ईयर' से एक एक्टर के तौर पर अपना डेब्यू किया था और अब इतने सालों बाद मैं चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस कर रही हूं और मैं अभी उनसे कही ज्यादा नर्वस हूं। क्योंकि, आपके सबाल का जवाब दूं तो, मुझे एक एक्टर होना और कैमरे के सामने रहना पसंद है, लेकिन एक प्रोड्यूसर होने का एक अलग ही तरह का सुकून है।"

> जब फिल्म की निर्देशक श्रीति मुखर्जी हमारे पास इस मूवी बनाने का आइडिया लेकर आई, तो हमने ही कहा कि चलो इसे साथ में करते हैं और फिर हम इसे अपने प्यारे पार्टनर्स के पास ले गए। यह कहानी मेरे दिल के बहुत करीब है और हर कोई इससे जुड़ पाएगा।
> — आलिया भट्ट

श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी फिल्म **'डोंट बी शाय'** 20 साल की लड़की शामिली 'शाइ' दास की कहानी है, जो मानती है कि उसने जिंदगी को समझ लिया है, लेकिन बह देखती हैं कि उसकी सोंची-समझी जिंदगी एक अचानक मोड़ ले लेती है, क्योंकि सब कुछ उसके कंट्रोल से बाहर होने लगता है।

Don't Be Shy

फिल्म की खास बातें

- **निर्देशक** : श्रीति मुखर्जी
- **मुख्य भूमिका** : शयामिली (आलिया भट्ट के प्रोडकशन में)
- **नए चेहरे** : आरुक्षि बजाज, पीयूष खाती, डियांका अरोड़ा, अंश दुग्गल
- **साथ में** : कुणाल रॉय कपूर, नेहा धूपिया
- **रिलीज़ डेट** : 25 सितेंबर 2026
- **प्लेटफॉर्म** : प्राइम वीडियो

नई कहानी, नए चेहरे, नई शुरुआत

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने वियतनाम के पीएम ले मिन पहुंचे दिल्ली

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए शनिवार को नई दिल्ली पहुंचे। केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

वियतनाम के प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए, विदेश मंत्रालय (एमईए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'भारत और वियतनाम के बीच एक 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' है। यह साझेदारी दोस्ती और सहयोग के पुराने रिश्तों पर टिकी है, जो रक्षा और सुरक्षा, फिनटेक, महत्वपूर्ण खनिजों और अन्य उभरते क्षेत्रों तक फैली हुई है। दोनों बहुपक्षीय सहयोग पर मिलकर काम करना जारी रखे हुए हैं।'

भारत शनिवार और रविवार (12-13 सितंबर) को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इसमें ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों के नेताओं के साथ-साथ विशेष रूप से आमंत्रित अतिथि भी शामिल हो रहे हैं। विदेश मंत्रालय के बयान के अनुसार, भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता का विषय है: 'लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माण'। यह विषय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मानवता सर्वोपरि' की भावना पर आधारित और जन केंद्रित है।

पिछले महीने, वियतनाम की अपनी यात्रा के दौरान, विदेश राज्य मंत्री (एमओएस) पवित्र मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री हंग से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने और उच्च-स्तरीय प्रतिबद्धताओं को ठोस नतीजों में बदलने के लिए उनके मार्गदर्शन के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। बैठक के दौरान, मार्गेरिटा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं। साथ ही, उन्होंने वियतनाम के राष्ट्रपति 'तो लाम' की भारत की सफल यात्रा को याद किया, जिसके दौरान दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाया गया था।

इससे पहले मई में, नई दिल्ली में राष्ट्रपति 'तो लाम' के साथ बैठक के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने घोषणा की थी कि भारत और वियतनाम के संबंधों को 'बेहतर व्यापक रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ा दिया गया है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में बातचीत के बाद वियतनाम के राष्ट्रपति के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने वियतनाम को भारत की 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' और 'महासागर' विजन का एक 'प्रमुख स्तंभ' बताया।

वैश्विक तनाव के बीच ब्रिक्स की अहमियत बढ़ी, रिटायर्ड कमोडोर बोले- पीएम मोदी जैसे निर्विवाद नेता कर रहे अध्यक्षता

विश्व केसरी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर बढ़ते युद्ध और तनाव के बीच भारत में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का महत्व और भी बढ़ गया है। रक्षा विशेषज्ञ कमोडोर (रिटायर्ड) रंजीत राय ने कहा कि जब रूस-यूक्रेन युद्ध चौथे साल में है और पश्चिम एशिया में ईरान-इजरायल संघर्ष गहरा रहा है, ऐसे समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हो रहा यह सम्मेलन बेहद अहम है।

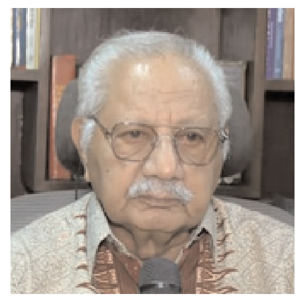

रंजीत राय ने कहा कि मौजूदा वैश्विक हालात में ब्रिक्स सम्मेलन का महत्व काफी बढ़ गया है। एक तरफ रूस-यूक्रेन युद्ध अपने चौथे साल में प्रवेश कर चुका है, तो दूसरी तरफ अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हमला किया है। इजरायल गाजा में हमास और लेबनान में लगातार कार्रवाई कर रहा है, जबकि हूती अब सऊदी अरब पर हमले की तैयारी में हैं। ऐसे नाजुक समय में यह बैठक बेहद अहम हो जाती है। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता प्रधानमंत्री मोदी जैसे निर्विवाद नेता कर रहे हैं, जिनके दुनिया के तमाम बड़े नेताओं से मित्रतापूर्ण संबंध हैं। उन्होंने शी जिनपिंग को आमंत्रित किया है जो अगले दिन पहुंच रहे हैं, जबकि राष्ट्रपति पुतिन पहले ही आ चुके हैं और द्विपक्षीय वार्ता कर चुके हैं।

उन्होंने कहा कि ब्रिक्स से जुड़ा व्यापार सम्मेलन भी चल रहा है और आखिरकार सब कुछ अर्थव्यवस्था पर ही आकर टिकता है। 11 देशों वाला ब्रिक्स समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी और वैश्विक अर्थव्यवस्था के बड़े हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है। यही वजह है कि ब्रिक्स देश अब संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष में अपनी बड़ी भूमिका और हिस्सेदारी की मांग कर रहे हैं।

जब ग्लोबल साउथ भारत मंडपम में जुटा है, तो पश्चिम और यूरोप की नजरें भी इसी पर टिकी हैं। यह सम्मेलन बहुत अच्छी तरह से आयोजित किया गया है और उम्मीद है कि इस बार पिछले सम्मेलन की तरह नहीं, जहां यूएई और ईरान किसी एक बयान पर सहमत नहीं हो पाए थे, बल्कि इस बार सम्मेलन के अंत में एक ठोस और सुनने लायक संयुक्त बयान सामने आएगा।

प्रधानमंत्री मोदी की रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ मुलाकात अमेरिका और पश्चिमी देशों को क्या संदेश देती है और रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच मोदी-पुतिन संबंध भारत के रक्षा और रणनीतिक हितों के लिए कितने अहम हैं, इस सवाल पर रक्षा विशेषज्ञ ने कहा कि प्रधानमंत्री दुनिया को यह संदेश दे रहे हैं कि भारत पश्चिम विरोधी नहीं है।

संक्षिप्त खबर

ब्रिक्स ने दुनिया को नई दिशा दी, ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा: चीनी पत्रकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर दुनिया से आए पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने अपनी राय रखी। चीन के सरकारी अखबार पीपुल्स डेली के सीनियर पत्रकार रेन यान ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। मुझे लगता है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत और चीन के नेताओं को मिलने और भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया है। क्या ब्रिक्स वैश्विक व्यवस्था को बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, इस सवाल पर रेन यान ने कहा, 'मुझे लगता है कि 20 साल पहले विश्व व्यवस्था पर पश्चिमी शक्तियों का वर्चस्व था लेकिन ग्लोबल साउथ के एक सामूहिक संगठन के रूप में उभरने के साथ मुझे लगता है कि पिछले 20 साल में ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा है और धीरे-धीरे पुरानी विश्व व्यवस्था को बदल दिया है।' उन्होंने कहा, ब्रिक्स में कई महाद्वीपों के कई देश शामिल हैं। यह विविधता में एकता है, लेकिन मुझे लगता है।

बांग्लादेश: न्यूजरूम में वरिष्ठ हिंदू पत्रकार पाए गए मृत ; अवामी लीग को गड़बड़ी की आशंका

विश्व केसरी

ढाका। बांग्लादेशी दैनिक 'समकाल' के न्यूजरूम में वरिष्ठ हिंदू पत्रकार मृत पाए गए। बरिसल जिले के ब्यूरो ऑफिस में हुई इस घटना ने एक बार फिर अल्पसंख्यक सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। शुक्रवार शाम को 'समकाल' के बारिसल ब्यूरो चीफ रहे 57 वर्षीय पुलक चटर्जी का शव अखबार के ऑफिस के अंदर फंदे से लटका मिला। घटना की पुष्टि करते हुए बारिसल कोतवाली मॉडल पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी अल मामून-उल इस्लाम ने कहा, 'मौत की सही वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही पता चलेगी। स्थानीय सूत्रों के हवाले से बांग्लादेशी अखबार 'ढाका ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि चटर्जी को करीब तीन साल पहले 'समकाल' से निकाल दिया गया था। वे बारिसल प्रेस क्लब के महासचिव भी रह चुके थे और इससे पहले कई सालों तक बांग्लादेशी अखबार 'जुगांतर' के साथ काम कर चुके थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और एक बेटी हैं। इस बीच, बांग्लादेश की अवामी लीग ने शनिवार को आरोप लगाया कि 'समकाल' ऑफिस में चटर्जी की मौत के हालात गंभीर सवाल खड़े करते हैं। पार्टी का कहना है कि उनके शव की लीक हुई तस्वीर से संकेत मिलता है कि यह स्वाभाविक मौत नहीं थी। पार्टी ने सवाल उठाया, 'दोनों पैर जमीन पर हैं, घुटने मुड़े हुए हैं और शरीर लगभग सीधा है। कोई भी व्यक्ति स्वाभाविक रूप से इस स्थिति में मरकर नहीं गिरता। यह साफ तौर पर पूर्वनियोजित था। सवाल यह है कि इसे किसने अंजाम दिया और उन्हें ऐसा क्यों करना पड़ा।

एआई, सोशल मीडिया और ड्रोन बने आतंकियों के नए हथियार, सुरक्षा रणनीतियों में बदलाव जरूरी: यूएनएससी

विश्व केसरी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए आतंकी हमले की 25वीं वर्षगांठ पर आतंकवाद से निपटने की रणनीतियों में बदलाव पर जोर दिया। यूएनएससी ने कहा कि आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, ड्रोन और उपग्रह जैसी नई तकनीकों का इस्तेमाल कर रहे आतंकियों से मुकाबले के लिए देशों को अपने सुरक्षा उपायों को आधुनिक बनाना होगा।

सुरक्षा परिषद ने शुक्रवार को सर्वसम्मति से अपनाए गए एक प्रेस वक्तव्य में कहा, 'सुरक्षा परिषद आतंकवाद का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है, जो अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। परिषद ने इस बात पर भी जोर दिया कि आतंकवादियों के खिलाफ रणनीतियों को भी उसी अनुरूप विकसित करना होगा। आतंकवादी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ड्रोन, उपग्रह, सोशल मीडिया और अन्य आधुनिक तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए इनसे निपटने के लिए एक प्रभावी वैश्विक तंत्र विकसित करना आवश्यक है।

फ्रांस की पहल पर आयोजित यह बैठक 2001 में अलकायदा द्वारा किए गए आतंकी हमलों की याद में बुलाई गई थी। इस दौरान अक्सर वैश्विक शक्ति संघर्षों से विभाजित रहने वाली संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने आतंकवाद के मुद्दे पर दुर्लभ एकजुटता दिखाई। सुरक्षा परिषद के सभी 15 सदस्य देशों के प्रतिनिधियों ने अमेरिका में हुए आतंकी हमलों के पीड़ितों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखा। इन हमलों में सबसे बड़ा हमला न्यूयॉर्क के मैनहट्टन स्थित वर्ल्ड ट्रेड सेंटर के ट्विन टावर्स पर हुआ था, जिसमें करीब 3,000 लोगों की मौत हुई थी।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के स्थायी प्रतिनिधि माइक वाल्ट्ज ने कहा कि सुरक्षा परिषद में शामिल हर देश किसी न किसी रूप में आतंकवाद का शिकार रहा है। शायद यही वजह है कि जिस परिषद में अक्सर लगभग हर मुद्दे पर मतभेद देखने को मिलते हैं।

ईरानी राष्ट्रपति की बेटी जहरा पहुंची ब्रिक्स बाजार, भारतीय शिल्प कला में दिखाई रुचि

विश्व केसरी

नई दिल्ली। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की बेटी जहरा और उनके पति हसन मजीदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स बाजार का दौरा किया। उन्होंने ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों की कला, शिल्प और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाती शानदार प्रदर्शनी देखी।

जहरा पेजेश्कियन और हसन मजीदी के साथ महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री अन्नपूर्णा देवी भी मौजूद थीं। इस दौरान वो विभिन्न स्टॉल्स पर मौजूद कारीगरों और शिल्पकारों से बात करती नजर आईं।

उन्होंने ब्रिक्स सदस्य और सहयोगी देशों के कई पवेलियन देखे, जिनमें भारतीय पवेलियन भी शामिल था। साथ ही, उन्होंने सभी देशों की पारंपरिक कला, शिल्प और सांस्कृतिक विरासत की झलक भी देखी।

ब्रिक्स बाजार सदस्य और सहयोगी देशों के कारीगरों, डिजाइनरों और क्रिएटिव उद्यमों को एक मंच पर लाने का प्रयास है। इसके जरिए इन देशों की विविध संस्कृतियों और रचनात्मकता से साक्षात्कार होता है। यह बाजार आने वालों को असल शिल्प, हथकरघा, टेक्सटाइल, कलाकृतियों और कई अन्य उत्पादों को देखने का मौका देता है, जो भाग लेने वाले देशों की समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं को दर्शाते हैं।

यहां ईरानी संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाले दो स्टॉल भी लगाए गए हैं, जिनमें देश की पारंपरिक कढ़ाई और हस्तशिल्प विरासत को दिखाया गया है।

ईरानी स्टॉल्स में से एक बलोची कढ़ाई को प्रदर्शित करता है। इसे नादिया करीमी ने लगाया है। बलोची कढ़ाई, जिसे स्थानीय भाषा में 'दोच' (जिसका अर्थ है सिलाई या सुई का काम) कहा जाता है, एक प्राचीन और बारीक हाथ की सिलाई वाली कला है।

ब्रिक्स समिट में खाने का खास इंतजाम, आईटीसी के 100 से ज्यादा मास्टर शेफ संभाल रहे जायका

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में चल रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में मेहमानों के खाने का खास इंतजाम आईटीसी होटल्स की तरफ से किया गया है। मीडिया सेंटर में देश-विदेश से आए पत्रकारों और मेहमानों के लिए भारतीय और ग्लोबल कुजीन परोसी जा रही है।

ब्रिक्स समिट में आईटीसी की कॉर्पोरेट शेफ मनीषा ने आईएएनएस से कहा, 'हम कई तरह के व्यंजन पेश कर रहे हैं। पिछले डेढ़ दिन से हम अपने ब्रांड्स जैसे बुखारा, दम पुख्त, दक्षिण और कबाब एंड करीज के खाने को शोकेस कर रहे हैं, ताकि हर प्रतिभागी उन्हें चख सके।'

उन्होंने कहा, 'जब हम मेन्यू बनाते हैं, क्योंकि हमें पता होता है कि पूरी दुनिया से गेस्ट आते हैं। तो इसमें हमारा इंडियन खाना तो है ही, इसके साथ-साथ चाइनीज खाना भी है, वेस्टर्न खाना भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि वे भारतीय खाना खाएंगे ही, लेकिन इसके साथ ही उनका खाना भी होना चाहिए। आज हमने जितने भी देश हैं, उनका थोड़ा-बहुत खाना शोकेस किया है।

मनीषा ने बताया कि यह उनके लिए बहुत गर्व की बात है कि इस इवेंट के लिए उन्हें चुना गया है। उन्होंने कहा, 'जी20 में भी हमने ही सर्व किया था, इसके अलावा एआई समिट में भी हमने ही सर्व किया था। अब हम ये वाला समिट भी सर्व कर रहे हैं। इसमें हमें भी एक चैलेंज मिलता है, जिसमें हम अपने देश को शोकेस करते हैं और हमारे लिए भी बड़ी गर्व की बात है कि हमें सम्मान दिया जाता है।'

उन्होंने बताया कि आईटीसी के पूरे भारत में करीब 140 होटल हैं। जब ऐसे बड़े इवेंट आते हैं, तो हर जगह से उनके एक्सपर्ट शेफ आते हैं। यहां 100 से अधिक शेफ मेन्यू हैंडल कर रहे हैं और खाना बना रहे हैं। आईटीसी होटल के एरिया शेफ राजदीप कपूर ने कहा, आइए और हमने आपको सेवा के लिए जो भारतीय खाना लाया है, उसका आनंद लीजिए।

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी अधिकारियों पर बढ़ते अत्याचारों का आरोप, मानवाधिकार संगठन ने जताई चिंता

विश्व केसरी

क्वेटा। बलूच मानवाधिकार संगठन बलूच यकजेहती कमेटी (बीवाईसी) ने पाकिस्तान के अधिकारियों पर बलूचिस्तान में सैन्यीकरण और दमन का सुनियोजित अभियान चलाने का आरोप लगाया है। संगठन का कहना है कि हिंसा और विस्थापन वहां आम नागरिकों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं।

बीवाईसी ने कहा कि सड़कों के किनारे बलूच नागरिकों के क्षत-विक्षत शवों का मिलना हिंसा की 'क्रूरता और अमानवीयता' को दर्शाता है।

संगठन ने बयान में कहा, 'बलूचिस्तान में जो हो रहा है वह अलग-अलग घटनाओं की श्रृंखला नहीं है, बल्कि सैन्यीकरण, आजीविका के विनाश, विस्थापन और नागरिक जीवन के खिलाफ हिंसा की एक सुनियोजित नीति है। क्षत-विक्षत शवों को सड़कों पर छोड़ दिया जाता है, जो हिंसा की अमानवीयता को दिखाता है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों को शवों के बीच से गुजरते हुए अपनी रोजमर्रा की जिंदगी जारी रखनी पड़ रही है। बीवाईसी ने बलूचिस्तान के मस्तुंग जिले की बिगड़ती स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि हजारों लोगों की आजीविका का आधार रहे बाग-बगीचों को कथित सरकारी नीति के तहत नष्ट किया जा रहा है, जिससे लोगों की जमीन और रोजगार दोनों खतरे में पड़ गए हैं। संगठन ने कहा, 'जब पूरी दुनिया जलवायु संकट के बीच जंगलों और जमीन को बचाने की कोशिश कर रही है, तब यहां पेड़ों को काटा जा रहा है।'

बीवाईसी ने आरोप लगाया कि मस्तुंग के शोर पारोद इलाके में स्थानीय समुदायों को पूरी तरह विस्थापित करने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं। संगठन के अनुसार यह केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि जमीन, पानी, पशुधन, आजीविका और पीढ़ियों से भूमि से जुड़े रिश्ते को खत्म करने की प्रक्रिया है।

पीएम मोदी ने जी20 में अफ्रीकी संघ को दिलाई स्थायी सदस्यता ग्लोबल साउथ को बनाया मुख्य भागीदार : दक्षिण अफ्रीकी पत्रकार

विश्व केसरी

नई दिल्ली। दिल्ली के भारत मंडपम में हो रहे 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दुनिया के पत्रकार भारत की भूमिका और सम्मेलन के महत्व पर अपनी राय रख रहे हैं। कई पत्रकारों ने कहा कि भारत ने ग्लोबल साउथ की आवाज को दुनिया के सामने मजबूती से रखा है।

साउथ अफ्रीका के द नेशनल मीडिया ग्रुप के पत्रकार सियाबोंगा गुडमैन ने ब्रिक्स समिट पर आईएएनएस से कहा, 'मैं यह कहकर शुरू करना चाहूंगा कि, अगर आपको याद हो, 2023 में जब भारत जी20 की अध्यक्षता कर रहा था, तब प्रधानमंत्री मोदी ही थे जिन्होंने अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्य के रूप में शामिल करने के लिए जी20 को आगे बढ़ाया था। तो, इस नजरिए से, मुझे लगता है कि एक दक्षिण अफ्रीकी और एक अफ्रीकी के रूप में, मैं इस नजरिए से काम करता हूं कि भारत ने वास्तव में यह सुनिश्चित करने के लिए, नेतृत्व किया है कि ग्लोबल साउथ के समुदाय और देश बहुपक्षीय समुदाय में प्रमुख भागीदार बनें। लेकिन अब, जब ब्रिक्स की बात आती है और जो बातचीत हो रही है, फिलहाल, वैश्विक स्तर पर, हम एकध्रुवीय दुनिया से आगे बढ़ने की बात कर रहे हैं।

हम में से कई लोग ब्रिक्स को एक संस्था के रूप में देखते हैं। नाइजीरिया के लीडरशिप न्यूजपेपर में डिप्लोमैटिक डेस्क के प्रमुख ओदोह इनोसेंट ने नाइजीरिया और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार पर कहा, 'नाइजीरिया और भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार बहुत प्रभावशाली रहा है।

कुछ साल पहले, हमारे बीच लगभग 27 अरब डॉलर का व्यापार था, लेकिन यह घटकर अभी लगभग 14.9 अरब डॉलर रह गया है। लेकिन क्योंकि अब हमारे भारत के साथ अधिक मजबूत संबंध हैं, हम इसे वापस मूल 27 अरब और उससे अधिक तक ले जा रहे हैं।

भारतीय नौसेना के 'आईएनएस सुदर्शनी' ने की इतालवी नौसेना प्रमुख की मेजबानी, भारत-इटली समुद्री संबंधों को मिली मजबूती

विश्व केसरी

रोम। भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत 'आईएनएस सुदर्शनी', चल रहे ट्रांसोसेनिक अभियान 'लोकायन 2026' के हिस्से के रूप में इटली के लिवोर्नो में मौजूद है। यहां शुक्रवार को इतालवी नौसेना के प्रमुख एडमिरल ग्यूसेप बेरूटी बरगोट्टो ने दौरा किया। उन्होंने क्रू और कैडेट्स से बातचीत भी की।

रोम स्थित भारतीय दूतावास ने शनिवार रात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'लिवोर्नो में ठहरने के दौरान 'आईएनएस सुदर्शनी' को इतालवी नौसेना के प्रमुख, एडमिरल ग्यूसेप बेरूटी बरगोट्टो की मेजबानी करना बड़े सम्मान मिला। उन्हें जहाज की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने क्रू और कैडेट्स से बातचीत भी की। यह मुलाकात भारत और इटली के बीच बढ़ते समुद्री सहयोग और पुरानी दोस्ती को दिखाती है।'

भारतीय दूतावास के अनुसार, इतालवी नौसेना के अन्य कई अधिकारियों ने भी 'आईएनएस सुदर्शनी' का दौरा किया। दूतावास ने पोस्ट में लिखा, 'इटली के लिवोर्नो में 'आईएनएस सुदर्शनी' के ठहरने से नौसेना के संबंध मजबूत हुए। इतालवी नौसेना के अधिकारियों, कैडेट्स और नाविकों ने 'आईएनएस सुदर्शनी' का दौरा किया। भारतीय नौसेना कर्मियों की ओर से आईटीएस वर्जिनियो फासन और इतालवी नौसेना अकादमी के दौरे से पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा मिला और उनके कार्यक्रम समृद्ध हुए।

भारतीय नौसेना का नौकायन प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शनी 9 सितंबर को इटली के लिवोर्नो पहुंचा। तैनाती के दौरान पोत ने 10 देशों में 17,400 समुद्री मील से अधिक की दूरी तय की। आईएनएस सुदर्शनी ने लिवोर्नो जाते समय भूमध्य सागर में इतालवी नौसेना के नौकायन प्रशिक्षण पोत आईटीएस पालिनुरो के साथ एक मार्ग अभ्यास किया। इस संयुक्त अभ्यास में समन्वित कौशल और पाल-संचालन अभ्यास शामिल थे। इससे दोनों नौकायन जहाजों के चालक दल को एक-दूसरे से परस्पर बातचीत करने और पेशेवर विशेषज्ञता का आदान-प्रदान करने का अवसर मिला।

भारी बरसात से निचले बस्ती में नागरिक परेशान

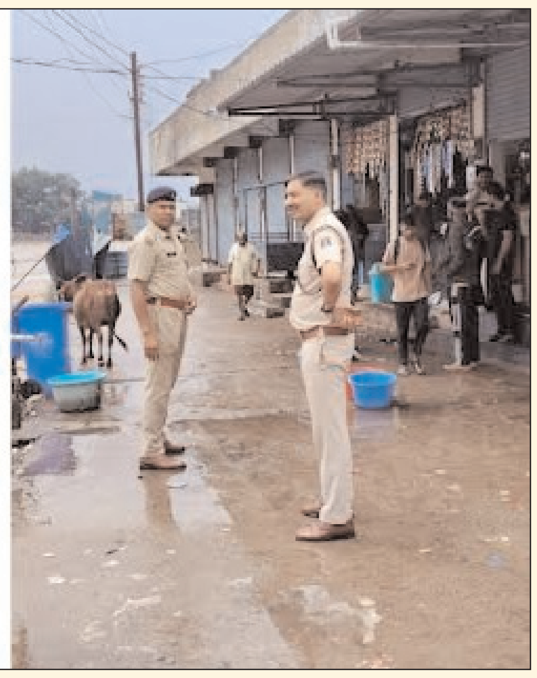

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। निरंतर तीन दिनों से जिला में हो रही भारी बरसात से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है।नगर के बीच से बहने वाले दूध नदी की पानी भी उफान पर है।नगर में दूध नदी पर निर्मित स्टाफ डेम में पूरी तरह पानी से डूब गया है।राजापारा से नागरिक जिस स्टाफ डेम का उपयोग कर नगर के दूसरे हिस्सों में आना जाना करते थे अब वे इस स्टाफ डेम के बदले घूम कर आना जाना करने पर विवश है।

नगर के निचले बस्तियों में पानी भरा हुआ है।इस भारी बरसात से सबसे अधिक नुकसान गरीब परिवारों को होता है जो मिट्टी के मकान में रहते है।कभी भी उनके मकान ढह जाने की खतरा बनी रहती है।

नदी के उफान और भारी बरसात को देखते हुए एहतियात के तौर पर पुलिस प्रशासन ने नदी के किनारे से आवाजाही को रोकने के लिए और नदी के किनारे पर जाकर फोटो और रील बनाने को रोकने हेतु नदी से 10 फुट की दूरी पर रस्सी लगा दिया है ताकि कोई रस्सी के उस पार न जा सके।

इधर शहर में नगर पालिका के अध्यक्ष अरुण कौशिक और नगर पालिका के सफाई कर्मियों ने दिलीप साहू के नेतृत्व में सफाई कार्य में तेजी कर दिया है ताकि गंदगी के कारण पानी का बहाव में कोई रुकावट न आए। नगर पालिका अध्यक्ष की देख रख में निचली बस्तियों का भी दौरा किया गया है और नागरिकों को आश्वस्त किया गया कि प्रशासन पूरी तरह से स्थिति का मुकाबला करने हेतु मुस्तैद है। इधर जिला के ग्रामीण इलाकों में भी पानी से लबालब है।

आतुर गांव सहित नदी के किनारे के गांव के नागरिक बाढ़ होने की चिंता से चिंतित है।हालांकि अभी ऐसी कोई स्थिति निर्मित नहीं हुई है। सभी प्रशासनिक अमले और जनप्रतिनिधि स्थिति के प्रति सजग है। सुबह अचानक दूध नदी में पानी उफान पर आ जाने के बाद वार्ड पार्षद मतीन खान एकदम सक्रिय हो गए और नदी किनारे सभी मलवा को स्वयं उपस्थित होकर सफाई कराते हुए दिखे।

देवगांव-आमपारा मार्ग, स्कूली बच्चों की बढ़ी परेशानी

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़: अंतागढ़ क्षेत्र के देवगांव स्कूल पारा से आमपारा जाने वाले मार्ग पर पुलिया नहीं होने के कारण ग्रामीणों और स्कूली बच्चों को लंबे समय से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर बारिश के दिनों में नाले में पानी का बहाव बढ़ने से मार्ग पूरी तरह बाधित हो जाता है। ऐसी स्थिति में स्कूली बच्चों को नाला पार कर स्कूल आने-जाने के लिए मजबूर होना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।

स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार, मार्ग की इस समस्या से शासन-प्रशासन को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक यहां पुलिया निर्माण की दिशा में ठोस पहल नहीं हो सकी है। बारिश कम होने के बाद ग्रामीण अपने स्तर पर आपसी सहयोग से रास्ते को आवागमन योग्य बनाते हैं, लेकिन प्रत्येक वर्ष बारिश के मौसम में समस्या फिर जस की तस हो जाती है। इस संबंध में ग्रामीण अशोक कावडे ने कहा कि पुलिया नहीं होने के कारण ग्रामीणों के साथ सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को उठानी पड़ती है। बारिश के दौरान नाले में पानी का स्तर बढ़ने से बच्चों के लिए स्कूल पहुंचना मुश्किल हो जाता है।वहीं आम आदमी पार्टी के जिला महासचिव एवं विधानसभा अंतागढ़ प्रभारी शिव पोटाई ने कहा कि स्कूली बच्चों और ग्रामीणों की सुरक्षा से जुड़ी इस समस्या को शासन-प्रशासन को गंभीरता से लेना चाहिए। नाला पार करते समय किसी भी समय अप्रिय घटना हो सकती है। उन्होंने संबंधित विभाग से तत्काल स्थल का निरीक्षण कर देवगांव स्कूल पारा से आमपारा मार्ग पर आवश्यक पुलिया निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने और जल्द निर्माण कार्य शुरू कराने की मांग की। आम आदमी पार्टी ने कहा कि पुलिया बनने से बारिश के दिनों में आवागमन सुचारु होगा, स्कूली बच्चों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी और ग्रामीणों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सकेगी।

सीमावर्ती थानों का एसपी ने किया आकस्मिक निरीक्षण

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। जिले में कानून व्यवस्था मजबूत करने, अपराध नियंत्रण और अंतरराज्यीय सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बीजापुर उमेश प्रसाद गुप्ता ने 11 सितंबर को तेलंगाना सीमा से लगे थाना तारलागुड़ा एवं भद्राकाली का आकस्मिक भ्रमण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने थानों में तैनात पुलिस एवं सुरक्षा बल के जवानों से मुलाकात कर उनकी कुशलक्षेम जानी तथा समस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने थानों के दैनिक कार्यों, रोजनामचा, अपराध पंजी, मालखाना, शस्त्रागार और हवालात का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारियों एवं विवेचकों को लंबित अपराध, शिकायत, मर्ग एवं गुमशुदगी के मामलों का समय-सीमा में निराकरण करने तथा न्यायालय में शीघ्र चालान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अंतरराज्यीय सीमा पर नियमित सघन चेकिंग, संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी और अवैध तस्करी पर प्रभावी रोक लगाने के निर्देश दिए। साथ ही तेलंगाना पुलिस के साथ बेहतर समन्वय, आम नागरिकों से मित्रवत व्यवहार और क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने पर जोर दिया।

बकावंड ब्लॉक में मूसलाधार बारिश, डूबा रपटा

विश्व केसरी

बकावंड (अर्जुन कुमार झा)। बस्तर जिले के बकावंड ब्लॉक में हुई झमाझम बारिश के बाद जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। करपावंड से जैबेल को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पेटपुली नदी के उफान पर आने से पूरी तरह बंद हो गई है। नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है, जिससे दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है और आने-जाने वाले राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि करपावंड-जैबेल मार्ग की पेटपुली नदी पर ऊंचा पुल नहीं बनाया गया है, बल्कि एक छोटे से रपटे से काम चलाया जा रहा है। हल्की बारिश में भी नदी का जलस्तर बढ़ते ही यह मार्ग बंद हो जाता है। कल देर शाम से हो रही लगातार बारिश के कारण नदी में भयंकर बाढ़ आ गई है। सुबह से ही स्कूल जाने वाले बच्चे, अस्पताल जा रहे मरीज, दफ्तर जाने वाले कर्मचारी और बाजार जा रहे किसान नदी के दोनों किनारों पर फंसे हुए हैं। कई लोग जान जोखिम में डालकर पानी के बीच से निकलने की कोशिश करते दिखाई दिए।

ग्रामीणों की प्रशासन से गुहार

ग्रामीण ने कहा कि हर साल बरसात में 3-4 महीने यही हाल रहता है। हम कई बार जनपद, कलेक्टर और लोक निर्माण विभाग को आवेदन दे चुके हैं कि यहां ऊंचा पुल बनाया जाए, लेकिन आज तक सुनवाई नहीं हुई। करपावंड, जैबेल, के हजारों लोगों की यही एकमात्र मुख्य सड़क है। ग्रामीणों ने बस्तर जिला प्रशासन से मांग की है कि पेटपुली नदी पर तत्काल ऊंचा पुल निर्माण स्वीकृत किया जाए और जब तक पुल नहीं बनता, तब तक वैकल्पिक व्यवस्था की जाए। सूचना के बाद भी मौके पर न तो लोक निर्माण विभाग का कोई अधिकारी पहुंचा है और न ही राजस्व विभाग की टीम। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द सड़क चालू नहीं हुई और पुल का प्रस्ताव नहीं बना तो वे चक्काजाम करने को मजबूर होंगे।

प्रशिक्षण से आत्मनिर्भरता तक, उषा बनीं साथी कार्यकर्ताओं की तकनीकी मददगार

विश्व केसरी

बीजापुर (नवीन दुर्गम)। सीखने की लगन और दूसरों की मदद करने के जज्बे ने नेलसनार सेक्टर की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता उषा तेलामी को साथी कार्यकर्ताओं के लिए तकनीकी सहयोगी बना दिया है। नेलसनार-1 आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यरत उषा प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की सेक्टर मास्टर ट्रेनर के रूप में ऑनलाइन प्रक्रिया में कार्यकर्ताओं की मदद कर रही हैं।

प्रशिक्षण के दौरान उषा ने योजना की पात्रता, ऑनलाइन पंजीयन, आवेदन और लाभार्थियों की जानकारी दर्ज करने की प्रक्रिया में दक्षता हासिल की। इसके बाद उन्होंने अपनी जानकारी को साथी कार्यकर्ताओं के साथ साझा करना शुरू किया।

पीएमएमवीवाय फॉर्म भरने अथवा ऑनलाइन प्रक्रिया में तकनीकी परेशानी आने पर कार्यकर्ता उषा से सहयोग लेती हैं। अब तक वह पांच से अधिक फॉर्म भरने में मदद कर चुकी हैं। सेक्टर बैठकों में भी वह अपने अनुभव साझा कर शंकाओं का समाधान करती हैं।

उषा की पहल से कार्यकर्ताओं में तकनीकी आत्मविश्वास बढ़ा है और योजनाओं का लाभ हितग्राहियों तक पहुंचाने की प्रक्रिया अधिक सुगम हुई है।

दूरस्थ अंचलों में कलेक्टर ने किया अस्पताल स्कूल और छात्रावासों का सघन निरीक्षण

विश्व केसरी

कांकेर (सीताराम शर्मा)। कलेक्टर कुन्दन कुमार ने शुक्रवार को जिले के दूरस्थ अंचल दुर्गूकोंदल एवं बड़गांव क्षेत्र का सघन दौरा कर अस्पताल, स्कूल, छात्रावास एवं निर्माणाधीन विकास कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थाओं में मरीजों के उपचार, चिकित्सा सुविधाओं, संस्थागत प्रसव एवं स्वच्छता व्यवस्था की जानकारी ली। वहीं स्कूलों में पठन-पाठन, शिक्षा की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं शौचालय सुविधाओं का जायजा लेते हुए विद्यार्थियों से रू-ब-रू चर्चा कर शिक्षा की गुणवत्ता परखी। छात्रावासों में बच्चों को मिलने वाले भोजन, स्वच्छता एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की जानकारी लेकर संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाएं बेहतर रखने के निर्देश दिए।

दुर्गुकोंदल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण

कलेक्टर ने दुर्गुकोंदल के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के विभिन्न वार्डों, पंजीयन कक्ष, दवाई वितरण कक्ष, एनसीडी स्क्रीनिंग कक्ष एवं एक्स-रे कक्ष का निरीक्षण किया तथा मरीजों के उपचार एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान प्री-मैट्रिक कन्या छात्रावास की छात्राएं स्वास्थ्य परीक्षण के लिए अतिथि शिक्षिका प्रियंका बगमरिया के साथ अस्पताल पहुंची थीं। कलेक्टर ने छात्राओं से बातचीत की और उन्हें कविता सुनाने के लिए कहा। छात्राओं द्वारा कविता सुनाए जाने पर उन्होंने उनका उत्साहवर्धन किया। अस्पताल के वार्डों का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने, खराब सोलर पैनल लाइट को दुरुस्त कराने तथा पेयजल व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। अस्पताल के प्रवेश द्वार के समीप लगे नल की टोंटी से पानी व्यर्थ बहता देखकर उन्होंने तत्काल उसे स्वयं बंद कर पानी बचाने का संदेश दिया।

14 सितंबर को देवनी डोकरी मंदिर में मनाया जाएगा नया खाई

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। अंतागढ़ परगना की आराध्य देवी गणपतिन देवनी डोकरी मंदिर में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी नया खाई (बाल पर्व) का आयोजन 14 सितंबर, सोमवार को श्रद्धा एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया जाएगा।

नया खाई (बाल पर्व) में अंतागढ़ परगना के 47 गांवों से मांझी, दीवान, गायता, पुजारी, पटेल, देवसेवाकारी, बाबा कोसर्राय, बाबा चुंगादेव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। इस दौरान परगना की पारंपरिक धार्मिक मान्यताओं और रीति-रिवाजों के अनुसार आराध्य देवी की पूजा-अर्चना की जाएगी। आयोजन को लेकर देव समिति अंतागढ़ परगना द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

समिति ने अंतागढ़ परगना के सभी गांवों के पदाधिकारियों, देवसेवाकारियों एवं श्रद्धालुओं से नया खाई (बाल पर्व) में शामिल होकर परंपरा और आस्था के इस पर्व में सहभागी बनने की अपील की है। देव समिति अंतागढ़ परगना ने बताया कि यह आयोजन क्षेत्र की वर्षों पुरानी धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

स्कूल में शिक्षक बोधन साहू का भव्य सम्मान बच्चो को बाटे टीशर्ट, कराया न्यौता भोज

विश्व केसरी

चारामा (संदीप मेश्राम)। शिक्षक दिवस पर लोकभवन मंडपम रायपुर में शिक्षक बोधन लाल साहू को राज्य शिक्षक सम्मान मिलने पर शासकीय हाईस्कूल चिनौरी में शिक्षक के सम्मान के लिए भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष जागेश्वरी भास्कर,सरपंच यशराज कोड़ोपी, उपसरपंच कामता प्रसाद सिन्हा, विकासखंड शिक्षा अधिकारी केशव साहू, खंड स्त्रोत समन्वयक के के गंजीर, प्राचार्य सुशीला गढ़पाले, आर डी प्रजापति प्राचार्य खरथा, हरिचन्द्र पोटाई प्राचार्य अरौद, संकुल समन्वयक दिनेश साहू, प्रधानपाठक बीरबल गढ़पाले, मोहन जायसवाल,साहू समाज के पदाधिकारी रघुनंदन साहू, भागीराम साहू, पिता धन्नूराम साहू एवं माता कुमारी बाई साहू अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

स्वागत उदबोधन में प्राचार्य सुशीला गढ़पाले जी ने आए हुए अतिथियों का स्वागत अभिनंदन करते हुए कहा कि यह हमारे स्कूल, गांव, विकासखंड एवं जिला के लिए गर्व की बात है कि हमारे विद्यालय के शिक्षक को राज्य स्तर का सम्मान मिला है जिससे हमारे विद्यालय का नाम रोशन हुआ है, विकासखंड शिक्षा अधिकारी केशव साहू ने कहा कि जिस तरह से शिक्षक ने विद्यालय का मान बढ़ाया है वैसे ही इस विद्यालय के बच्चे बोर्ड परीक्षा में प्रवीण्य सूची में जगह बनाए और स्कूल का नाम रोशन करे ,खंड स्त्रोत समन्वयक के के गंजीर ने कहा सम्मान ऐसे नहीं मिलता उसके लिए बहुत मेहनत और संघर्ष करना पड़ता है ,सभी बच्चों को अपने शिक्षकों को देखकर सिख लेनी चाहिए जिससे अपने और अपने परिवार का नाम रोशन हो सके, साहू समाज के पदाधिकारी रघुनंदन साहू ने कहा कि यह हमारे समाज के लिए गौरव की बात है जिन्होंने समाज के साथ साथ परिवार का नाम रोशन किया है।

जनपद अध्यक्ष जागेश्वरी भास्कर ने कहा कि शिक्षक अपने परिश्रम के द्वारा अपने मंजिल तक पहुंचा है इसके लिए वह लगातार रचनात्मक कार्य करते रहे। शिक्षक बोधन लाल साहू ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सम्मान मेरा नहीं बल्कि विद्यालय एवं गांव का सम्मान है , बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हमेशा काम करता रहूंगा द्य विद्यालय के सभी बच्चों के लिए 72 टी शर्ट भेट किए है, साथ ही समस्त स्टाफ के लिए उपहार भेंट किए,एवं अतिथियों को स्मृति चिन्ह दिया गया तथा शाला परिवार की ओर से शिक्षक का सम्मान किया गया, शासकीय हाईस्कूल चिनौरी के समस्त बच्चों एवं अतिथियों के लिए न्यौता भोज रखा गया था ,इस कार्यक्रम का सफल संचालन लक्ष्मी नरायण विश्वकर्मा एवं आभार चेतन जैन द्वारा किया गया इस कार्यक्रम में मदन जैन, हीरामन साहू,सुरेश प्रधान,रानू योगी, योगिता ओट्टी, कुसुमलता निषाद, ओम प्रकाश रात्रे, अनुराधा ठाकुर, भोज सलाम,यामिनी साहू, हरिश्चंद साहू , मेकराम साहू, यशपाल घोनमोड़े, धर्मेन्द्र कुमार,ग्रामीणजन, संगठन एवं समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

साइबर ठगी से बचाव के लिए विद्यार्थियों को किया जागरूक

विश्व केसरी

अंतागढ़ (डम्पी खान)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोदागांव में 8 सितंबर 2026 को साइबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सशस्त्र सीमा बल के अधिकारियों ने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को बढ़ते साइबर अपराध और ऑनलाइन ठगी से बचाव के विभिन्न उपायों की विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में मोबाइल, इंटरनेट, ऑनलाइन बैंकिंग, सोशल मीडिया और डिजिटल भुगतान का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इसी के साथ साइबर अपराधी भी लोगों को अपने जाल में फंसाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को फर्जी फोन कॉल, मैसेज, लिंक, ऑनलाइन ऑफर, केवाईसी अपडेट, बैंक अधिकारी बनकर की जाने वाली ठगी तथा सोशल मीडिया के माध्यम से होने वाले साइबर अपराधों के प्रति सावधान किया। विद्यार्थियों को विशेष रूप से समझाया गया कि ओटीपी, एटीएम पिन, पासवर्ड, बैंक खाते की जानकारी और अन्य गोपनीय जानकारी किसी अनजान व्यक्ति के साथ साझा नहीं करनी चाहिए। अनजान लिंक पर क्लिक करने तथा संदिग्ध एप्लीकेशन डाउनलोड करने से भी बचने की सलाह दी गई। साइबर ठगी होने की स्थिति में तत्काल इसकी सूचना संबंधित विभाग, पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन को देने के लिए भी जागरूक किया गया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य बीरेन्द्र कुमार पोर्ते ने विद्यार्थियों को साइबर सुरक्षा के प्रति सजग रहने का संदेश दिया।

2033 तक भारत की स्पेस इकोनॉमी 4.22 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है: रिपोर्ट

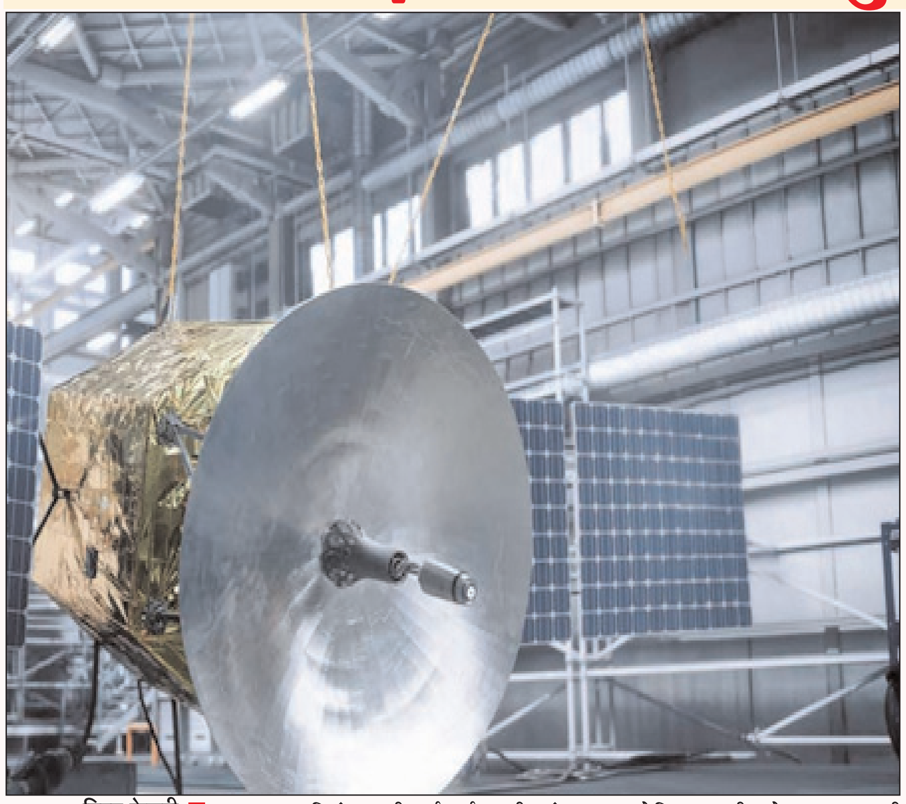

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नीतिगत सुधारों, निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी और अंतरिक्ष आधारित सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण भारत की स्पेस इकोनॉमी 2033 तक बढ़कर 4.22 लाख करोड़ रुपए (44 अरब डॉलर) तक पहुंच सकती है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

ईवाई और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस) के जरिए किए गए सुधारों और न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) की भूमिका ने सरकारी नेतृत्व वाले अंतरिक्ष कार्यक्रम से अधिक उद्योग-केंद्रित इकोसिस्टम की ओर बदलाव की नींव रखी है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अनुमानित वृद्धि हासिल करने के लिए अगले 7-8 वर्षों में सरकारी एजेंसियों, उद्योग, स्टार्टअप्स, निवेशकों, अकादमिक संस्थानों और रणनीतिक उपयोगकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा।

देश के स्पेस सेक्टर को तेजी से बढ़ाने के लिए रिपोर्ट में कार्रवाई के लिए छह प्रमुख प्राथमिक क्षेत्रों की पहचान की गई है, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में अंतरिक्ष आधारित एप्लिकेशन के इस्तेमाल को बढ़ाना, घरेलू मैन्युफैक्चरिंग और लॉन्च क्षमता को मजबूत करना, नियामकीय और वित्तीय माहौल में सुधार, व्यावसायिक इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए सरकारी मांग का लाभ उठाना, रक्षा और रणनीतिक अंतरिक्ष क्षमताओं को मजबूत करना और भारत को वैश्विक स्पेस पार्टनर और स्पेस एक्सपोर्ट हब के रूप में स्थापित करना शामिल हैं।

इसके अलावा, पूरी स्पेस वैल्यू चेन में सैटेलाइट मैन्युफैक्चरिंग, लॉन्च व्हीकल, प्रोपल्शन सिस्टम और एवियोनिक्स जैसी अपस्ट्रीम गतिविधियां शामिल हैं।

इसके बाद मिडस्ट्रीम सेगमेंट में ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर और सैटेलाइट ऑपरेशंस आते हैं, जबकि डाउनस्ट्रीम एप्लिकेशंस में अर्थ ऑब्जर्वेशन (ईओ), सैटेलाइट कम्युनिकेशन, नेविगेशन सेवाएं और जियोस्पेशियल एनालिटिक्स शामिल हैं।

सीआईआई नेशनल कमेटी ऑन स्पेस के चेयरमैन मल्लावरपु अप्पाराव ने कहा कि भारत का स्पेस सेक्टर वैज्ञानिक खोज के कार्यक्रम से आगे बढ़कर सैटेलाइट आधारित सेवाओं और एप्लिकेशंस से समर्थित इनोवेशन-ड्रिवन इकोनॉमी बन गया है।

ईवाई इंडिया में एयरोस्पेस, डिफेंस एंड स्पेस के पार्टनर सीडीआर गौतम नंदा ने कहा कि विकास के अगले चरण के लिए औद्योगिक क्षमता बढ़ाना, तकनीकों का व्यावसायीकरण करना, सप्लाई चेन मजबूत करना और सैटेलाइट से मिलने वाले डेटा को व्यावसायिक, सार्वजनिक और रणनीतिक क्षेत्रों के लिए उपयोगी सेवाओं में बदलना महत्वपूर्ण होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, डाउनस्ट्रीम स्पेस एप्लिकेशन कृषि, लॉजिस्टिक्स, आपदा प्रबंधन, इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग, जलवायु परिवर्तन से निपटने और शासन व्यवस्था में तेजी से मदद कर रहे हैं। ये एप्लिकेशन सुरक्षित संचार और समुद्री क्षेत्र की निगरानी के जरिए भारत की रक्षा क्षमताओं को भी मजबूत कर रहे हैं।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि स्पेस इकोनॉमी से ज्यादा आर्थिक मूल्य हासिल करने के लिए सैटेलाइट डेटा का व्यापक इस्तेमाल, बेहतर डेटा एनालिटिक्स क्षमता, कुशल प्रतिभाओं और आपस में जुड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म को बढ़ावा देना जरूरी होगा।

रोज करें भुजंगासन, कमर दर्द और तनाव से मिलेगा छुटकारा, बढ़ेगी शरीर की लचक

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। नियमित रूप से योग करने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मन शांत और एकाग्र भी बनता है। इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में से एक है भुजंगासन। यह न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, बल्कि पूरे शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी करता है।

भुजंग का अर्थ है सांप और आसन का अर्थ मुद्रा। इस आसन में शरीर की आकृति फन फैलाए हुए सांप के समान होती है, इसलिए इसे भुजंगासन या कोबरा पोज कहते हैं। यह आसन दिखने में जितना सरल लगता है, इसके फायदे भी उतने ही चमत्कारी होते हैं।

'भुजंगासन' को 'कोबरा पोज' या फिर 'सर्पासन' के नाम से भी जाना जाता है। इसे सूर्य नमस्कार के 12 आसनों में से आठवां स्थान प्राप्त है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को मजबूत और स्वस्थ बनाने में काफी मददगार है। इस आसन के अभ्यास से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर में लचीलापन बढ़ता है। साथ ही यह आसन तनाव घटाने, पेट की जिद्दी चर्बी पिघलाने और कब्ज जैसी पाचन परेशानियों को जड़ से खत्म करने में मददगार हो सकता है।

पीठ दर्द, साइटिका और श्वसन तंत्र की दिक्कतों से छुटकारा दिलाने वाला यह योग हर उम्र के लिए वरदान है।

यह आसन तनाव को कम , चर्बी घटाने और कब्ज दूर करने सहायक है। साथ ही यह पीठ दर्द व श्वसन नली से संबंधित समस्याओं को दूर करता है। इसको करने से शरीर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे चेहरे पर चमक आती है और त्वचा निखरती है। शरीर में ऊर्जा और ताजगी बनी रहती है।

पीठ दर्द, हाल की सर्जरी, रीढ़ की गंभीर समस्या या मासिक धर्म के दौरान यह आसन न करें। डॉक्टर से सलाह लें। योग अपनाकर हम स्वस्थ और खुशहाल जीवन जी सकते हैं।

भारत में एथेनॉल आपूर्ति 895 करोड़ लीटर पहुंची, अनाज-आधारित स्रोतों की हिस्सेदारी करीब 70 प्रतिशत: इंडस्ट्री डेटा

विश्व केसरी ■

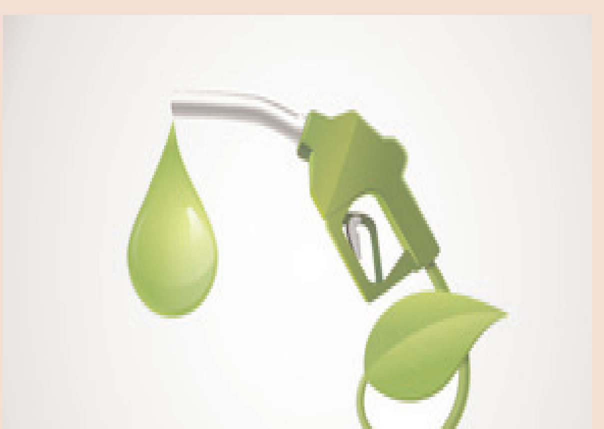

नई दिल्ली। ऑल इंडिया डिस्टिलर्स एसोसिएशन (एआईडीए) द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत ने एथेनॉल सप्लाई ईयर (ईएसवाई) 2025-26 के तहत अगस्त 2026 के अंत तक 895 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति की है, जिसमें अनाज-आधारित फीडस्टॉक का हिस्सा कुल आपूर्ति का लगभग 70 प्रतिशत है।

आंकड़ों के अनुसार, यह इस अवधि के लिए अनुबंधित 1,048 करोड़ लीटर मात्रा का लगभग 85 प्रतिशत है।

एआईडीए के अनुसार, देश की एथेनॉल आपूर्ति व्यवस्था में अब विविधता बढ़ रही है और उत्पादन किसी एक कच्चे माल पर निर्भर नहीं रह गया है। कुल आपूर्ति में अनाज-आधारित फीडस्टॉक का योगदान 624 करोड़ लीटर रहा, जबकि चीनी-आधारित स्रोतों से 271 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई। इस तरह कुल आपूर्ति में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सेदारी अनाज-आधारित स्रोतों की रही।

अनाज-आधारित कच्चे माल में मक्का (मकई) सबसे बड़ा योगदानकर्ता बनकर उभरा। अगस्त के अंत तक मक्का से 345 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति की गई। इसके अलावा, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) से प्राप्त अधिशेष चावल से 214 करोड़ लीटर एथेनॉल का उत्पादन हुआ, जबकि क्षतिग्रस्त खाद्यान्नों से 64 करोड़ लीटर एथेनॉल तैयार किया गया।

एआईडीए ने कहा कि मक्का और अधिशेष चावल के बढ़ते उपयोग से एथेनॉल उत्पादन क्षमता को स्थिरता मिल रही है और इससे ऊर्जा सुरक्षा के साथ-साथ किसानों के लिए भी नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

चीनी-आधारित स्रोतों में गन्ने के रस से सबसे अधिक 149 करोड़ लीटर एथेनॉल की आपूर्ति हुई। इसके अलावा, बी-हेवी शीरे से 107 करोड़ लीटर और सी-हेवी शीरे से 15 करोड़ लीटर एथेनॉल उपलब्ध कराया गया।

एआईडीए का कहना है कि विभिन्न स्रोतों से एथेनॉल उत्पादन बढ़ने से आपूर्ति शृंखला अधिक लचीली बनी है और किसी एक फसल या कच्चे माल पर निर्भरता कम हुई है।

एआईडीए की उपमहानिदेशक भारती बालाजी ने कहा कि अब तक आपूर्ति किए गए 895 करोड़ लीटर एथेनॉल में लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अनाज-आधारित स्रोतों से आया है, जिसमें मक्का और एफसीआई का अधिशेष चावल प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, चीनी आधारित स्रोत भी अभी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

उन्होंने कहा कि विभिन्न फीडस्टॉक का उपयोग भारत के एथेनॉल कार्यक्रम को अधिक मजबूत बनाता है, क्योंकि इससे देश की कृषि उपज का बेहतर उपयोग संभव होता है और उत्पादन जोखिम भी कम होता है।

हालांकि एआईडीए ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे देश में एथेनॉल उत्पादन क्षमता और आपूर्ति बढ़ेगी, वैसे-वैसे इसके लिए स्थिर और अनुमानित मांग सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा। उद्योग का मानना है कि आने वाले वर्षों में यह मुद्दा और महत्वपूर्ण हो जाएगा।

नोएडा : मौसमी बदलाव के बीच स्वाइन फ्लू का खतरा बरकरार, 24 घंटे में 48 नए मरीज मिले, कुल संख्या 365 पहुंची

विश्व केसरी ■

नोएडा। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव के बीच जिले में स्वाइन फ्लू का खतरा अभी कम नहीं हुआ है। तापमान में उतार-चढ़ाव और बदलते मौसम के बीच स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में स्वाइन फ्लू के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

स्वास्थ्य विभाग की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक पिछले 24 घंटे में जिले में स्वाइन फ्लू के 48 नए मरीज सामने आए हैं। नए मामलों के सामने आने के बाद जिले में अब तक स्वाइन फ्लू से संक्रमित पाए गए मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 365 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार वर्तमान में जिले में 99 मरीज सक्रिय हैं। इन सभी मरीजों को चिकित्सकीय निगरानी में रखते हुए आइसोलेशन में इलाज किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से मरीजों की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और जरूरत के अनुसार अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था की जा रही है। स्वाइन फ्लू के लगातार बढ़ते मामलों को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से बदलते मौसम के दौरान विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक मौसम में बदलाव के दौरान वायरल संक्रमण तेजी से फैल सकता है। ऐसे में सर्दी, खांसी, गले में खराश, बुखार, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षणों को सामान्य वायरल समझकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासतौर पर बुजुर्गों, छोटे बच्चों और पहले से किसी बीमारी से पीड़ित लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से लोगों को भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचने, खांसते या छींकते समय मुंह और नाक को ढकने तथा हाथों की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने की सलाह दी जा रही है।

किसी व्यक्ति में फ्लू जैसे लक्षण दिखाई देने पर उसके संपर्क में आने से बचने और चिकित्सकीय सलाह लेने पर भी जोर दिया जा रहा है।

अधिकारियों का कहना है कि स्वाइन फ्लू के मरीजों की पहचान और उपचार के लिए स्वास्थ्य विभाग की निगरानी जारी है।

शरीर को लचीला और मन को शांत बनाता है हलासन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। व्यस्त दिनचर्या और तनाव के कारण रीढ़ की हड्डी और पाचन संबंधित समस्याएं आम हो गई हैं। ऐसे में योगासन और सही खान-पान शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक बेहतर उपाय हो सकता है। योग के विभिन्न आसनों में 'हलासन' कई समस्याओं का एक अचूक और प्राकृतिक समाधान है।

'हलासन', हल शब्द से लिया गया है। हल यानी खेती के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला औजार, जैसे की हर खेत को बीज बोने के लिए तैयार करता है, ठीक उसी तरह हलासन शरीर और दिमाग को गहरी कायाकल्प के लिए तैयार करता है।

आयुष मंत्रालय ने हलासन को उन्नत योगासन बताया है। उनके अनुसार, हलासन के नियमित अभ्यास से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य में व्यापक सुधार देखने को मिलता है। यह आसन गर्दन, कंधे, पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

इसी के साथ ही, यह रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाने, थायरॉयड ग्रंथि को उत्तेजित करने, पाचन में सुधार करने और तनाव व थकान को कम करने में अत्यधिक फायदेमंद होता है।

इसे नियमित रूप से करने पर त्वचा में चमक देखने को मिल सकता हैं। हलासन में शरीर का निचला हिस्सा ऊपर की ओर जाता है और पैरों को सिर के पीछे जमीन पर टिकाने की कोशिश की जाती है। इस स्थिति में शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बदल जाता है, जो चेहरे के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है।

यह आसन दिखने में थोड़ा कठिन भले ही होता है, लेकिन इसे करना बहुत आसान होता है। यह न सिर्फ शरीर में लचीलापन बढ़ाता है, बल्कि पाचन, रीढ़ की हड्डी और तनाव जैसी कई समस्याओं में भी फायदेमंद माना जाता है। इसी के साथ ही, यह थायराइड ग्रंथि को सक्रिय करने और शरीर के चक्रों को संतुलित करने के लिए जाना जाता है।

टाइट जूते से हाई हील तक, पैरों में क्या पहनते हैं इसका शरीर पर पड़ता है असर

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। हम अक्सर कपड़े, हेयरस्टाइल और अपनी फिटनेस पर तो खूब ध्यान देते हैं, लेकिन पैरों में क्या पहन रहे हैं, इस पर उतना गौर नहीं करते। जूते या चप्पल खरीदते समय कई लोगों के लिए डिजाइन, रंग और कीमत सबसे जरूरी होती है। लेकिन साइंस की मानें तो फुटवियर सिर्फ फैशन का हिस्सा नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध पैरों की चाल, दबाव और शरीर के निचले हिस्से की मूवमेंट से भी है। गलत साइज या गलत डिजाइन का फुटवियर लंबे समय तक पहनने पर पैरों में दर्द और दूसरी परेशानियों का कारण बन सकता है।

अगर जूता पैर से छोटा है या बहुत टाइट है तो पैर की उंगलियों को सही जगह नहीं मिलती। इससे उंगलियों पर लगातार दबाव पड़ता है। लंबे समय तक ऐसा होने पर पैरों में दर्द, छाले, कॉर्न और त्वचा पर मोटी परत जैसी परेशानियां हो सकती हैं।

कई लोग जूता खरीदते समय सिर्फ यह देखते हैं कि पैर उसमें आ रहा है या नहीं। लेकिन जूते की चौड़ाई भी उतनी ही जरूरी है। अगर आगे से जूता बहुत संकरा है तो पैर की उंगलियां आपस में दब सकती हैं। इससे चलने में परेशानी और पैरों में दर्द हो सकता है। इसलिए ऐसा जूता बेहतर माना जाता है जिसमें उंगलियों को थोड़ा फैलने की जगह मिले। अगर आप लगातार हाई हील पहनते हैं तो यह सिर्फ पैरों तक सीमित असर नहीं डालती। रिसर्च में हाई हील्स को पैर की बनावट में बदलाव, मस्कुलोस्केलेटल दर्द और चोट के बढ़े हुए खतरे से जोड़ा गया है।

बार-बार शरीर में होती है अकड़न? डाइट में शामिल करें ये चीजें, बढ़ेगा लचीलापन

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। शरीर का लचीलापन सिर्फ इस बात पर निर्भर नहीं करता कि आप कितनी देर तक स्ट्रेचिंग करते हैं। आपके खाने का भी इसमें बड़ा योगदान हो सकता है। अगर शरीर को रोजाना सही मात्रा में प्रोटीन, विटामिन और जरूरी तत्व नहीं मिल रहे हैं तो मांसपेशियों की ताकत और उनकी काम करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है।

वहीं संतुलित खाना शरीर को व्यायाम के बाद खुद को ठीक करने और मजबूत बनाने में मदद करता है। हालांकि यह बात साफ है कि कोई एक फल, सब्जी या दूसरा खाद्य पदार्थ खाने से शरीर अचानक लचीला नहीं हो जाता। इसके लिए सही खान-पान के साथ नियमित व्यायाम और स्ट्रेचिंग भी जरूरी है।

सबसे पहले बात प्रोटीन वाले खाने की तो अंडा, दूध, दही, पनीर, सोया, चना, राजमा और चिकन इसके अच्छे स्रोत हैं। प्रोटीन शरीर की मांसपेशियों को बनाने और उनकी मरम्मत करने में मदद करता है। जब हम कसरत करते हैं तो मांसपेशियों पर थोड़ा दबाव पड़ता है। इसके बाद शरीर को उनकी मरम्मत के लिए अमीनो एसिड की जरूरत होती है, जो प्रोटीन से मिलते हैं। मजबूत और स्वस्थ मांसपेशियां शरीर के अंगों को बेहतर तरीके से हिलाने-डुलाने में मदद करती हैं। प्रोटीन सीधे तौर पर शरीर को लचीला नहीं बनाता, लेकिन लचीलेपन के लिए जरूरी मांसपेशियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

विटामिन सी भी इस मामले में काफी काम का है। आंवला, अमरूद, नींबू, संतरा, कीवी, टमाटर और शिमला मिर्च जैसे खाद्य पदार्थों में विटामिन सी अच्छी मात्रा में पाया जाता है। शरीर में विटामिन सी का एक महत्वपूर्ण काम कोलेजन बनाने में मदद करना है। कोलेजन एक तरह का प्रोटीन है, जो त्वचा के अलावा हड्डियों, जोड़ों और मांसपेशियों को जोड़कर रखने वाले हिस्सों को मजबूती देने में मदद करता है। शरीर में कोलेजन बनाने के लिए विटामिन सी की जरूरत होती है।

एएचएफ जूनियर विमेंस एशिया कप: भारत ने शान से बनाई फाइनल में जगह, सेमीफाइनल में साउथ कोरिया को 5-1 से रौंदा

विश्व केसरी ■

मोकी (चीन)। मौजूदा चैंपियन भारत ने शनिवार को एएचएफ जूनियर विमेंस एशिया कप 2026 के फाइनल में जगह बना ली है। सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए साउथ कोरिया को 5-1 से हराया।

सेमीफाइनल मुकाबले में भारतीय टीम का प्रदर्शन दमदार रहा। ड्रैग-फ्लिक स्पेशलिस्ट सुप्रिया ने शानदार खेल दिखाते हुए पेनल्टी कॉर्नर पर तीन गोल दागते हुए हैट्रिक लगाई। अपना खिताब बचाने की राह पर चल रही भारतीय टीम ने संभलकर शुरुआत करने के बाद खेल पर नियंत्रण बनाया और धीरे-धीरे बढ़त बनाई। फाइनल में भारतीय टीम का सामना मेजबान चीन और जापान के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

शुरुआती क्वार्टर में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, क्योंकि दोनों ही टीमें ज्यादा खिलाड़ियों को आगे भेजने से बच रही थीं। हालांकि, भारत ने धीरे-धीरे अपनी लय हासिल की और 13वें मिनट में गतिरोध तोड़ा, जब मधु सिदार ने एक बेहतरीन अटैकिंग मूव को पूरा करते हुए मौजूदा चैंपियन को 1-0 की बढ़त दिलाई।

भारत ने दूसरे क्वार्टर में दबाव बढ़ाया और कोरियाई सर्कल में लगातार घुसपैठ की। उनकी लगातार कोशिशों का नतीजा 17वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के रूप में मिला और सुप्रिया ने इस मौके को भुनाने में कोई गलती नहीं की। उन्होंने कोरियाई डिफेंस को छकाते हुए सटीक ड्रैग-फ्लिक से बढ़त को दोगुना कर दिया।

साउथ कोरिया को भारत के अटैकिंग खेल को रोकने में संघर्ष करना पड़ा, जबकि मौजूदा चैंपियन ने बॉल पजेशन (गेंद पर कब्जा) और मैदान पर अपना दबदबा बनाए रखा। भारत ने 21वें मिनट में मैच का तीसरा गोल किया। कोरियाई 23-मीटर एरिया में एक बेहतरीन एरियल बॉल ने खतरनाक अटैक की स्थिति बनाई। इसके बाद आए क्रॉस पर सुखवीर कौर ने शानदार फिनिशिंग करते हुए स्कोर 3-0 कर दिया।

साउथ कोरिया ने हाफ टाइम से पहले कुछ मौके बनाने की कोशिश की, लेकिन भारत का डिफेंस मजबूती से डटा रहा और हाफ टाइम तक तीन गोल की बढ़त बनाए रखी। भारतीय टीम ने उसी अटैकिंग इरादे के साथ खेल जारी रखा और जल्द ही अपनी बढ़त को और बढ़ा लिया। 33वें मिनट में मिले एक और पेनल्टी कॉर्नर ने सुप्रिया को अपना ड्रैग-फ्लिक आजमाने का एक और मौका दिया और उन्होंने कोई गलती नहीं की और मैच में अपना दूसरा गोल करके स्कोर 4-0 कर दिया।

आर्चरी प्रीमियर लीग: 8 से 18 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा सीजन-2, दीपिका-अतानु समेत 36 भारतीय बिखेरेंगे चमक

नई दिल्ली। आर्चरी प्रीमियर लीग (एपीएल) का दूसरा सीजन हैदराबाद में 8 से 18 अक्टूबर के बीच खेला जाएगा। नेकलेस रोड स्थित पीपुल्स प्लाजा में भारत के शीर्ष 36 तीरंदाज, 10 अलग-अलग देशों के 12 अंतरराष्ट्रीय स्टार्स के साथ मुकाबला करेंगे।

इस संस्करण हिस्सा लेने वालीं छह टीमें चेरो आर्चर्स ऑफ झारखंड, चोला चीफ्स ऑफ तमिलनाडु, काकातिया नाइट्स ऑफ तेलंगाना, माइटी मराठाज ऑफ महाराष्ट्र, पृथ्वीराज योद्धाज ऑफ दिल्ली और राजपूताना रॉयल्स ऑफ राजस्थान हैं।

चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी और वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर मेडल जीतने वाले अतानु दास, मौजूदा एशियन चैंपियन धीरज बोम्मादेवरा के साथ घरेलू रिकर्व टीम की अगुवाई करेंगे। भारत की कंपाउंड टीम भी उतनी ही मजबूत है, जिसमें वर्ल्ड कप और एशियन गेम्स चैंपियन ज्योति सुरेखा वेन्नम और अभिषेक वर्मा शामिल हैं। इसके साथ ही पूर्व वर्ल्ड चैंपियन ओजस प्रवीण देवतले भी टीम का हिस्सा हैं।

घरेलू स्टार्स का मुकाबला अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों से होगा, जिनमें तुर्की के टोक्यो 2020 ओलंपिक चैंपियन मेटे गाजोज, अमेरिका की पेरिस 2024 ब्रॉन्ज मेडलिस्ट केसी कॉफहोल्ड, ब्राजील के वर्ल्ड नंबर 1 मार्कस डी'अल्मेडा, ग्रेट ब्रिटेन की वर्ल्ड नंबर 2 एला गिब्सन और डच कंपाउंड दिग्गज माइक श्लोसेर (पूर्व वर्ल्ड चैंपियन और चार बार के वर्ल्ड कप फाइनल विजेता) शामिल हैं।

घरेलू लाइन-अप को और मजबूती देते हुए, इस महीने के आखिर में आइची-नागोया में होने वाले एशियन गेम्स में जाने वाली भारतीय टीम के सभी 12 सदस्य एपीएल इकोसिस्टम का हिस्सा हैं।

वर्ल्ड आर्चरी और नेशनल रैंकिंग के आधार पर चुने गए 36 सदस्यों वाली भारतीय टीम में जाने-माने खिलाड़ियों और उभरती हुई प्रतिभाओं का मिश्रण है। इसमें 21 तीरंदाज पहले सीजन से वापस आ रहे हैं और 15 खिलाड़ी एपीएल में अपना डेब्यू कर रहे हैं।

डेब्यू करने वालों में वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट रजत चौहान और वर्ल्ड कप स्टेज के गोल्ड मेडलिस्ट रिद्धि के साथ-साथ वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स के गोल्ड मेडलिस्ट कुशल दलाल और जूनियर नेशनल चैंपियन कीर्ति शर्मा शामिल हैं।

तेलंगाना सरकार के सहयोग से 'आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया' (एएआई) द्वारा शुरू की गई इस छह-फ्रेंचाइजी वाली लीग में महिला और पुरुष खिलाड़ियों की मिली-जुली टीमें रिकर्व और कंपाउंड कैटेगरी में मुकाबला करेंगी।

इस लीग की एक खास बात इसका 15-सेकंड का 'शॉट क्लॉक' है, जो ओलंपिक के स्टैंडर्ड समय से पांच सेकंड कम है। इसका फॉर्मेट खिलाड़ियों की फैसला लेने की क्षमता, रफ्तार और संयम को परखने के साथ-साथ टीम प्रतियोगिता में दबाव का एक अतिरिक्त स्तर जोड़ने के लिए बनाया गया है।

मुकाबले शाम 7:30 बजे से 9:30 बजे तक खेले जाएंगे। पहले सीजन में 'राजपूताना रॉयल्स' ने ऐतिहासिक पहला खिताब जीता था, जिसके बाद टीम फिर से खिताबी जीत दोहराना चाहेगी।

कंपाउंड पुरुष (भारत): ऋषभ यादव, कुशल दलाल, साहिल राजेश जाधव, अभिषेक वर्मा, तिरुमुरु गणेश मणि रत्नम, ओजस प्रवीण देवतले, शिवशंकर सखाराम, अमन सैनी, रजत चौहान।

कंपाउंड पुरुष (विदेशी): माइक श्लोसेर (नीदरलैंड), मैथियास फुलरटन (डेनमार्क), निको विनर (ऑस्ट्रिया)।

'मैं बस खुलकर खेलना चाहती हूं', डब्ल्यूसीपीएल में खेलने को लेकर उत्साहित हरलीन देओल

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की बल्लेबाज हरलीन देओल विमेंस कैरेबियन प्रीमियर लीग (डब्ल्यूसीपीएल) के बाकी मैचों के लिए बारबाडोस ट्राइडेंट्स टीम में शामिल हो गई हैं। वह इस टूर्नामेंट में खेलने वाली पांचवीं भारतीय क्रिकेटर बन गई हैं। हरलीन ट्राइडेंट्स टीम में अपनी साथी खिलाड़ियों पूजा वस्त्राकर और किरण नवगिरे के साथ जुड़ गई हैं। यह किसी ग्लोबल फ्रेंचाइजी टी20 टूर्नामेंट में उनका पहला अनुभव होगा।

भारत में आधिकारिक ब्रॉडकास्टर 'फैनकोड' द्वारा आयोजित वर्चुअल बातचीत में हरलीन ने 'आईएएनएस' से कहा, 'मैं बारबाडोस ट्राइडेंट्स के साथ हूं और मुझे यहां आए हुए अभी सिर्फ दो दिन ही हुए हैं। यह सब बहुत अचानक हुआ। इसी वजह से मैं बहुत उत्साहित हूं और यहां अच्छा लग रहा है। सच कहूं तो यह अनुभव बहुत शानदार रहा है, क्योंकि यहां का माहौल और अनुभव बिल्कुल अलग है। मैंने अभी सिर्फ एक प्रैक्टिस सेशन में हिस्सा लिया है और हम टीम बॉन्डिंग के लिए एक क्रूज पर गए थे। वह वाकई बहुत अच्छा अनुभव था। भारत की वनडे वर्ल्ड कप 2025 विजेता टीम की सदस्य हरलीन ने बताया कि फ्रेंचाइजी मैनेजमेंट के अचानक बुलावे के बाद ही वह कैरेबियन पहुंचीं।

'100 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना एक बड़ी उपलब्धि': मोहम्मद शमी

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी घरेलू क्रिकेट में हर फॉर्मेट में सक्रिय हैं। हाल ही में दलीप ट्रॉफी फाइनल में साउथ जोन के खिलाफ उन्होंने ईस्ट जोन के लिए शानदार गेंदबाजी की। ईस्ट जोन दलीप ट्रॉफी चैंपियन बनी है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल मोहम्मद शमी के करियर का 100वां प्रथम श्रेणी मुकाबला था। शमी ने इस उपलब्धि को बेहद खास बताया है।

बीसीसीआई डोमेस्टिक द्वारा एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो में शमी ने कहा, '100वां मैच हमेशा खास होता है, चाहे आप शतक बनाएं और पहली बार बल्ला उठाएं या आप 100 मैच खेलें, यह एक बहुत लंबा सफर है, एक लंबा त्याग है और आपकी जिंदगी का एक लक्ष्य है।

उन्होंने कहा, 100 फर्स्ट-क्लास मैच खेलना, अपने राज्य को गर्व महसूस कराना, अलग-अलग जगहों पर, अलग-अलग हालात में मैच खेलना और विकेट लेना एक सपना है। यह एक बड़ी बात है।

शमी 21 साल के थे जब ईस्ट ने 2012 में अपना पहला दिलीप ट्रॉफी टाइटल जीता था। शमी 14 साल बाद ईस्ट के तीसरे खिताब का अहम हिस्सा हैं।

शमी ने कहा, यह बहुत खास है क्योंकि यह आपका 100वां मैच है और आपके पास दिलीप ट्रॉफी फाइनल है। जीतने पर यह जीवन की एक यादगार चीज बन जाती है। पिछली बार जब ईस्ट जोन जीता था, तो मैं वहां था, और अब, उन सालों के बाद, मैं अभी भी यहां मौजूद हूं क्योंकि सर्कल पूरा हो गया है। 100वां मैच और दिलीप ट्रॉफी फाइनल जीत, यह मेरे लिए वाकई खास है।

दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने कहा, इतने वर्षों के बाद भी विकेट की भूख, दौड़ने का जुनून पहले जैसा ही है। अब बस एक चीज बदली है। उस समय मुझे कुछ नहीं पता था, अब मुझे रणनीति, उसका कार्यान्वयन और परिपक्वता का ज्यादा पता है।

शमी ने कहा, उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। अगर आप जिंदगी को देखें, तो बहुत संघर्ष है, दर्द है, राहत है, हंसी है, खुशी है— इसमें सब कुछ आता है, लेकिन आप इसे कैसे मैनेज करते हैं, आप खुद को कैसे बनाए रखते हैं, यह बहुत जरूरी हिस्सा है। आप अपना खाली समय कैसे बिताते हैं, आप अपनी रिदम कैसे बनाए रखते हैं, आप गेम में कैसे निरंतरता दिखाते हैं, आप गेम से कैसे जुड़े रहते हैं, बहुत सी चीजें हैं।

उन्होंने, पैशन हमें आगे ले जाता है और इतने वर्षों तक प्रदर्शन का मौका देता है। मुझे लगता है कि आपको एक अच्छा फाइटर होना चाहिए और यह बहुत मुश्किल नहीं है।

शमी दुबई में 9 मार्च 2025 को हुए चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल के बाद भारतीय टीम के लिए नहीं खेले हैं। रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड को हराकर चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी।

सीपीएल: अमेजन वॉरियर्स ने त्रिनबागो नाइट राइडर्स को 6 विकेट से हराया

विश्व केसरी ■

गुयाना। कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 का 33वां मुकाबला प्रोविडेंस स्टेडियम में त्रिनबागो नाइट राइडर्स और गुयाना अमेजन वॉरियर्स के बीच खेला गया। अमेजन वॉरियर्स ने अपना शानदार प्रदर्शन बरकरार रखा और त्रिनबागो को 6 विकेट से हरा दिया। अमेजन के लिए शे होप ने नाबाद 42 रन बनाए।

अमेजन वॉरियर्स ने जीत के लिए मिले 127 रन के लक्ष्य को 18.4 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। अमेजन के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज शे होप ने 35 गेंदों पर नाबाद 42 रन की पारी खेली। होप ने जस्टिन ग्रीव्स को चौका और छक्का लगाते हुए मैच खत्म किया। होप ने अपनी पारी में 2 छक्का और 1 चौका लगाया। इसके अलावा, शिमरोन हिटमायर ने 28, मानवेंद्र दिनदयाल ने 19, क्विंटन सैंपसन ने 12 और ग्लेन फिलिप्स ने 11 रन बनाए।

त्रिनबागो के लिए सुनील नरेन ने बेहद किफायती गेंदबाजी की और 4 ओवर में 1 मेडन फेंकते हुए मात्र 13 रन देकर 1 विकेट लिए। उस्मान तारिक ने 4 ओवर में 19 रन देकर 1 और लाहिरु कुमारा ने 4 ओवर में 30 रन देकर 1 विकेट लिए। अकील हुसैन ने भी 4 ओवर में 31 रन देकर 1 विकेट लिया। सुनील नरेन और उस्मान तारिक की किफायती गेंदबाजी भी त्रिनबागो को हार से नहीं बचा सकी। टीम को स्कोर बोर्ड पर कम रन होने का खामियाजा भुगतना पड़ा।

साई गुवाहाटी में एशियन गेम्स 2026 की तैयारियों में जुटे नेपाल के मुक्केबाज, विशेष ट्रेनिंग कैंप में ले रहे हिस्सा

विश्व केसरी ■

गुवाहाटी। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) का नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) एशियन गेम्स 2026 की तैयारी कर रही नेपाल की बॉक्सिंग टीम के लिए एक विशेष ट्रेनिंग कैंप आयोजित कर रहा है। इस कैंप के जरिए पड़ोसी देश के खिलाड़ियों को अपनी तैयारी के आखिरी चरण में भारत के बेहतरीन स्पोर्ट्स इकोसिस्टम का लाभ मिल रहा है।

सात मुक्केबाजों और दो कोचों वाला नेपाल का दल 10 अगस्त से साई एनसीओई में ट्रेनिंग कर रहा है और 15 सितंबर तक यहीं रहेगा। इसके बाद वे एशियन गेम्स के लिए जापान रवाना होंगे, जो 19 सितंबर से शुरू हो रहे हैं। नेपाल बॉक्सिंग फेडरेशन ने साई एनसीओई गुवाहाटी में ट्रेनिंग के लिए इस संयुक्त ट्रेनिंग और फ्रेंडली

कॉम्पिटिशन प्रोग्राम का औपचारिक अनुरोध किया था।

कैंप के बारे में बात करते हुए साई रीजनल सेंटर गुवाहाटी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डी.के. मित्तल ने कहा, 'नेपाल की बॉक्सिंग टीम साई एनसीओई गुवाहाटी में व्यवस्थित ट्रेनिंग और कोचिंग ले रही है। इस तरह के स्पोर्ट्स एक्सचेंज भारत और नेपाल के बीच संबंधों को मजबूत करने और दोस्ती, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। खेल भारत और नेपाल के लोगों को जोड़ने वाले एक मजबूत पुल का काम करते हैं।'

उन्होंने आगे कहा, 'नेपाली खिलाड़ियों ने भारतीय खिलाड़ियों, कोचों और स्टाफ के साथ मिलकर राष्ट्रीय खेल दिवस के समारोह में भी हिस्सा लिया। उनकी टीम ने साई एनसीओई गुवाहाटी में शिक्षक दिवस समारोह में भी भाग लिया। इन मुलाकातों से आए हुए खिलाड़ियों को एनसीओई समुदाय का हिस्सा बनने और ट्रेनिंग के मैदान से परे एकजुटता की भावना का अनुभव करने का मौका मिला। इस तरह के स्पोर्ट्स एक्सचेंज भारत और नेपाल के बीच संबंधों को मजबूत करने और दोस्ती, सहयोग और आपसी समझ को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।

खेल भारत और नेपाल के लोगों को जोड़ने वाले एक अहम पुल का काम करते हैं।

यूएस ओपन: अलेक्जेंडर ज्वेरेव फाइनल में पहुंचे, करेन खाचानोव को दी मात

विश्व केसरी ■

न्यूयॉर्क। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 एकल के फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने सेमीफाइनल में करेन खाचानोव को 6-3, 7-6(7), 7-6(6) से हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई।

मैच की शुरुआत में ज्वेरेव नियंत्रण में दिख रहे थे। उनकी सर्व ने उन्हें एक भरोसेमंद प्लेटफॉर्म दिया, जबकि उनके बेसलाइन गेम ने खाचानोव को बार-बार असहज स्थिति में डाला। रूसी खिलाड़ी के 3-3 से बराबर होने के बाद, ज्वेरेव ने अहम मौके पर अपनी तेजी बढ़ाई ताकि उन्हें जरूरी एकमात्र ब्रेक मिल सके और पहला सेट जीत सकें।

खाचानोव ने दूसरे सेट में जोरदार जवाब दिया। ज्वेरेव शुरू में 2-0 से आगे हो गए, लेकिन रूसी खिलाड़ी को दोनों विंग से ज्यादा आक्रामकता मिली और उन्होंने सेट पलट दिया। वह 5-4 से आगे हो गए और ज्वेरेव पर दबाव डाला, इससे पहले कि जर्मन खिलाड़ी ने मजबूती से टिककर टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया।

टाई-ब्रेक हिम्मत का टेस्ट बन गया। ज्वेरेव ने दो सेट पॉइंट गंवाए लेकिन अपने तीसरे मौके का फायदा उठाकर फाइनल से एक सेट के अंदर पहुंच गए। खाचानोव ने मैच का अपना सबसे अच्छा टेनिस खेला था, फिर भी ज्वेरेव ने दबाव वाले क्षणों में भी धैर्य से खेल बढ़ाया।

तीसरा सेट भी छोटे-छोटे अंतरों की लड़ाई थी। ज्वेरेव पहले 5-4 और बाद में 6-5 से आगे थे। लेकिन खाचानोव ने दोनों बार गेम बनाए रखा और एक और टाई-ब्रेक के लिए मजबूर किया। रूसी खिलाड़ी को फायदा होता दिख रहा था। खाचानोव ने 6-4 की बढ़त बनाई और दो सेट पॉइंट हासिल किए, लेकिन ज्वेरेव ने अहम जवाब दिया और आखिरकार दो घंटे 57 मिनट के बाद सीधे सेटों में जीत हासिल की।

जर्मनी के ज्वेरेव 6 साल बाद यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचे हैं। पिछली बार 2020 में उन्होंने फाइनल में जगह बनाई थी और तब उन्हें डोमिनिक थिएम से हार का सामना करना पड़ा था।

ज्वेरेव का यह छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। वहीं, साल का यह उनका तीसरा फाइनल है। ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाले ज्वेरेव को विंबलडन के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा था। अब उनके पास अपना पहला यूएस ओपन और दूसरा ग्रैंड स्लैम जीतने का मौका है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादकः रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251